25:08:2023

web: www.rashtriyakhabar.com

अखबार जो बदल दे नजरिया

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र

पेज ›› 12 मूल्य ›› 3 रुपये ›› वर्ष ›› 14 अंक ›› 232 | epaper.rashtriyakhabar.com | श्रावण, शुक्लपक्ष नवमी, विक्रम संवत 2080

विदुर नीति

द्वावेव न विराजेते विपरीतेन कर्मणा।

गृहस्थश्च निरारम्भः कार्यावांश्चैव भिक्षुकः॥

भावार्थ : हे राजन्! ये दो प्रकार के व्यक्ति अपने विपरीत कर्मों के कारण शोभा नहीं पाते- पुरुषार्थ न करनेवाला या निकम्मा गृहस्थ और काम में लगा रहनेवाला संन्यासी।

रांची पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
27.00 °c	23.00 °c

सूर्यास्त (आज) ›› 18.13 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 05.28 बजे

गूगल ने किया चंद्रयान-3 की सफलता को सलाम

नयी दिल्ली: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग को बखूबी अंजाम देकर जो इतिहास रचा, उसे देश और दुनिया भर के मुल्कों ने तो सराहा ही आज के युग की लाइफलाइन माने जाने वाले इंटरनेट सर्च इंजन गूगल ने भी अपने डूडल के माध्यम से भारत की इस शानदार कामयाबी को सलाम किया है। गूगल महत्वपूर्ण अवसरों पर आकर्षक डूडल देकर घटना विशेष के महत्व को दर्शाता है और कल भारत के चंद्रयान मिशन चंद्रयान-3 की सफल लैंडिग की ऐतिहासिक घटना पर भी गूगल ने आकर्षक डूडल बनाया गया है। इस डूडल में गूगल की स्पेलिंग के दूसरे "ओ" अक्षर को चंद्रमा के आकार दिया गया है, जो मुस्कुरा रहा है और उसके दक्षिणी ध्रुव पर भारत के चंद्रयान को दिखाया गया है। डूडल में एक जिफ भी लगाया गया है जिसमें चंद्रयान जब चांद की कक्षा में चक्कर लगा रहा था तो चांद उसे हैरानी से देखता है और जब चंद्रयान उसकी सतह पर उतरता है और रोवर सतह पर चलता है तो वह खुश हो जाता है। चांद के आस पास टिमटिमाते तारे में दिखाये गये हैं। गौरतलब है कि भारत का चंद्रयान-3 बेहद सटीकता के साथ चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा है। चंद्रमा का यह हिस्सा लैंडिंग के हिसाब से बेहद खतरनाक माना जाता है और यही वजह है कि अभी तक दुनिया के जिस भी देश ने यान भेजे हैं वह उसके इक्वेटोरियल रीजन पर ही उतारे गये हैं। कोई देश चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतर नहीं पाया लेकिन कल भारत के चंद्रयान-3 ने इसी हिस्से पर उतरकर एक नया इतिहास रचा, जिसे आज दुनिया अपने अपने तरीके से सलाम कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया में एक टन से अधिक भांग जब्त

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरिया प्रांतीय पुलिस ने एक टन से अधिक भांग जब्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32.40 लाख डॉलर) है। विक्टोरिया पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने प्रांत में पांच आवासीय स्थानों पर तलाशी ली। इस दौरान, लगभग दो लाख आस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 1.30 लाख डॉलर) नकद और 745 से अधिक भांग के पौधे बरामद किए। इससे पहले, बुधवार को चलाए गए अभियान में भांग के 180 पौधे जब्त किए गए थे। गौरतलब है कि कथित तौर पर सिंडिकेट के सरगना पर बड़ी मात्रा में भांग की व्यावसायिक मात्रा में खेती और तस्करी करने तथा अपराध की आय रखने का आरोप था। इस बीच, एक महिला (44) पर व्यावसायिक मात्रा में भांग की खेती और तस्करी का आरोप लगाया गया।

सिद्दारमैया ने सोमनाथ को भेंट की गुलदस्ता

बेंगलुरु: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के लिए इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ को हार्दिक बधाई देते हुए फूलों की गुलदस्ता और पगड़ी भेंट की। आधिकारिक सूत्रों ने कहा, श्री सिद्दारमैया ने वैज्ञानिकों से मुलाकात के दौरान डॉ. सोमनाथ को गुलदस्ता और पगड़ी भेंट की। चंद्रयान-3 कल एक ऐतिहासिक घटना में शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा जिसका पूरा देश ने उत्सव मनाया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा की इस अज्ञात सतह पर उतरने वाला पहला और इसकी सतह पर उतरने वाला अमेरिका, चीन और तत्कालीन सोवियत संघ के बाद चौथा देश बन गया। कल शाम छह बजकर चार मिनट पर लैंडर विक्रम के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग के करीब ढाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान लैंडर से बाहर आया और चहलकदमी शुरू कर दी।

अपरिहार्य कारणों से आज का अंक 12 पृष्ठों का है। पाठकों की असुविधा के लिए हमें खेद है।

संबोधन › जोहांसबर्ग से वीडियो लिंक के जरिए किया संबोधित

जी 20 के सदस्य आपसी विश्वास बहाल करें: मोदी

- यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है
- भारत ने लालफीताशाही खत्म किया है
- सभी को डिजीटल कॉमर्स को अपनाना होगा

राष्ट्रीय खबर

जयपुर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि महामारी से लेकर भू-राजनीतिक तनाव तक मौजूदा वैश्विक चुनौतियों ने विश्व अर्थव्यवस्था की परीक्षा ली है और जी-20 देशों के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश में विश्वास का पुनर्निर्माण करें। श्री मोदी गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग से वीडियो लिंक के माध्यम से राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित जी-20 व्यापार और निवेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जी-20 सदस्यों की एक परिवार के रूप में सामूहिक जिम्मेदारी है कि वे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं में विश्वास बहाल करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वैश्विक व्यापार प्रणाली को धीरे-धीरे अधिक प्रतिनिधिक और समावेशी भविष्य में परिवर्तित करने को सुनिश्चित करने के लिए कार्य समूह सामूहिक रूप से आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री अपने संबोधन में गुलाबी शहर की जनता का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि यह क्षेत्र अपने गतिशील और उद्यमशील लोगों के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि व्यापार ने विचारों, संस्कृतियों और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है, साथ ही इतिहास गवाह है कि यह लोगों को निकट लाया है। श्री मोदी ने कहा कि व्यापार और वैश्वीकरण ने करोड़ों लोगों को अत्यंत गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि आज भारत को खुलेपन, अवसरों और विकल्पों के मेल के रूप में देखा जाता है। उन्होंने कहा सरकार के निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, भारत पिछले नौ वर्षों के दौरान पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। हमने 2014 में सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की यात्रा शुरू की। प्रधानमंत्री ने उदाहरण देते हुए बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता और बढ़ी हुई पारदर्शिता, डिजिटलीकरण के विस्तार और नवाचार को बढ़ावा देने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत ने समर्पित माल ढुलाई गलियारे स्थापित किए हैं और औद्योगिक क्षेत्र बनाए हैं। श्री मोदी ने कहा हम लाल फीताशाही से रेड कार्पेट और उदारीकृत एफडीआई प्रवाह की ओर बढ़ गए हैं। उन्होंने विनिर्माण को बढ़ावा देने वाली मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी पहलों और देश में नीतिगत स्थिरता का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सरकार अगले कुछ वर्षों में भारत को तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ›› शेष पेज 2 पर

संजय मिश्रा को अब नया पद देकर रखने की तैयारी में मोदी सरकार

भारत के मुख्य जांच अधिकारी पोस्ट का सृजन होगा

राष्ट्रीय खबर

नई दिल्ली: केंद्र सरकार भारत के मुख्य जांच अधिकारी (सीआईओ) का एक नया पद बनाने पर विचार कर रही है, जिसे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के प्रमुखों को रिपोर्ट करना होगा। सबसे अधिक संभावना है कि ईडी के वर्तमान प्रमुख संजय कुमार मिश्रा को 15 सितंबर को अपना मौजूदा कार्यालय छोड़ने से पहले पहला सीआईओ बनाया जा सकता है। सीआईओ चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की तरह सीधे प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) को रिपोर्ट करेगा - एक पद जिसे नरेंद्र मोदी सरकार ने 2019 में बनाया था। तीन रक्षा सेवाओं के प्रमुख सीडीएस को रिपोर्ट करते हैं।

सरकार के सूत्रों का हवाला देते हुए, कहा गया है कि सीआईओ की नई भूमिका के निर्माण के पीछे का विचार सीबीआई और ईडी के बीच बेहतर तालमेल लाना है। जबकि ईडी मुख्य रूप से वित्तीय धोखाधड़ी से निपटती है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) उल्लंघन से संबंधित मामले शामिल हैं, वहीं सीबीआई भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करती है। मामलों की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने कहा कि जांच के दौरान ओवरलैप के कारण ऐसी नई संस्था के निर्माण की आवश्यकता होती है।

मिश्रा, जो संभवतः पहले सीआईओ के रूप में कार्यभार संभाल सकते थे, को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने व्यापक सार्वजनिक और राष्ट्रीय हित में 15 सितंबर तक ईडी प्रमुख के पद पर बने रहने की अनुमति दी थी, जबकि उन्हें तीसरा विस्तार देने की केंद्र की याचिका ›› शेष पेज 2 पर

विमान हादसे में वैगनर प्रमुख सहित दस मारे गये

एजेंसियां

मॉस्को: रूस की राजधानी मॉस्को के टेवर इलाके में एक निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। वैगनर के भाड़े के सैनिकों के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन यात्री सूची में थे। यह विमान बुधवार को मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। खबर रूसी समाचार एजेंसी तास की है। रूसी मीडिया आरआईए नोवोस्ती की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में प्रिगोगिन समेत 10 यात्री सवार थे। उनमें से तीन चालक दल थे। हादसे में सभी की मौत हो गई।

बताया गया है कि रूस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (रोसावियात्स्य) ने कहा कि प्रिगोझिन का नाम दुर्घटनाग्रस्त विमान के यात्रियों की सूची में था। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के अधिकारियों ने यह भी कहा कि मृत यात्रियों में से एक का नाम प्रिगोझिन था। हालाँकि, उन्होंने दुर्घटना के बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। रूसी समाचार एजेंसी इंटरफैक्स के हवाले से बीबीसी की खबर के मुताबिक, 10 शव बरामद किए गए हैं। रूसी आपातकालीन सेवा विभाग द्वारा बचाव अभियान पूरा कर लिया गया है। हालांकि, शवों की पहचान की पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले, वैगनर ग्रुप से संबद्ध टेलीग्राम चैनल ग्रे जोन ने बताया था कि हवाई रक्षा गोलीबारी के कारण विमान मॉस्को के उत्तर में एक क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रिगोगिन को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का करीबी माना जाता था। यूक्रेन युद्ध तक वह सेना को पीछे से चला

रहे थे। लेकिन उन्होंने और उनकी सेनाओं ने यूक्रेन में रूस के युद्ध पर खुलकर चर्चा की।

प्रिगोझिन के लड़ाकों ने यूक्रेन में रूस के लिए अहम भूमिका निभाई। हालाँकि, जून के अंत में, वैगनर की सेना ने रूसी सैन्य नेतृत्व के खिलाफ एक सशस्त्र विद्रोह किया। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको की मध्यस्थता के बाद विद्रोह समाप्त हुआ। समझौते के अनुसार, उन्हें बेलारूस में निर्वासन में जाना था। लेकिन उसका ठिकाना स्पष्ट नहीं था। इस सप्ताह की शुरूआत में, प्रिगोगिन ने अफ्रीका में होने का दावा करते हुए एक वीडियो जारी किया था। प्रिगोगिन सेंट पीटर्सबर्ग में पले-बढ़े। वह 80 के दशक में चोरी और डकैती में शामिल था। आरोप साबित होने के बाद वह 9 साल तक जेल में रहे। 90 के दशक में उनकी मुलाकात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई। क्रेमलिन से विभिन्न खानपान अनुबंध प्राप्त करके वह अमीर बन गया। उन्हें एक समय पुतिन के शेफ के नाम से जाना जाता था।

चुनावी मौसम में प्याज से भाजपा के निकलेंगे आंसू

नईदिल्ली: खुले बाजार में अनाज समेत कई खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोग नाराज हैं। कीमत कम करने के कदमों में से एक के रूप में, मोदी सरकार ने 31 दिसंबर तक प्याज निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया है। लेकिन इस कदम से इस बार किसानों और प्याज व्यापारियों में गुस्सा फैल गया। इसके चलते सोमवार को महाराष्ट्र के नासिक की ज्यादातर मंडियों में अनाज की नीलामी बंद रही। जिले के अलग-अलग हिस्सों में किसानों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। उनका दावा है कि इस कदम के परिणामस्वरूप, उनके लिए खेती की लागत निकालना व्यावहारिक रूप से असंभव हो जाएगा।

सीआरपीएफ को नया बख्तरबंद वाहन कश्मीर में दिये गये

राष्ट्रीय खबर

नईदिल्ली: कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए सीआरपीएफ को बख्तरबंद वाहन मिले जो जमीन और पानी पर काम करते हैं। कश्मीर में आतंकवाद से लड़ने के लिए अपनी परिचालन क्षमताओं को और उन्नत करते हुए, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक परिष्कृत वाहन शामिल किया है जो अपने जल जेट का उपयोग करके जमीन के साथ-साथ पानी पर भी काम कर सकता है। बल ने नए पहिएदार बख्तरबंद उभयचर प्लेटफॉर्म को शामिल करना शुरू कर दिया है। यह डब्ल्यूएचएपी

वाहन दक्षिण कश्मीर में पहले स्थान पर हैं, जहां अभी भी विदेशी आतंकवादियों के अलावा स्थानीय उग्रवाद के अवशेष हैं। यह वाहन टाटा और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा संयुक्त रूप से बनाए गए हैं और ड्राइवर सहित 12 सुसज्जित सैनिकों को ले जा सकते हैं। इस वाहन को टाटा केसट्रेल के नाम से भी जाना जाता है। पहला वाहन दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ›› शेष पेज 2 पर

आल्प्स पर्वत के ग्लेशियरों के प्रति सतर्क किया पुलिस ने

बड़े बर्फ खंड अचानक नीचे गिरने का खतरा

जिनेवा: दक्षिण-पश्चिम स्विट्जरलैंड में पुलिस ने बुधवार को चेतावनी दी कि गर्मी की लहर ने अल्पाइन क्षेत्र में चट्टान और बर्फ गिरने का खतरा बढ़ा दिया है, जहां इस साल यह पर्वतारोहियों और पैदल यात्रियों के लिए विशेष रूप से घातक है। इस इलाके में आने वाले ज्यादातर विदेशी पर्यटक हैं। वैलैस क्षेत्रीय पुलिस का कहना है कि तापमान में बढ़ोतरी और स्विट्जरलैंड में शून्य डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ लगभग 5,300 मीटर (लगभग 17,300 फीट) की रिकॉर्ड ऊंचाई ने आल्प्स में कटाव को तेज कर दिया है। क्षेत्रीय पुलिस प्रवक्ता स्टीव लेगर ने एक ईमेल में कहा, पिछले कुछ दिनों की गर्मी और आने वाले दिनों में ऊंचे पहाड़ों में खतरे का स्तर बढ़ गया है। उच्च तापमान ने रात के समय की सामान्य ठंड को खतरे में डाल दिया है जो बर्फ को ठोस बनाए रखने में मदद करती है। परिणामस्वरूप पिघलने का मतलब है कि ग्लेशियर और सेराक जैसे बर्फ के टुकड़े - ग्लेशियरों के शीर्ष पर बर्फ के ब्लॉक या टॉवर साथ ही बर्फ द्वारा एक साथ रखी गई चट्टानी संरचनाएं उखड़ सकती हैं, जिससे पर्वतारोहियों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। इस साल अब तक, 17 पर्वतारोही - या पर्वतारोही जो आल्प्स में सबसे अधिक ऊंचाई तक यात्रा करते हैं, वैलैस क्षेत्र में अपनी जान गंवा चुके हैं। यह पिछले पांच वर्षों में से प्रत्येक में दर्ज की गई वार्षिक संख्या से अधिक है। इसके अलावा, इस साल वैलैस में कम ऊंचाई वाले भ्रमण के दौरान छह पैदल यात्रियों की मौत हो गई है। उन 23 पीड़ितों में से केवल पांच स्विस थे। अन्य में ऑस्ट्रियाई, बेल्जियम, ब्रिटिश, डच, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, रोमानियाई, ताइवानी और यूक्रेनी नागरिक शामिल हैं।

अद्भुत › ब्राजिल से लेकर पश्चिमी अटलांटिक तक मौजूद है यह प्रजाति

यह मछली सिर्फ आंख नहीं चमड़ी से भी देखती है

- उसके शरीर में एक खान जीन होता है
- भविष्य के विज्ञान को इससे मदद मिलेगी
- ऑप्सिन प्रोटीन उनकी त्वचा के नीचे होता है

राष्ट्रीय खबर

रांची: इस मछली की पहचान पहले ही हो चुकी थी। इसे समुद्री वैज्ञानिक उसकी जीव विज्ञान की भाषा में हॉगफिश कहते हैं। इसके बारे में पहले ही पता चला था कि यह अपना रंग बदलती है। इस गुण की वजह से वह खुद को शिकारियों से बचाती है और शिकार भी कर पाती है। लेकिन उसके बारे में कुछ साल पहले जो शोध प्रारंभ किया गया था। उसका नतीजा अब सामने आया है। इस शोध के मुताबिक रंग बदलने वाली यह मछली दरअसल आंखों के अलावा अपनी चमड़ी से भी प्रकाश का पता लगा लेती है। फ़्लोरिडा कीज में मछली पकड़ने की यात्रा के दौरान, जीवविज्ञानी लोरी श्वेइकर्ट का सामना एक असामान्य त्वरित-परिवर्तन अधिनियम से हुआ। उसने एक हॉगफिश को घुमाया और उसे जहाज पर फेंक दिया। लेकिन बाद में जब वह उसे कूलर में रखने गई तो उसे कुछ अजीब लगाः उसकी त्वचा का रंग और पैटर्न नाव के डेक जैसा ही हो गया था। उत्तरी कैरोलिना से ब्राजील तक पश्चिमी अटलांटिक महासागर में एक आम मछली, हॉगफिश अपनी रंग बदलने वाली त्वचा के लिए जानी जाती है। प्रजातियाँ कुछ ही मिलीसेकंड में मूंगे, रेत या चट्टानों के साथ घुलने-मिलने के लिए सफेद से धब्बेदार से लाल-भूरे रंग में बदल सकती हैं। श्वेइकर्ट आश्चर्यचकित था क्योंकि इस हॉगफिश ने अपना छद्मवेश जारी रखा था, भले ही वह अब जीवित नहीं थी। जिससे वह आश्चर्यचकित हुए कि क्या हॉगफिश अपनी आंखों और मस्तिष्क से स्वतंत्र होकर, केवल अपनी त्वचा का उपयोग करके प्रकाश ›› शेष पेज 2 पर

उत्तरी कैरोलिना विलमिंगटन विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर श्वेइकर्ट ने कहा, ऑक्टोपस से लेकर गेको तक अन्य रंग बदलने वाले जानवर भी अपनी त्वचा में प्रकाश-संवेदन ऑप्सिन बनाते पाए गए हैं। लेकिन वास्तव में वे रंग बदलने में मदद के लिए उनका उपयोग कैसे करते हैं यह स्पष्ट नहीं है। जब हमने इसे हॉगफिश में पाया, तो मैंने सोंके की ओर देखा और कहाः त्वचा में प्रकाश डिटेक्टर क्यों है। एक परिकल्पना यह है कि प्रकाश-संवेदी त्वचा जानवरों को अपने परिवेश में रहने में मदद करती है। लेकिन नए निष्कर्ष एक और संभावना का सुझाव देते हैं कि वे इसका उपयोग खुद को देखने के लिए कर सकते हैं।

कोरोना के फिर से फैलने की वजह से विशेषज्ञों ने कहा

फिर से मास्क पहनने का अभ्यास कीजिए

वाशिंगटन: कोरोना वायरस के कई नये स्वरुपों में फैलते जाने की वजह से कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि शायद अब समय आ गया है कि हम कोविड के खिलाफ मास्क का इस्तेमाल फिर से प्रारंभ कर लें। बढ़ती संख्या के अनुसार, यदि आपको कोविड-19 से गंभीर बीमारी या मृत्यु का खतरा अधिक है, तो अब समय आ गया है कि आप उन एन95 मास्क को लगा लें और वायरस के हालिया प्रकोप से खुद को बचाने के लिए उन्हें अपनी नाक और मुंह पर अच्छी तरह से रख लें। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ जोनाथन रेनर ने कहा, यह सलाह 80 वर्षीय राष्ट्रपति जो बिडेन तक पहुंचनी चाहिए। रेनर ने कहा, कोविड संक्रमण के बाद जटिलताओं के लिए ऑक्टोजेरियन लोग सबसे अधिक जोखिम वाले समूह में शामिल हैं। कम से कम जब तक संख्या फिर से कम न होने लगे, राष्ट्रपति बिडेन के ›› शेष पेज 2 पर

राष्ट्रीय ख़बर हमारी नज़र राजनीति

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

जी-20 सम्मेलनों का जमकर चुनावी प्रचार किया जा रहा है:आभा

रांची: झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की प्रवक्ता आभा सिन्हा कहा है कि मोदी सरकार देश में हो रहे जी-20 सम्मेलनों का पूरा फायदा उठा रही है और इसको लेकर जमकर चुनावी प्रचार किया जा रहा है।श्रीमती सिन्हा ने ने कहा कि सरकार जी-20 सम्मेलनों के जरिए देश का ध्यान मुद्दों से भटकाने के लिए कर रही है और इस संगठन की बैठकों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का चुनावी प्रचार जमकर किया जा रहा है। अन्य देशों में भी जी-20 के सम्मेलन होते हैं लेकिन वहां इस तरह का प्रचार नहीं चलता है।उन्होंने कहा कि जी-20 का गठन 1999 में हुआ था। इसमें दुनिया के 19 देश तथा यूरोपीयन यूनियन सदस्य हैं।

सहमति कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 28 कैदियों को रिहा करने पर सहमति बनी

रिहा होने वाले कैदियों का सामाजिक पुनर्वास हो यह सुनिश्चित करें: हेमन्त सोरेन

››मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 29वीं बैठक सम्पन्न हुई

››कैदियों की गतिविधियों का ट्रैकिंग एवं काउंसलिंग भी की जाए

राष्ट्रीय खबर

रांची: मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आज झारखंड मंत्रालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 29वीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 41 कैदियों के रिहाई से संबंधित समीक्षा की गई। बैठक में 28 कैदियों को रिहा करने पर सहमति बनी। समीक्षा के क्रम में अदालतों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षक, जेल अधीक्षक और प्रोबेशन पदाधिकारी के मंतव्य पर गहन विचार-विमर्श के उपरान्त राज्य के विभिन्न जेलों में आजीवन सजा काट रहे 28 कैदियों को रिहा करने पर स्वीकृति दी गई।

बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक में जिन कैदियों की रिहाई सुनिश्चित की गई है उनका सामाजिक पुनर्वास आवश्यक है। संबंधित विभाग के अधिकारी एक बेहतर कार्य योजना बनाकर इन कैदियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का काम करें। जेल से रिहा होने के बाद ऐसे कैदियों की गतिविधियों की निरंतर ट्रैकिंग और मॉनिटरिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि समय-समय पर इन कैदियों की काउंसलिंग भी की जाए। जेल से निकलने के बाद इन कैदियों के जीवनयापन में सामाजिक रूप से कोई बाधा न पहुंचे तथा आर्थिक समस्या उत्पन्न न हो इस निमित्त इन्हें स्वरोजगार से जोड़ने का कार्य भी आवश्यक रूप से की जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग श्री अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक श्री अजय कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीमती वंदना दादेल, प्रधान सचिव-सह-विधि परामर्शी विधि (न्याय) विभाग श्री नलिन कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विनय कुमार चौबे, न्यायायिक आयुक्त श्री अरुण कुमार राय, कारा महानिरीक्षक श्री उमा शंकर सिंह सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

हेमन्त सरकार मंत्रीमंडल के सदस्य होटवार जेल जायेंगे :नायक

राष्ट्रीय खबर

रांची: उपरोक्त बातें आज झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष सह आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आज वित्त मन्त्री रामेश्वर उरांव के आवास में इडी के छापा मारने पर 30 लाख नगद पकड़ाने पर अपनी प्रतिक्रिया में कही । इन्होंने यह भी कहा कि झारखंड में सिर्फ लूट मची हुई है इसको कोई देखने वाला नहीं है मंत्री से अधिकारी तक इस लूट में संलग्न हैं और.राज्य की जनता इस लूट के आगे बेबस पडी है आज भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है । आज स्थिति यह है कि खेत ही बाड को खा रहा है । श्री नायक ने आगे कहा कि स्थिति इतनी भयावह है कि इस लुट से मुख्य मन्त्री तक अछूते नही है ।बराबर ईडी का इन लुटो के खिलाफ उनको सम्मन जारी कर रहा है जिससे राज्य की छवि खराब हो रही है और झारखंड भ्रष्टाचार के मामले मे फिर बदनाम हो रहा है जो झारखंडी समाज के लिए अच्छी बात नही है । इन्होने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य का निर्माण ही अधिकारी और नेताओं को लुटने के लिए किया गया है इन लोगो ने झारखंड को लूटखंड में बदलने का काम किया है । इससे पूर्व भाजपा के पांच मन्त्री भी आय से अधिक सम्पति के घेरे मे है और एसीबी इसकी जांच भी कर रही है ।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने प्रशिक्षु पदाधिकारियों से किया संवाद, कहा

समाज की बेहतरी के लिए लगातार काम करना है

राष्ट्रीय खबर

रांची: राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने आज राजभवन में प्रशिक्षु काराधीक्षकों, प्रोबेशन ऑफिसर्स एवं सहायक लोक अभियजकों से संवाद किया। कहा कि समाज को आपसे अत्यंत अपेक्षाएं हैं। उम्मीद है कि आप समर्पित होकर अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करेंगे। आपने जिस राह का चयन किया है, इस राह पर चलकर आपको एक अच्छे समाज की रचना में अपना सक्रिय योगदान देना है एवं समाज की बेहतरी के लिए लगातार काम करना है। जैसे-जैसे समाज में विकास कार्य आगे बढ़ता है, वैसे-वैसे लोगों की अपेक्षाएं भी बढ़ती हैं। सफलता की परिभाषा यह नहीं है की आप अपनी भौतिक आवश्यकताओं को कितना पूरा करते हैं, बल्कि उसकी परिभाषा यह है कि आप समाज के प्रति अपना कितना योगदान देते हैं।राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निःस्वार्थ, समर्पित एवं निष्पक्ष होकर कार्य करने से जो खुशी आपको मिलेगी, वह खुशी अधिक से अधिक धनार्जन करके नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारी सभ्यता एवं संस्कृति में निष्काम भाव से कर्म करने का संदेश दिया गया है। बिना भेदभाव के प्रत्येक जाति, धर्म एवं भाषा के लोगों के साथ एक समान व्यवहार करने से आपको आंतरिक खुशी होगी। जानबूझकर की गई गलती एक बहुत बड़ा अपराध है।राज्यपाल ने कहा कि जीवन में हमें लगातार सीखने का प्रयत्न करते रहना चाहिए। चुनौतियों व असफलता से घबराना नहीं चाहिए, उत्साहपूर्वक निरंतर सही राह में आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री की लोकप्रियता आज सम्पूर्ण विश्व में है। चंद्रयान-2 की असफलता पर उन्होंने वैज्ञानिकों को ढाढ़स देते हुये कहा था कि चिंता न करें और आगे बढ़े। वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम एवं माननीय प्रधानमंत्री के उत्साहवर्धन से आज चंद्रयान-3 मिशन सफल हुआ और अन्तरिक्ष के क्षेत्र में हमारे देश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया।

शंखनाद अभियान सफल बनाएं सोशल मीडिया के कार्यकर्ता - कर्मवीर सिंह

राष्ट्रीय खबर

रांची: भाजपा प्रदेश कार्यालय में शंखनाद अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया का प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण हुआ। प्रशिक्षण में पूरे राज्य से जिलों के आईटी व सोशल मीडिया के संयोजक व सहसंयोजक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्पांजलि व सामूहिक वन्दे मातरम् के गायन से हुआ। प्रशिक्षण में उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करते हुए संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया आज के समय में सूचना का सबसे तीव्र माध्यम है। कहा कि झारखण्ड के लिए 2024 चुनावी वर्ष है। आगामी लोकसभा चुनाव व विधानसभा चुनाव से पहले राज्य से लेकर मंडल स्तर तक मशीनरी की क्षमता और महत्व को ध्यान में रखते हुए अपने ऑन-ग्राउंड सोशल मीडिया नेटवर्क का विस्तार करें। उन्होंने कार्यकताओं में उत्साह का संचार करते हुए कहा कि लोकसभा औ? विधानसभा में झारखण्ड में भाजपा की जीत सुनिश्चित है।

आईटी व सोशल मीडिया के राष्ट्रीय प्रमुख श्री अमित मालवीय ने वर्चुअल माध्यम से प्रशिक्षण को संबोधित किया। उन्होंने शंखनाद अभियान के अंतर्गत सोशल मीडिया विभाग की संगठनात्मक संरचना को मजबूत करने पर चर्चा की। साथ ही उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को मोदी सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई और उनके लाभ फैलाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।पूर्व केंद्रीय मंत्री सह हजारीबाग सांसद श्री जयंत सिन्हा ने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म के अनुप्रयोग पर पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने कार्यकताओं से केंद्र सरकार की उपलब्धियों और राज्य की हेमंत सोरेन की सरकार की विफलताओं को सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन को बताने का भी दिशानिर्देश दिया।प्रदेश महामंत्री सह सोशल मीडिया के प्रदेश प्रभारी श्री बालमुकुंद सहाय ने कहा कि जिस तरह आज प्रदेश में कार्यशाला हुई है उसी प्रकार सभी जिलों में जिला स्तरीय कार्यशाला और 6 शहरों (हजारीबाग, रांची, दुमका, जमशेदपुर, धनबाद और पलामू) में सोशल मीडिया वालंटियर सम्मेलन आयोजित की जाएगी।

छात्रों को सक्षम बनाने का सीएमपीडीआई का प्रयास

राष्ट्रीय खबर

रांची: निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान-4 नागपुर द्वारा आजादी के 75 गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत महाराष्ट्र के नागपुर जिला के भगवानपुर ग्राम के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों एवं वंचित छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने की समस्या के समाधान के लिए 75 साइकिल प्रदान किया गया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (पर्यावरण)/विभागाध्यक्ष (कार्मिक एवं प्रशासन) सीता राम लोमरोर ने 45 छात्रों को लड़कों वाली साइकिलें तथा 30 छात्राओं को लड़कियों वाली साइकिलें प्रदान किया। मौके पर उन्होंने कहा कि सीएसआर की इस पहल से छात्र-छात्राओं को स्कूल आने-जाने वाली की समस्याओं से निजात मिलेगी और समय की बचत होगी। जिससे उन्हें अध्ययन करने में अधिक समय मिल पायेगा।

आह्वान भ्रष्टाचार परिवारवाद और तुष्टिकरण समाप्त करना है तो भाजपा की सरकार बनाना होगा

प्रदेश में अमन चैन लाना है तो हेमंत सरकार को उखाड़ फेकना होगा: बाबूलाल मरांडी

आजाद भारत में पहली बार मोदी जी ने संथाल परगना का किया सर्वांगीण विकास

राष्ट्रीय खबर

देवघर: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा के दौरान हेमंत सरकार पर जमकर हमला किया। भारी बारिश के बावजूद जनसभा में हजारों की संख्या में पहुँचे लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस, जेएमएम और राजद की सरकार में चोरी, डकैती, हत्या, अपहरण व बहू बेटियों के दुष्कर्म की घटनाओं ने झकझोर दिया है। देश में सर्वाधिक अपराध के आँकड़े झारखंड में है। संथाल क्षेत्र में भी व्यवसायी अपराधियों के निशाने पर हैं, बेटियों को जलाकर मार दिया जा रहा है। कानून राज स्थापित करने वाले पुलिस हेमंत सरकार के इशारे पर वसूली में लगी हुई है। अपराधियों को हिम्मतवाले हेमंत सरकार का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमन चैन और कानून राज स्थापित करना है तो हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना होगा। राज्य में भ्रष्टाचार की स्थिति बद से बदतर हो गई है। थाना, ब्लॉक, अंचल व ज़िला कार्यालयों में बिना पैसे दिये कोई भी काम नहीं होता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ट्रांसफर पोस्टिंग व विकास योजनाओं में पैसे लेना छोड़ देगी तो अफसरों में हिम्मत नहीं की वे पैसे माँगे। कांग्रेस जेएमएम और राजद परिवारवाद, तुष्टिकरण की राजनीति करती है। जबतक परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति होगी झारखंड की जनता को कभी न्याय नहीं मिलेगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति समाप्त करना है तो भाजपा की सरकार बनानी होगी, हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकना होगा यही संकल्प दिलाने आया हूं। जनसभा को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम चाँद पर चन्द्रयान 3 पहुँचने पर वैज्ञानिकों व प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष में विश्वगुरु बना। इसके पूर्व अटल बिहारी बाजपेई ने परमाणु परीक्षण करके देश की शान बढ़ाई थी। भाजपा की सरकार में विकास की चर्चा होती है जबकि कांग्रेस जेएमएम, राजद की सरकार में लूट और भ्रष्टाचार की चर्चा होती है। खुद भ्रष्टाचार में फंसे मुख्यमंत्री ईडी से बचने के लिए और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए करोड़ों रुपए खर्च वकील रख कर सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे। लेकीन राज्य के खान खनिज और गरीबों की जमीन लूटने वाले को जेल जाने से कोई नहीं बचा सकता। जनसभा के दौरान विधायक रणधीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा ,जिला प्रभारी बबलू भगत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता चौरसिया, संजीव जजवाड़े, विशाखा सिंह, दिवाकर गुप्ता, नवल राय, कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष राकेश नरोने, जिला महामंत्री अधीर चंद्र भैया, पंकज सिंह भदोरिया, सचिन सुल्तानिया, राजीव रंजन सिंह, प्रज्ञा झा, रूपा केसरी, दिलीप सिंह ,सचिन रवानी ,पप्पू यादव, जूनियर बाबूलाल मरांडी, अतुल सिंह, विजया सिंह, संतोष मुरमुर, संजय राय, निरंजन देव ,मिथिलेश सिन्हा , विभूति झा, सुनील यादव, जयप्रकाश सिंह, गणेश राय, रमेश राय ,राजन सिंह, मुकेश पाठक, धनंजय तिवारी, सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

पेज एक का शेष

यह मछली सिर्फ .....

का पता लगा सकती है। इसके बाद के वर्षों में, श्वेइकर्ट ने ड्यूक यूनिवर्सिटी और फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में त्वचा दृष्टि के शरीर विज्ञान पर शोध करना शुरू किया। 2018 में, श्वेइकर्ट और ड्यूक जीवविज्ञानी सोंके जॉन्सन ने एक अध्ययन प्रकाशित किया जिसमें दिखाया गया कि हॉगफिश में ऑप्सिन नामक प्रकाश-संवेदनशील प्रोटीन के लिए एक जीन होता है जो उनकी त्वचा में सक्रिय होता है, और यह जीन उनकी आंखों में पाए जाने वाले ऑप्सिन जीन से अलग होता है। नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में 22 अगस्त को छपे एक अध्ययन में श्वेइकर्ट, जॉन्सन और उनके सहयोगियों ने मिलकर हॉगफिश की त्वचा पर करीब से नजर डाली। शोधकताओं ने मछली के शरीर के विभिन्न हिस्सों से त्वचा के टुकड़े लिए और माइक्रोस्कोप के नीचे उनकी तस्वीरें लीं। करीब से देखने पर, हॉगफिश की त्वचा के रंग का प्रत्येक बिंदु एक विशेष कोशिका है जिसे क्रोमैटोफोर कहा जाता है जिसमें वर्णक के कण होते हैं जो लाल, पीले या काले हो सकते हैं। यह इन रंगद्रव्य कणिकाओं की गति है जो त्वचा का रंग बदलती है। जब कण कोशिका में फैल जाते हैं, तो रंग गहरा दिखाई देता है। जब वे एक साथ एक छोटे से स्थान पर एकत्रित हो जाते हैं जिसे देखना मुश्किल हो जाता है, तो कोशिका अधिक पारदर्शी हो जाती है। शोधकताओं ने त्वचा के भीतर ऑप्सिन प्रोटीन का पता लगाने के लिए इम्यूनोलेबलिंग नामक एक तकनीक का उपयोग किया। उन्होंने पाया कि हॉगफिश में, रंग बदलने वाली क्रोमैटोफोर कोशिकाओं में ऑप्सिन का उत्पादन नहीं होता है। इसके बजाय, ऑप्सिन सीधे उनके नीचे अन्य कोशिकाओं में रहते हैं। ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप से ली गई छवियों से क्रोमैटोफोरस के ठीक नीचे एक पूर्व अज्ञात कोशिका प्रकार का पता चला, जो ऑप्सिन प्रोटीन से भरा हुआ था। श्वेइकर्ट ने कहा, यह रोबोटिक अंगों और सेल्फ-ड्राइविंग कारों जैसे उपकरणों के लिए नई संवेदी प्रतिक्रिया तकनीकों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है, जिन्हें केवल दृष्टि या कैमरा फीड पर निर्भर किए बिना अपने प्रदर्शन को ठीक करना होगा।

फिर से मास्क....

लिए कुछ सावधानी बरतना और भीड़ में मास्क पहनना उचित होगा। अन्य उच्च जोखिम वाले समूहों में मधुमेह, कैंसर, क्रोनिक लीवर, किडनी या फेफड़ों की बीमारी, अंग या स्टेम सेल प्रत्यारोपण, एचआईवी या अन्य प्रतिरक्षा संबंधी स्थितियां, हृदय रोग या स्ट्रोक का इतिहास, मनोभ्रंश या मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग शामिल हैं। जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ के प्रोफेसर रेनर ने कहा, यदि आप किसी ऐसे व्यक्ति की देखभाल करते हैं, जिसे संक्रमण के बाद जटिलताओं का खतरा बढ़ गया है, तो मुझे लगता है कि आपको सार्वजनिक स्थानों पर मास्क लगाने पर भी विचार करना चाहिए। चूँकि जो मास्क सबसे प्रभावी हैं वे एन 95 हैं जो अब आसानी से उपलब्ध हैं, यह उस प्रकार का मास्क है यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन लोगों से आपके लिए सबसे उपयुक्त, सुरक्षा और आराम वाला मास्क पहनने का आग्रह करता है और यह नोट करता है कि कुछ लोगों को कोविद -19 से गंभीर बीमारी का खतरा अधिक है। लेकिन एजेंसी सभी के लिए मास्क अपनाने की व्यापक अनुशंसा नहीं करती है। यदि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या गंभीर स्तर पर पहुंच जाए तो यह बदल सकता है। सीडीसी उन न्यायक्षेत्रों में सार्वभौमिक मास्किंग की सिफारिश करता है जहां स्थानीय अस्पतालों में प्रति 100,000 पर 20 या अधिक लोग कोविड से पीड़ित हैं और उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों के लिए मास्किंग की सिफारिश की जाती है जब प्रति 100,000 पर 10 से 19.9 लोग वायरस से अस्पताल में भर्ती होते हैं। कुल मिलाकर, 12 अगस्त को समाप्त सप्ताह में देश भर में प्रत्येक 100,000 लोगों पर लगभग चार नए अस्पताल में प्रवेश हुए, जो सीडीसी सीमा के अनुसार कम माना जाता है। किसी भी काउंटियों में कोविड-19 अस्पताल में भर्ती होने का उच्च स्तर नहीं था। फिर भी बचाव के लिए लोगों को इसकी सलाह दी गयी है।

भारत के मुख्य जांच...

को खारिज कर दिया था। एक वर्ष। मिश्रा ने 2018 से ईडी की अध्यक्षता की है। ईडी में मिश्रा के कार्यकाल में विपक्षी राजनेताओं के खिलाफ कड़े प्रवर्तन में वृद्धि देखी गई है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी भारतीय जनता पार्टी से प्रशंसा और विपक्ष से आलोचना दोनों मिली है। इस साल मई में, सुप्रीम कोर्ट ने मिश्रा को बार-बार सेवा विस्तार देने पर केंद्र सरकार की खिंचाई की। इसने आश्चर्य जताया कि क्या कोई एक व्यक्ति इतना अपरिहार्य हो सकता है। क्या संगठन में कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है जो उसका काम कर सके? क्या एक व्यक्ति इतना अपरिहार्य हो सकता है?ह्व न्यायमूर्ति बी।आर। की अध्यक्षता वाली पीठ गवई ने केंद्र से जानना चाहा। केंद्र ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा था कि वैश्विक आतंकी वित्तपोषण निगरानी संस्था, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स द्वारा इस वर्ष होने वाली भारत की समकक्ष समीक्षा से पहले नेतृत्व में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मिश्रा का विस्तार आवश्यक था। द वायर ने पहले ही बताया था कि एफएटीएफ द्वारा किसी देश को कम से कम 40 मापदंडों पर कैसे आंका जाता है और प्रवर्तन निदेशालय का मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी वित्तपोषण का दायरा उन 40 में से सिर्फ एक है।

जी 20 के सदस्य ....

प्रधानमंत्री ने लचीली और समावेशी वैश्विक मूल्य श्रृंखला बनाने पर जोर दिया जो भविष्य की चुनौतियों का सामना करने पर सक्षम हो । इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री ने कमजोरियों का आकलन करने, जोखिमों को कम करने और लचीलापन बढ़ाने के लिए वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के मानचित्रण के लिए एक सामान्य ढांचा बनाने के भारत के प्रस्ताव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यापार में प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति निर्विवाद है और भारत के ऑनलाइन एकल अप्रत्यक्ष कर-जीएसटी की ओर बढ़ने का उदाहरण दिया, जिसने अंतर-राज्य व्यापार को बढ़ावा देने वाले एकल आंतरिक बाजार बनाने में मदद की। उन्होंने भारत के यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटर-फेस प्लेटफॉर्म की भी चर्चा की जो व्यापार लॉजिस्टिक्स को सस्ता और अधिक पारदर्शी बनाता है। उन्होंने डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क का भी उल्लेख किया और इसे एक गेम-चेंजर बताया जो डिजिटल मार्केटप्लेस इको-सिस्टम का लोकतंत्रीकरण करेगा। उन्होंने कहा हमने भुगतान प्रणालियों के लिए अपने एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस के साथ पहले ही ऐसा कर लिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं और ई-कॉमर्स के उपयोग से बाजार पहुंच बढ़ने की संभावना है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि समूह ह्यव्यापार दस्तावेजों के डिजिटलीकरण के लिए उच्च-स्तरीय सिद्धांतोंह्ल पर काम कर रहा है। उन्होंने ने कहा ये सिद्धांत देशों को सीमा पार इलेक्ट्रॉनिक व्यापार उपायों को लागू करने और अनुपालन बोझ को कम करने में मदद कर सकते हैं। सीमा पार ई-कॉमर्स में वृद्धि की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने बड़े और छोटे विक्रेताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का सुझाव दिया। उन्होंने उचित मूल्य खोज और शिकायत प्रबंधन तंत्र में उपभोक्ताओं के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के मूल में नियम-आधारित, खुली, समावेशी और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली में विश्वास करता है। उन्होंने बताया कि भारत ने 12वें डब्ल्यूटीओ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में ग्लोबल साउथ के हितों का पक्ष प्रस्तुत किया है, जहां सदस्य लाखों किसानों और छोटे व्यवसायों के हितों की सुरक्षा पर आम सहमति बनाने में सक्षम थे। उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में एमएसएमई की प्रमुख भूमिका को देखते हुए उन पर अधिक ध्यान देने पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एमएसएमई 60 से 70 प्रतिशत रोजगार देते हैं और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 50 प्रतिशत का योगदान देते हैं। उन्होंने उन्हें लगातार समर्थन देने की आवश्यकता पर बल दिया क्योंकि उनका सशक्तिकरण सामाजिक सशक्तिकरण में तब्दील हो जाता है। उन्होंने कहा हमारे लिए, एमएसएमई का अर्थ है- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को अधिकतम सहयोग। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म - सरकारी ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से एमएसएमई को सार्वजनिक खरीद से जोड़ा है और पर्यावरण पर ह्यशून्य दोषह्ल और ह्यशून्य प्रभावह्ल की प्रकृति को अपनाने के लिए एमएसएमई क्षेत्र के साथ काम कर रहा है। श्री मोदी ने कहा कि वैश्विक व्यापार और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में उनकी भागीदारी बढ़ाना भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ह्यएमएसएमई को सूचना के निर्बाध प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए प्रस्तावित जयपुर पहलह्ल के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह बाजार और व्यवसाय-संबंधित जानकारी तक अपर्याप्त पहुंच संबंधी एमएसएमई के सामने आने वाली चुनौती का समाधान करेगा। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि ग्लोबल ट्रेड हेल्प डेस्क के उन्नयन से वैश्विक व्यापार में एमएसएमई की भागीदारी बढ़ेगी।

सीआरपीएफ को .....

जिले में तैनात 110 बटालियन को भेजा गया है। सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, वाहन दोनों जमीन पर काम करने में सक्षम है और इसमें एक परिष्कृत संचार प्रणाली है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएचएपी की उभयचर क्षमताएं इसे उन क्षेत्रों तक पहुंचने की अनुमति देगी जो अन्य वाहनों के लिए दुर्गम हैं और यह कश्मीर में सीआरपीएफ के आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए एक बड़ा बढ़ावा है। सीआरपीएफ पिछले तीन दशकों से सेना और पुलिस के साथ मिलकर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से लड़ रही है। महानिरीक्षक, कश्मीर, संचालन क्षेत्र, सीआरपीएफ, ज्ञानेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि वे परिचालन दक्षता में सुधार के लिए काम कर रहे हैं जिसके लिए नए उपकरण और उपकरण लाए जा रहे हैं।उन्होंने कहा, ह्लहमारी तकनीकी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए इस वाहन को जोड़ा गया है और समय के साथ सभी को इसकी विशेषताओं के बारे में पता चल जाएगा। वाहन या नंबर का विशिष्ट विवरण दिए बिना, आईजी सीआरपीएफ ने कहा कि वे जवानों को नए वाहन पर प्रशिक्षण देंगे। केंद्रीय बल ने पहले से ही उन ऑपरेशन इकाइयों को नवीनतम गैजेट सुरक्षा प्रदान की है जो विशेष रूप से अस्थिर दक्षिण कश्मीर में गोलीबारी में भाग ले रही हैं। इस साल मार्च में, अर्धसैनिक बल ने हाई-टेक क्रिटिकल सिचुएशन रिस्पांस व्हीकल पेश किया, जो बुलेटप्रूफ कवच और उन्नत हथियारों से लैस है।

महावीर झंडा विवाद में 472 नामजद व 1600 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

52 लोगों को जेल तथा 6 लोगों को न्यायिक हिरासत भेजने की है तैयारी

राष्ट्रीय खबबर

बगहा का. : नागपंचमी के अवसर पर महावीरी झंडा जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच हुई आपसी विवाद में पुलिस प्रशासन के द्वारा बगहा में उत्पन्न विधि व्यवस्था को लेकर दोनों समुदाय के लोगों के द्वारा नियम विरुद्ध कार्य किए जाने को लेकर नगर थाना में दोनों पक्षों पर अलग-अलग सात प्राथमिकी दर्ज की गई है । उक्त जानकारी एसडीपीओ बगहा कैलाश प्रसाद ने प्रेस वार्ता के दौरान कही । एसडीपीओ कैलाश प्रसाद ने बताया कि विगत सोमवार को महावीरी झंडा जुलूस के दौरान नगर के वार्ड नंबर 32 एवं 33 रतनमाला मोहल्ला मुख्य सड़क में महावीर झंडा जुलूस के दौरान दो समुदाय के बीच आपसी झड़प के साथ पत्थर बाजी हुआ था। जिसमें पुलिसकर्मी, पत्रकार समेत एक दर्जन लोग घायल हो गए थे । इसके बाद से दो समुदाय के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। जो वर्तमान समय में स्थिति सामान्य है । लोगों का आम जन जीवन पूर्व की भांति पटरी पर लौटना शुरू हो गई है । उन्होंने बताया कि उत्पन्न विधि व्यवस्था विवाद को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा दोनों पक्षों से 472 लोगों को नामजद एवं 1600 अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है । वही पुलिस प्रशासन द्वारा नामजद प्राथमिक अभियुक्तों में कुल 52 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है। जबकि 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। वही एसडीपीओ ने आम जनता से अपील किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा फैलाये जा रहे अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। वही शांति व्यवस्था बहाल करने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि एसपी किरण कुमार गोरख जाधव के निर्देश के आलोक में नगर थाना में प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी दिया गया है। गौरतलब हो कि बगहा के रतनमाला में महावीरी झंडा विवाद मामले में दो समुदायों के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। जिसको लेकर डीएम दिनेश कुमार राय, डीआईजी जयंतकांत, बेतिया एसपी व बगहा एसपी किरण कुमार गोरख जाधव, एसडीपीओ बगहा कैलाश प्रसाद, एसडीएम बगहा डॉक्टर अनुपमा सिंह सहित तमाम वरीय पदाधिकारी मौके पर कैंप कर स्थिति को नियंत्रित करने में लगातार प्रयासरत रहे। जिसके फलीभूत अंततः रतनमाला में स्थिति सामान्य हो गई है। जबकि इस घटना को लेकर बाजार की दुकानें बंद हो गई थी। अब जबकि स्थिति सामान्य को देख सभी दुकानें खुल चुकी है। लोग अपने जरूरतों के सामान खरीदने के लिये पहुंच रहे हैं।

पौने दो लाख वैकेंसी के लिए 9 लाख अभ्यर्थी दे रहे हैं परीक्षा

राष्ट्रीय खबबर

बेतिया : पौने दो लाख वैकेंसी के लिए 9 लाख अभ्यर्थी दे रहे हैं बीपीएससी की परीक्षा। जिसमें बिहार के अलावा अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में युवाओं को विभिन्न परीक्षा केंद्र के गेट पर देखा गया। जिसको लेकर पूरा शहर का कोना-कोना परीक्षार्थियों से भरा पड़ा है। कुछ परीक्षार्थी जिनका कोई ठिकाना नहीं मिल सका है, वे नगर में इधर-उधर रूम या कोई गेस्ट हाउस खोजते पाए गए, जबकि बहुत सारे परीक्षार्थी पहले से ही शहर में अपना बंदोबस्त कर लिए हैं। कुछ परीक्षार्थियों ने बताया कि हमने परीक्षा केंद्र पर जाने से पहले अपने हाथों की अंगूठी, बेल्ट, रक्षा सूत्र, मनी बैग पहले ही निकाल दिये है। जिससे परीक्षा केंद्रों पर हमें कोई परेशानी ना हो। महिला परीक्षार्थियों ने बताया कि हमनें भी अपनी चूड़ी तथा शरीर मे पहनने वाले अन्य तरह के आभूषण निकाल दिए हैं। कुछ परीक्षार्थियों ने कहा कि दूसरे राज्यों के परीक्षार्थी को यहां आकर परीक्षा देने से बिहार राज्य के परीक्षार्थियों को काफी परेशान दिखे। इनका कहना कि एक तो पहले से ही यहां अधिकतर लोग बेरोजगार हैं। उपर से यह एग्जाम में बाहरी राज्यों से अभ्यर्थियों को आ जाने से भविष्य में मुश्किल और बढ़ सकती है।

बाईक दुर्घटना में दो जख्मी

बगहा : वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग पर गोदाम टोला के समीप गुरुवार की दोपहर तेज गति में होने के कारण अनियंत्रित होकर एक बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दोनों घायल युवक मोहम्मद हजरत हुसैन उम्र लगभग 35 वर्ष एवं मोहम्मद नाजिर अली उम्र लगभग 29 वर्ष है। दोनों की जिला कुशीनगर थाना पडरौना निवासी के रूप में पहचान की गई है। घायल युवकों को राहगीरो के द्वारा नजदीक के लक्ष्मीपुर चौक स्थित एक निजी क्लीनिक में लाया गया।जहां दोनो घायलो का उपचार जारी था। घायल युवक मोहम्मद नाजिर अली ने बताया कि हम लोग वाल्मीकि नगर बुधवार को घूमने आए थे। गुरूवार की दोपहर अपने घर पडरौना लौटने के क्रम में बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

प्रसार भारती द्वारा ग्रामीणो को मिलेगा निःशुल्क डीटीएच

बगहा/मधुबनी : मधुबनी प्रखंड में फ्री डीस का वितरण किया जाएगा। जिसके लिए प्रखंड स्तर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश भूषण ने बताया कि प्रसार भारती के द्वारा देश स्तर पर फ्री डीटीएच देने का कार्यक्रम बनाया गया है। जिसके लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मुफ्त डीटीएच वितरण के लिए गांवों में सर्वे का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सर्वे कार्य के लिए सभी नोडल अधिकारीयो का जिला में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण उपरांत गांवों में सर्वे का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुफ्त डीटीएच में करीब 170 चैनलों को दिखाया जाएगा। जिससे लोग देश दुनिया की खबरों से रूबरू हो सके। बीडीओ ने बताया कि सर्वे में यह पता लगाया जाएगा कि किसके घर टीवी हैं व किसके घर नही। सर्वे के उपरांत डीटीएच का वितरण किया जाएगा।

पंचायत सचिव से मारपीट में दो पर आरोप, रिश्वतखोरी की चर्चा

नरकटियागंज : अनुमंडल अंतर्गत गौनाहा प्रखण्ड व थाना क्षेत्र के माधोपुर पंचायत के पंचायत सचिव आनंद कुमार से कतिपय तत्वों के मारपीट सम्बंधित प्राथमिकी गौनाहा थाना में अंकित की गई है। जिसमें दो लोगों को नामजद किया गया है। नामजद लोगों में स्वच्छता पर्यवेक्षक तारकेश्वर प्रसाद व राजू मिश्रा शामिल है। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बताया कि कांड अंकित कर अनुसंधान की जा रही है। बेतिया अस्पताल में कार्यरत तारकेश्वर कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता पर्यवेक्षक की बहाली के लिए पंचायत सेवक आनंद कुमार को 2 लाख रुपए दिया गया।

प्रेम पुस्तकालय में हुई जिला भारोत्तोलन संघ की बैठक

राष्ट्रीय खबर

सुगौली, पू.च. : नगर के मुख्य बाजार स्थित प्रेम पुस्तकालय में गुरुवार को जिला भारोत्तोलन संघ की बैठक नवीन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें जिलास्तरीय प्रतियोगिता एवं आगामी 7 से 10 नवम्बर तक कैडेट राज्यस्तरीय एक भारोत्तोलन प्रतियोगिता कराने पर विचार-विमर्श किया गया। इस संदर्भ में अशोक कुमार गुप्ता ने कहा कि राज्यस्तरीय भारोत्तोलन प्रतियोगिता की मेजबानी करना सुगौली के लिए गौरव की बात है। वही जितेंद्र तिवारी ने बताया कि लगभग 500 सौ बालक-बालिका खिलाड़ी पूरे बिहार के कोने-कोने से सुगौली की ऐतिहासिक धरती पर आएंगे। श्री कुमार ने बताया कि यह प्रतियोगिता 9 वर्ष से 13 वर्ष के बच्चों के बीच खेला जाएगा। यह प्रतियोगिता भारत मे पहली बार होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से सुगौली एक बार फिर से खेल जगत के इतिहास के पन्नो में अपना नाम अंकित करने जा रहा है। मौके पर जिला भारोतोलन संघ के अध्यक्ष नवीन कुमार, उपाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, जितेंद्र तिवारी, सचिव हिमेन्द्र तिवारी, रुस्तम आलम, कोषाध्यक्ष नेशार अहमद, पवन कुमार, सदस्य नूरहसन, राजीव कुमार मिश्रा, रामाकांत सहनी सहित कई मौजूद थे।

बारा : खाई में गिरी बस, 6 भारतीय श्रद्धालुओं सहित 7 लोगों की मौत

हादसे के वक्त कुल 27 लोग थे बस में सवार

राष्ट्रीय खबर

बारा,सलार्ही / नेपाल : दक्षिणी मैदान इलाके के बारा जिले में गुरुवार को तीर्थयात्रियों से भरी बस अनियंत्रित होकर 50 मीटर नीचे खाई में गिर गई। हादसे में 6 भारतीय श्रद्धालुओं समेत 7 लोगों की मौत हुई है, जबकि 19 से अधिक घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, सड़क दुर्घटना में घायल यात्रियों को अलग-अलग अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसा चूड़ियामाई मंदिर के पास हुआ। इसमें ज्यादातर भारतीय सवार थे। नेपाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के समय बस में 27 लोग सवार थे। जांच में पता चला है कि बस चालक तेज रफ्तार में बस चला रहा था, इसी दौरान उसे झपकी आ गई और बस अनियंत्रित होकर पलट गई।पुलिस ने बताया कि बस के 2 चालक और एक क्लीनर हादसे में घायल हुए हैं और उनका जनकपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने तीनों को यहीं से हिरासत में लिया। पुलिस ने बताया कि बस में सवार भारतीयों में जिन 6 लोगों की मौत हुई है, वे सभी राजस्थान के रहने वाले थे। उनकी पहचान कर ली गई है। मृतकों में विजय लाल पंडित (41), बहादुर सिंह (67), मीरा देवी सिंह (65), सत्यवती सिंह (60), राजेंद्र चतुर्वेदी (70), श्रीकांत चतुर्वेदी (65) और बैजंत देवी (67) शामिल हैं। घायलों में भी 14 भारतीय शामिल हैं। ये सभी काठमांडू में पशुपतिनाथ के दर्शन के बाद जनकपुर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, गंभीर रूप से घायल यात्रियों को भरतपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है, जबकि मामूली चोटों वाले यात्रियों का इलाज आसपास के विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए मकवानपुर जिला अस्पताल भेज दिया गया है। बीरगंज स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास को हादसे की जानकारी देकर शवों को राजस्थान भेजने की व्यवस्था की जा रही है।

दुर्घटना में मृतक के शव को उठाने में रेल कर्मी नहीं करते सहयोग : थानाध्यक्ष

साठी थनाध्यक्ष ने रेल कर्मियों पर लगाया असहयोग करने का आरोप

थानाध्यक्ष के द्वारा स्वयं शव उठाने के मामले ने चौकीदार के कर्तव्य पर हुए कई सवाल खड़े

राष्ट्रीय खबर

बेतिया : नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर रेल खंड पर बुधवार को रामेश्वर नगर हाल्ट और सिकरहना नदी के बीच पिलर संख्या 229 के पास एक वृद्ध अज्ञात व्यक्ति की मौत ट्रेन से कट कर हो गई थी। जिसे साठी थानाध्यक्ष उदय कुमार ने स्वयं अपने हाथों से ए एस आई रणबिजय सिंह के सहयोग से छत वि क्षित शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया इसके बाद थाना प्रभारी श्री कुमार ने साइबर सेनानी गुरुप पर फोटो व वीडियो को पोस्ट करते हुए मार्मिक शब्दों में रेल कर्मचारियों पर असहयोग करने का बड़ा आरोप लगाया उन्होंने अपने ट्वीट मे लिखा हुआ है कि ऐसी घटना किसी के साथ हो सकती है। रेल कर्मचारियों को ऐसी बेरुखी नही अख्तियार करना चाहिए, रेल कर्मचारी यह कह कर पल्ला झाड़ लेते हैं कि तीन दिनों तक अपसेड हो जाते है। इधर थानाध्यक्ष की पोस्ट और ट्वीट पर ग्रुप में काफी सराहना मिल रही है परंतु इसी के साथ एक सवाल और खड़ा हो रहा है और वह सवाल यह है कि क्या थाना पर चौकीदार नहीं है या चौकीदारों ने भी शव को उठाने से इनकार कर दिया था। ताकि, मजबूर होकर थानाध्यक्ष को शव को उठाना पड़ा इस घटना ने एक साथ रेल कर्मचारियों के साथ-साथ थाने की चौकीदार खास करके उसे इलाके की चौकीदार पर कर्तव्य हीनता का बड़ा आरोप है, जो जांच का विषय है। हालांकि, लोग दबी जुबान में इसे एक महज ख्याति प्राप्त करने का फंडा बता रहे हैं, बहरहाल मामला चाहे जो हो इलाके में यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

अपनी मांगों को लेकर ऑटो रिक्शा कर्मचारी संघ ने किया धरना-प्रदर्शन

राष्ट्रीय खबर

मुजफ्फरपुर : जिले में ऑटो रिक्शा, ई- रिक्शा कर्मचारी संघ के आह्वान पर गुरुवार को शहर के सभी ऑटो चालकों ने परिचालन बंद कर कलेक्ट्रेट में ऑटो के साथ जिला प्रशासन खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान शहर के कई चौक चौराहों पर भारी जाम रहा शहर में चलने वाली सभी ऑटो बंद रहे इससे बीपीएससी की परीक्षा देने आए परीक्षार्थी को काफी परेशानी हुई। ठीक परीक्षा के समय ही सभी ऑटो मालिक व चालकों ने अपना प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूत्रों के मुताबिक शहरी इलाके मे जिला प्रशासन ने डीजल ईंधन वाली ऑटो रिक्शा के परिचालन को बंद कर दिया है। इससे ऑटो रिक्शा मालिकों में काफी आक्रोश है। ऑटो रिक्शा कर्मचारी संघ लगातार प्रशासन के प्रस्ताव का विरोध कर रही है। उनका कहना है, कि सभी ऑटो पर लोन है, अगर ऑटो का परिचालन बंद हो गया तो ऑटो रिक्शा का लोन चुकता कैसे होगा इसके अलावा वह ऑटो रिक्शा कहां चलाएंगे।

दु:साहस : गैस एजेंसी से चोरों ने 80 सिलिंडर व सीसीटीवी ले उड़े शातिर चोर

राष्ट्रीय खबर

ह. खड़गपुर : शामपुर सहायक थाना क्षेत्र के गालिमपुर स्थित इंडेन ग्रामीण वितरण गैस एजेंसी में चोरों ने गैस गोदाम का ताला तोड़कर गोदाम में रखे सामान जिनमे दो लैपटॉप, डेस्कटॉप को क्षतिग्रस्त कर लगभग 80 से अधिक गैस सिलिंडर की चोरी कर ली। जबकि कैश काउंटर में रखा एक लाख रुपए चुरा लिए। तथा, गोदरेज और काउंटर में रखा सामान तितर-बितर कर दिया। चोरों ने दो लैपटॉप और एक डेस्क टॉप को तोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही काउंटर में रखा गैस सिलिंडर बिक्री का नकद 44 हजार के लगभग रुपया चुरा लिया। जिसके बाद एजेंसी की संचालक निमिता झा की ओर से चोरी की इस घटना की सूचना शामपुर सहायक थाना को दिया। गैस एजेंसी में चोरी की इस बड़ी वारदात की खबर पाकर एसडीपीओ राकेश कुमार, इंस्पेक्टर रामानुज सिंह और शामपुर सहायक थाना प्रभारी रंजीत कुमार मौके पर पहुंचकर तमाम पहलुओं और घटना की जानकारी ली।

बाइक चोर व झपट्टामार को आरपीएफ ने रंगे हाथ दबोचा

मुंगेर : जमालपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को उस समय सफलता मिली जब मोबाइल ट्रैकिंग कर रहे आरपीएफ इंस्पेक्टर के निर्देश पर बाइक चोर व झपट्टा मार कर मोबाइल लेकर भागने वाले को धर दबोचा गया। चोरी किए गए बाइक व मोबाइल की ट्रैकिंग कर रहे आरपीएफ इंस्पेक्टर मुकेश कुमार के निदेर्शानुसार रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने प्लेटफार्म संख्या दो पर अचानक भाग रहे मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीता कुंड हसनपुर निवासी सुरेंद्र साह के पुत्र लालू साह को झपट्टा मारकर चोरी किए गए दो मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद अभियुक्त से पूछताछ करने के बाद चोरी किए गए जमालपुर रेलवे स्टैंड में लगे बाइक भी बरामद किया गया। आरपीएफ इंस्पेक्टर ने लालू साह को हिरासत में लेकर जमालपुर जीआरपी को सौंप दिया।

गरीब जनता पार्टी ने वाइरल अनुष्का सिंह को किया सम्मानित

राष्ट्रीय खबर

शिवहर : प्रतिभा वह शक्ति है, जो किसी व्यक्ति को काव्य की रचना में समर्थ बनाती है। काव्य हेतु में प्रतिभा को सर्वाधिक महत्व दिया गया है। इसी बिच प्रतिभाओं के संग्रह से एक और प्रतिभा निकल कर सामने आई है बिहार के जिला शिवहर के तरियानी प्रखंड के नरवारा गांव की रहने वाली अनुष्का सिंह सुपुत्री राजा सिंह बता दिया जाए जिसने आजादी अमृत महत्स्व स्वतंत्रता दिवस के अवसर पे श्री गोकुल जगत उच्च विद्यालय मे आयोजित संस्कृति कार्यक्रम मे नृत्य का बेहतरीन प्रदर्शन कर सोशल मिडिया पर वायरल हुआ आज वह अपने नृत्य कला प्रदर्शन से हर जगह चर्चे का विषय बनी हुई। इसी प्रतिभा का सम्मान देने के लिए अब गरीब जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास कृष्ण कवि ने अपने सैकड़ो कार्यकताओं के साथ अनुष्का सिंह के निवास स्थान पहुंच कर उसे गमछा ओढाकर सम्मानित किया एवं कला संस्कृति से जुड़ी हुई उपहार देकर उसके मनोबल को बढ़ाया। बता दिया विकास कृष्ण कवि ने कहा की हम आगे भी इस बच्ची का समर्थन करेंगे उन्होंने कहा की इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय महाधिवेशन में मीडिया जगत की चुनौतियों और समाधान पर होगी चर्चा

26-27 अगस्त को जयपुर के निम्स यूनिवर्सिटी सभागार में महाधिवेशन आयोजित

1500 से ज्यादा पत्रकार लेंगे हिस्सा

राष्ट्रीय खबर

जयपुर/पटना : इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स से सम्बद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के जयपुर में 26-27 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय महाधिवेशन में मीडिया जगत समक्ष चुनौतियों और उनके समाधान पर विचार विमर्श किया जाएगा। महाधिवेशन में देशभर के 1500 से ज्यादा पत्रकार हिस्सा लेंगे। इस दौरान भाजपा के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, शानिधाम पीठाधीश्वर दाती महाराज, वरिष्ठ पत्रकार विभिन्न सत्रों को संबोधित करेंगे। एनयूजेआई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा व कार्यक्रम संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि करीब 28 वर्षों के उपरांत जयपुर में देश के सबसे बड़े और प्रतिष्ठित पत्रकार संघ नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स का राष्ट्रीय महाधिवेशन का आयोजन हो रहा है। 28 वर्ष पहले 1995 में तीन दिवसीय अधिवेशन में भी डेढ़ हजार से अधिक पत्रकार देशभर से जुटे थे। उस समय अधिवेशन का उद्घाटन लोकसभा के तत्कालीन नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता तत्कालीन मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत ने की थी। पूर्व मुख्यमंत्री शिवचरण माथुर समेत अन्य नेताओं ने भी कार्यक्रम में शिरकत की थी। इस दो दिवसीय अधिवेशन में महानगर टाइम्स के संपादक गोपाल शर्मा, फर्स्ट इंडिया के सीईओ और एडिटर पवन अरोड़ा विशिष्ट अतिथि होंगे। सत्र की अध्यक्षता एनयूजेआई के अध्यक्ष रास बिहारी करेंगे। एनयूजे महासचिव प्रदीप तिवारी, कोषाध्यक्ष डॉ. अरविन्द सिंह, प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के सदस्य प्रज्ञानंद चौधरी, प्रसन्न मोहंती, जार के संस्थापक व वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा, उपाध्यक्ष कमलकांत उपमन्यु, भूपेन गोस्वामी, राणेश राणा, दीपक राय समेत देश के जाने-माने पत्रकार हिस्सा लेंगे।

जार के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा व प्रदेश महासचिव भाग सिंह ने बताया कि अधिवेशन में पत्रकार सुरक्षा कानून, मीडिया काउंसिल एवं नेशनल जर्नलिस्ट्स रजिस्ट्रर के गठन, मीडिया संस्थानों में वेजबोर्ड की बहाली, फेक न्यूज पर कानूनी शिकंजा, मंझले व छोटे समाचार पत्रों को संरक्षण, पत्रकारों के रेलवे रियासत की बहाली, पत्रकारों को पेंशन, बीमा कवच, पत्रकारों के बच्चों को छात्रवृत्ति जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। उन्होंने बताया कि मीडिया जगत की मांगों को लेकर महाधिवेशन में राष्ट्रव्यापी आंदोलन छेड़ने की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

सार्वजनिक महावीर अखाड़ा दंगल मेला का उद्घाटन

राष्ट्रीय खबर

मझौलिया : प्रखंड के सतभिरवा 55 पुल के समीप प्रत्येक वर्ष की भांति सावन मास के सप्तमी तिथि को पंचायत मुख्यालय के सार्वजनिक महावीरी अखाड़ा मेला मल्हांग बाबा स्थान पर हनुमान आराधना दंगल आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष अभय कुमार, भाजपा के जिला युवा समाजसेवी राहुल कुमार, विधायिका पुत्र संतोष कुमार, मुखिया सत्य प्रकाश, लोक अदालत के पीसीबी सुनीता देवी ने वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच फिता काटते हुए दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान युवा मुखिया सत्यप्रकाश ने मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया। इसके पूर्व अधिवक्ता आशिक अंसारी के नेतृत्व में शिव-पार्वती का आकर्षक झांकी निकाला गया।

शहर ›› अपडेट

नशा के खिलाफ चलाया जागरुकता अभियान

चांडिल : नीमडीह प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी संजय पांडे के नेतृत्व में नशा के खिलाफ रैली निकालकर जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय पांडे ने कहा कि नशा के खिलाफ जागरूकता रैली जेएसएलपीएस एवं अन्य के सहयोग से निकल गई।

क्राइम शॉर्ट अपडेट्स ››

बंद गैरेज को चोरों ने बनाया निशाना

बोकारो : नयामोड़ में पेट्रोल पंप के नजदीक मेन रोड़ के किनारे तीन बंद ट्रक गैरेज को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों के गिरोह ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। इस दौरान गैरेज के पास खड़े एक ट्रक के चालक लालू यादव को तलवार सटाते हुए हल्ला नहीं करने को कहा। जिसके बाद कई दिन से बंद पड़े जयलाल शाह के गैरेज को तोड़ते हुए अंदर रखे कई सामान को समेट लिया। वहीं मुक्तेश्वर शर्मा, मो. शमीमुद्दीन के गैरज को तोड़कर कई उपकरण और लोहे का सामान लेकर चलते बने। चालक ने बताया कि 7 चोरों का गिरोह रात करीब 1 बजे पहुंचा थे। सभी के पास हथियार थे, वे बंद गैरज को तोड़ने में लगे हुए थे। तभी आवाज सुनकर उठा, तो एक चोर ने तलवार लेकर सटाते हुए गोली मारने की धमकी दी। जिससे डर कर मैं चुप हो गया। घटना को अंजाम देने के बाद सभी कॉपरेटिव कॉलोनी होकर भाग निकले। बताते चले कि जिस जगह चोरों ने घटना को अंजाम दिया है। वह नयामोड़ से उकरीद मोड़ जाने वाली मुख्य मार्ग है। जबकि रात में पुलिस की गश्ती दल घूमने का दावा करती है। लेकिन जिस तरह से चोरों का गिरोह रात में घुम रहा है।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

परशुराम सेवा समाज बाईसी ने 30 अभ्यर्थियों को उत्कृष्ट सफलता पर किया सम्मान

चास : परशुराम सेवा समाज बाईसी के द्वारा एसएससी जीडी के प्रतियोगिता परीक्षा में समाज के चयनित 30 अभ्यर्थियों को उत्कृष्ट सफलता पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। अध्यक्षता परशुराम सेवा समाज बाईसी के अध्यक्ष उमेश चंद्र शर्मा ने किया। समाज के संरक्षक मृत्युंजय शर्मा ने कहा कि समाज के लड़कियां इस परीक्षा में सफल हुई है, इनको समाज भूरी-भूरी प्रशंसा करती है तथा उनके अभिभावकों को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देता है कि आज लड़कियों को घर से बाहर जाने का मौका दिया जा रहा है। इस कंपटीशन परीक्षा में उत्तीर्ण सभी नवयुवकों को धन्यवाद देता है एवं यही नौजवान आने वाले समय में समाज में मिसाल कायम करेंगे और उनके देखा देखी और से युवको को प्रोत्साहन मिलेगा। समाज के सचिव सपन कुमार माहथा ने सभी युवाओं को बधाई देते हुए कहा कि आप लोग समाज के आईना बनेंगे। समारोह को अश्विनी कुमार माहथा, विकास चौधरी, प्रकाश शर्मा आदि ने संबोधित किया।

एवीबीपी के झारखंड कोषाध्यक्ष शुभम ने किया प्रखंड का दौरा

बुढ़मू :अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद झारखंड के कोषाध्यक्ष शुभम पुरोहित ने बुढ़मू में दौरा कर सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान शुभम पुरोहित ने बताया कि विद्यार्थी परिषद राष्ट्रवाद की विचारधारा को लेकर विद्यार्थियों के बीच शिक्षा, चरित्र व संस्कार के भाव को विकसित कर रहा है। इसी उदेश्य से आज बड़ी संख्या में विद्यार्थी संगठन से जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद एकमात्र जो कैंपस में पुरे दिन काम करने वाली एवं विद्यार्थीओ के बीच में रहने वाली छात्र संगठन है। मौके पर शुभम सिन्हा, सुजीत राम, राहुल यादव, रोशन यादव, ललन यादव सहित कई छात्र उपस्थित थे।

जश्न इंडिया आन मून, जय हिन्द-जय भारत के गगनभेदी घोष से गूंजा डीपीएस बोकारो

चंद्रयान- 3 की लॉन्चिंग में बच्चों ने तिरंगा लहराकर मनाया सफल लैंडिंग का जश्न

● दिवाली की तरह इसकी खुशियां मनाईं

● गीत गाकर भारत की गौरव-गाथा का बखान किया

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: बीते 14 जुलाई को इसरो ने श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर से चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग का प्रत्यक्ष गवाह बने डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने गुरुवार को अपने विद्यालय में विशेष आयोजन किया। विद्यालय की ओर से 66 विद्यार्थियों की टीम इसरो गई थी, जहां उन्होंने चंद्रयान- 3 की लांचिंग सशरीर उपस्थित होकर देखी थी। अब इसकी सफल लैंडिंग को देखना उनके लिए अविस्मरणीय एवं गर्व का विषय रहा।

बुधवार शाम उन्होंने जहां दिवाली की तरह इसकी खुशियां मनाईं, वहीं गुरुवार को विद्यालय में तिरंगा लहराकर अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की इस बुलंदी का जश्न मनाया।

विद्यालय के अश्वघोष कला क्षेत्र में बच्चों के साथ इसरो गए शिक्षक तथा प्राचार्य डॉ. एएस गंगवार भी इस उत्सव में शामिल हुए। चंद्रयान- 3 पर आधारित कलाकृति से सजे मंच पर लैंडर विक्रम के चांद की सतह पर उतरने का वीडियो चलाया गया और बच्चों व शिक्षकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच राष्ट्रध्वज तिरंगा लहराया।इस क्रम में इंडिया आन मून, जय हिन्द-जय भारत के गगनभेदी जयघोष से पूरा विद्यालय परिसर गूंजता रहा।

प्राचार्य ने बच्चों को मिठाई खिलाकर इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी। इस क्रम में बच्चों ने सारे जहां से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा... गीत गाकर भारत की गौरव-गाथा का बखान किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि चंद्रयान- 3 की सफलता भारत की बढ़ती वैज्ञानिक ताकत का जीता-जागता प्रमाण है। भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग करने वाला पूरी दुनिया में एकमात्र देश है। इसके लिए इसरो के तमाम वैज्ञानिक आदर, सम्मान व नमन तथा सभी भारतवासी बधाई के पात्र हैं।

अझाविअ मंच ने सौपा सांसद संजय सेठ को ज्ञापन

राष्ट्रीय खबर

चांडिल : अखिल झारखंड विस्थापित अधिकार मंच के द्वारा गुरुवार को रांची लोकसभा के सांसद संजय सेठ के आवास पर जाकर विस्थापितों पर हो रहे फर्जी केस में गिरफ्तारी को लेकर ज्ञापन दिया गया। मंच के संस्थापक सह अध्यक्ष के द्वारा उनको बताया गया की 26 जून 2023 को चांडिल डैम कार्यालय के गेट जाम के दौरान कार्यालय परिसर में मीडिया, पुलिसकर्मी तथा विस्थापितों के उपस्थिति में बरामद हुए बियर, शराब बोतल गांजा पेड़ पर दिए गए आवेदन पर अभी तक कोई मुकदमा नहीं किया गया इसके विपरीत विस्थापितों पर ही झूठा मुकदमा करके गिरफ्तारी किया जा रहा है। विस्थापितों को शोषण करना बंद करें, पिछले 68 दिन से विस्थापित अनिश्चितकालीन धरना पर बैठे हैं और चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। विस्थापित अपने 10 सूत्री मांगों को लेकर लगातार संघर्ष कर रहे हैं और प्रशासन विस्थापितों के आवाज तथा आंदोलन को कुचलने का काम कर रहा है।

प्रशासन विस्थापित गुरचरण साव को गिरफ्तार कर विस्थापितों को डराने का काम कर रहा है। आज 84 मौजा 116 गांव के विस्थापित इस घटना से दुखित है अगर प्रशासक गुरुचरण साव को रिहा नहीं करता है तथा अन्य विस्थापितों पर अत्याचार करता है तो इस फर्जी मुकदमा और गिरफ्तारी के लिए एक बहुत बड़ा जन आंदोलन होगा।

शिक्षा के माध्यम से व्यक्तियों में संस्कार तथा चरित्र निर्माण करना हमारा लक्ष्य: सुधीर

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: सेवा भारती बोकारो महानगर की बैठक सेक्टर 2 ए संघ कार्यालय में संपन्न हुई। जिसमें राष्ट्रीय सेवा भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री सुधीर कुमार उपस्थित थे। बैठक का शुभारंभ ब्रम्भनाद एवं गायत्री मंत्र से किया गया। जय नंदन तिवारी ने सभी का परिचय एवं स्वागत किया। साथ ही महानगर में चल रहे सेवा कार्य एवं अन्य गतिविधियों का वृत्त निवेदन प्रस्तुत किया। संस्था के संरक्षक ललन नाथ दीक्षित ने पूर्व में चल रहे गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर संगठन मंत्री श्री कुमार कहा कि हमारा कार्यक्षेत्र एक निश्चित एवं सीमित क्षेत्र में होना चाहिए। हमें उपेक्षित, वंचित, पीड़ित एवं अभावग्रस्त लोगों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शिक्षा के माध्यम से व्यक्तियों में संस्कार तथा चरित्र निर्माण करना हमारा लक्ष्य है।

अंत में चास नगर के सचिव विकास अग्रवाल ने श्रीफल और अंग वस्त्र प्रदान कर उनका स्वागत एवं सम्मानित किया। बैठक में प्रमुख रूप से ललन नाथ दीक्षित, अर्जुन देव तनेजा, राजकुमार, बासुदेवन, नम्बूदरीपाद, जय नंदन तिवारी, विकास अग्रवाल, शिव शंकर प्रसाद, सूर्य कुमार सिन्हा, मीना देवी, शुभावती देवी, शैलदेवी, ऋषभ सहाय एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

छड़ मफियाओं की शिकायत डीसी व मुख्य सचिव से

राष्ट्रीय खबर

इचाक: इचाक छड़ सीमेंट रजिस्टर्ड दुकानदारों संघ ने उच्च विद्यालय सिझुआ में बैठक सुरेश मेहता की अध्यक्षता एवं संचालन विक्की धवन ने किया। सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि उपयुक्त व पुलिस महानिदेशक ,मुख्यमंत्री मुख्य सचिव झारखंड को आवेदन दिया जाना है जिसमें लिखा है एवं कार्रवाई करने की मांग किया है कि हजारीबाग जिले के अन्तर्गत पदमा अंचल के अंदर कदवा तथा दाउजीनगर के जंगलों में एवं ईचाक अंचल के नेशनल हाइवे नेशनल हाईवे रांची पटना मार्ग में स्थित लाइन होटलों में अवैध तरीके से माफियाओं द्वारा विगत कुछ महिनों से ट्रक एवं ट्रेलरों के ड्राइवरों से छड़ (सरिया) की गलत ढंग से खरीद-बिक्री की जा रही है जिससे हम सभी अनुज्ञप्ति धारक दुकानदारों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है तथा ग्राहकों से कहा-सुनी भी हो रही है तथा अनुज्ञप्ति धारक दुकानदारों के दुकान में बिक्री नहीं होने के कारण सरकार के राजस्व की क्षति भी हो रही है जो कि निन्दनीय है। ऐसी गम्भीर परिस्थिति में है। स्थिति की गंभीरता को लेते हुए उक्त मामले की जांच कर उन माफियाओं के विरूद्ध ठोस अथवा कारगर कार्यवाही करने की मांग किया है।

बैठक में फुलेश्वर प्रसाद मेहता, संजय अग्रवाल, सुधाकर प्रसाद,उत्तम कुमार,विश्वजीत कुमार, विकी, वीरेंद्र कुमार,राजू रौनक, सोनू ठाकुर,रतन प्रसाद मेहता, बैजनाथ महतो ,राहुल कुमार, प्रमोद कुमार, अशोक कुमार, रामजी प्रसाद मेहता सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सुरक्षा गार्डो में स्थानीय लोगों को मिले प्राथमिकता

राष्ट्रीय खबर

तालगड़िया: जोहार सिलफोर फाउण्डेशन ने जिंदल स्टील के पर्वतपुर कोल ब्लॉक में रैयत और प्रभावित क्षेत्र के लोगों को एसआईएस सुरक्षा गार्ड में नियोजन की मांग की है। कहा कि सुरक्षा गार्डों में अभी तक जितने भी लोगों को काम दिया गया है, सभी लोग बाहर के है एक भी प्रभावित क्षेत्र के लोग नहीं है। इसमें स्थानीय लोगों को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। वहीं इसके विरोध में फाउंडेशन की ओर से जनता की मांग को शिकायत के रूप में एसआईएस बोकारो डिवीजन अधिकारी को लिखित सूचना दिया गया है। वहीं शिकायत कॉपी के साथ उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक बोकारो को भी इसकी लिखित सूचना दिया जा चुका है। कहा कि क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश का माहौल है। मुद्दे को अगर वक्त रहते नही सुलझाया गया तो आने वाले दिनों में हो सकता है कि इसके लिए जनता जमीन में उतर कर आंदोलन करेगी। प्रबंधन को इस पर शीघ्रता से विचार करने की आवश्यकता है। मौके पर सिलफोर मुखिया काजल दास, उप मुखिया गोतम महतो, कारण महतो, दीपक महतो, धनंजय महतो, मनोज, आलोक, विजय, पंकज, बुलेट समेत अन्य उपस्थित थे।

आयोजन मेहंदी प्रतियोगिता, मतदाता शपथ दिलाकर महिला-पुरूष विभन्न गतिविधियों का आयोजन

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर मतदाताओं को किया जागरूक

›› 5 सितंबर को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया

राष्ट्रीय खबर

बोकारो: डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर गुरुवार को जिले के डुमरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मतदान केंद्रों एवं पंचायत क्षेत्रों में स्वीप कोषांग द्वारा मतदाता जागरूकता के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान वैसे मतदान केंद्र जहां 70 फीसदी से कम मतदान हुआ है। वहां मेहंदी प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, मतदाता शपथ दिलाकर महिला-पुरूष मतदाताओं को जागरूक किया गया। सभी को मतदान दिवस 5 सितंबर को अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। चंद्रपुरा प्रखंड के तरंगा पंचायत में आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा महिलाओं के बीच मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कर मतदान करने के लिए जागरूक किया गया। वहीं नावाडीह प्रखंड के भलमाड़ा, पीपड़ाडीह, कंजकिरो एवं कांचो पंचायत क्षेत्र में जेएसएलपीएस समूह के दीदीओं व विद्यालय की छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता रैली, मतदाता शपथ, रंगोली एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

न्यूज फटाफट

व्यक्ति को जंगली हाथी ने कुचला

चांडिल : चांडिल थाना क्षेत्र के गांगुडीह पुनर्वास स्थल निवासी भीम गोप का जंगली हाथियों के कूचलने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक भीम गोप गांव के अन्य लोगों के साथ पत्ता लाने जंगल गया था। इसी क्रम में जंगल में इन लोगों का सामना हाथियों के झुंड से हो गया। हाथियों का झुंड देखकर सभी जंगल में भागने लगे। भीम गोप के वापस नहीं आने पर उसकी खोज बीन शुरू हुई। इसी क्रम में जंगल में उसकी शव मिली। लोगो ने तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। वन विभाग की ओर से मृतक के परिजनों को अग्रिम मुआवजा के तौर पर नकद पचास हजार रुपए दिया। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि बनू सिंह सरदार, श्यामल मार्डी, भजन गोप, ईश्वर गोप एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

चंद्रयाण 3 के सफल लेंडिंग पर निकाली तिरंगा रैली

चांडिल : श्रीराम सनातन समिति चांडिल अनुमंडल के द्वारा गुरुवार को चंद्रयाण 3 के सफल लेंडिंग दक्षिणी ध्रुव में चांद पर पहुंचने वाला पहला देश भारत बनने की खुशी में चांडिल सिनेमा हाल के समीप से डेम रोड होते हुए चांडिल स्टेशन तक बाइक तिरंगा रैली निकाली। रैली की अध्यक्षता सनातन समिति के उपाध्यक्ष सुदिप्तो पाल ने की। इस दौरान सभी ने हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय, बन्दे मातरम के जयकारो के साथ रैली निकाला। जिसमें सैकड़ो की संख्या में युवा हाथ में तिरंगा लिए शामिल हुए। इस अवसर पर छोटू प्रमाणिक, राहुल नाग, आकाश कुमार, बिमलेश मंडल,सूरज मिश्रा, राहुल सिंह, शशि मिश्रा आदि सदस्य मौजूद थे।

डुमरी उप चुनाव को लेकर हो रही वाहनों की सघन जांच

बोकारो: डुमरी विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देश पर जिले के सभी सीमावर्ती क्षेत्रों पर चेकनाका लगाकर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान एसएसटी सभी छोटे-बड़े वाहनों के साथ लग्जरी वाहनों की भी तलाशी कर रही है। गुरुवार को भी सभी चेकनाकों पर एसएसटी द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया गया। मौके पर उपस्थित दंडाधिकारी ने कहा कि डुमरी विधानसभा उप चुनाव के मद्देनजर शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने को लेकर एसएसटी द्वारा वाहन जांच किया जा रहा है। इस क्रम में दो एवं चार पहिया एवं बड़े वाहनों की भी तलाशी ली जा रही है। वाहनों से संबंधित दस्तावेज का भी जांच किया जा रहा है। ताकि वाहनों के माध्यम से अवैध सामानों की हेराफेरी न हो सके।

कुकडू प्रखंड में 5 विकास योजनाओं का किया विधायक ने उद्घाटन

चांडिल : कुकडू प्रखंड क्षेत्र में विधायक निधि से निर्मित पांच विकास योजनाओं का उद्घाटन गुरुवार को विधायक सविता महतो ने विधिवत रूप से शिलापट्ट अनावरण कर किया। इस क्रम में विधायक ने कुकडू, पांड्रा, सिरुम में निजी तालाब का जीर्णोद्धार व ईचाडीह टोला वामनडीह व सिसी में चार चार सौ फिट पीसीसी पथ का उद्घाटन किया। जानकारी देते हुए विधायक सविता महतो ने कहा कि पांचो विकास योजनाओ का निर्माण करीब 34 लाख रुपए की लागत से कराया गया। उन्होंने कहा विकास योजना का निर्माण होने से इसका लाभ ग्रामीणों को मिलेगा। विधायक ने कहा ग्रामीण के मांग को देखते हुए सभी विकास योजनाओं का निर्माण किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय सदस्य काबलु महतो, प्रखंड अध्यक्ष इंद्रजीत महतो, 20 सूत्री अध्यक्ष शक्तिपद महतो, सपन महतो, अरुण महतो, कित्तीवास महतो, गोपेश्वर कुम्हार, रफीक अंसारी, संजीव सिंह मुंडा, सनातन गोप, बिनोद प्रमाणिक, लक्खी काम्हार , चंद्रमोहन महतो, अश्विर्वाद महतो आदि ग्रामीण व झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पोषक अनाज पर आधारित प्रतियोगिता आयोजित

बुढ़मू : कृषि विज्ञान केंद्र रांची के द्वारा बुढमू प्रखंड के गुतरु गांव में पोषक अनाज आधारित विभिन्न व्यंजनों को बनाने एवं प्रदर्शित करने की प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 47 महिला किसानों ने भाग लिया। जिनके द्वारा मडुआ से बने कुल 53 व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथी प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा एवं प्रखंड उपप्रमुख हरदेव साहू, प्रखंड विकास पदाधिकारी नम्रता जोशी, अंचलाअधिकारी शंकर कुमार विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अजीत कुमार सिंह, वरीय वैज्ञानिक,कृषि विज्ञानं केंद्र, रांची के द्वारा पोषक अनाज के प्रसार हेतु केवीके अंतर्गत किये जा रहे विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला। डॉ विशाखा सिंह, वैज्ञानिक, गृह वैज्ञानिक, केवीके, रांची द्वारा कार्यक्रम के उद्देश्य एवं पोषक अनाज के महत्व के बारे में बताया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा झारखण्ड में मंडुआ की खेती एवं महत्वा के बारे में चर्चा करते हुए बताया गया, कि पोषक अनाज के सेवन के कारन ही ग्रामीण लोगों में रोगों से लड़ने की क्षमता का अच्छा विकास हुआ, एवं कोरोना काल में भी ग्रामीण लोगों में अधिक समस्या देखने को नहीं मिली। कार्य में अतिथि के रूप में उपस्थित वैज्ञानिक, पौध सुरक्षा डॉ राजेश कुमार द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय खबर हमारी नजर झारखंड

web : www.rashtriyakhabar.com
epaper.rashtriyakhabar.com

शहर ›› अपडेट

आशा को बधाई देने बीडीओ एथलेटिक्स अकादमी पहुंची

बेरमो : बृहस्पतिवार शाम को लगभग 4 :00 बजे बेरमो प्रखंड विकास पदाधिकारी मधु कुमारी भाटिया एथलेटिक्स अकादमी पहुंचकर आशा किरण बारला को बधाई दिया साथ ही उसके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। उनके साथ जे .ई अजीत कुमार साह, पंचायत सचिव उत्तम रजवार, डी पंचायत मुखिया चंदना मिश्रा, राजू पंडित और शैंकी भाटिया उपस्थित थे।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

दो दिवसीय टूनार्मेंट का आयोजन

बेरमो : विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्विद्यालय धनबाद की ओर से दो दिवसीय (२६ एवम २७ अगस्त, २०२३) इंटर कॉलेज वॉलीबाल पुरुष एवं महिला टूनार्मेंट का आयोजन के बी कॉलेज बेरमो की मेजबानी मे शनिवार २६ अगस्त से शुरू होगा। जिसमें इइटडव के सभी महाविधालयों के खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं।टूनार्मेंट के सफल संचालन व क्रियान्वयन के लिऐ केबी कॉलेज के प्राचार्य सह अध्यक्ष डॉ के पी सिन्हा एवं ऑर्गनाइज सेक्रेट्री सह खेल प्रभारी प्रो नितिन चेतन तिग्गा के द्वारा विभिन्न कमिटी बनाई गई है ।के बी कॉलेज बेरमो प्रांगण मे ही बालक एवम बालिका इंटर कॉलेज वॉलीवाल टूनार्मेंट आयोजित है।इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप मे इइटडव धनबाद के डीएसडब्ल्यू डॉ एस के सिन्हा एवं पूर्व प्राचार्य डॉ बी एन रजवार को आमंत्रित किया गया है।उपरोक्त जानकारी केबी कॉलेज के प्रोफेसर सह मिडिया प्रवक्ता डॉ प्रभाकर कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मिडिया को दी।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

उपायुक्त ने मसलिया प्रखंड अंतर्गत कठलिया गांव का किया निरीक्षण

दुमका :उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे द्वारा मसलिया प्रखण्ड के कठलिया अन्तर्गत उत्कर्मित उच्च विद्यालय, कठलिया का निरीक्षण किया गया। उक्त कार्यक्रम हेतु प्रशिक्षु पदाधिकारियों के दुमका जिला परिभ्रमण में ग्राम- धनभाषा, प्रखंड रानेश्वर एवं ग्राम- कठलिया, प्रखंड- मसलिया निर्धारित है।निरीक्षण के क्रम में प्रशिक्षु पदाधिकारियों के आवासन, खाना एवं ग्राम परिभ्रमण का जायजा लिया गया। उपायुक्त ने प्रखड़ विकास पदाधिकारी, मसलिया को निर्देश दिया कि प्रशिक्षु पदाधिकारीयों को ग्रामीण क्षेत्र परिभ्रमण में किसी प्रकार की समस्या ना हो इसका ध्यान रखा जाए। स्थानीय भाषा जानने वाले किसी कर्मी को उनके साथ प्रतिनियुक्ति किया जाए। सुरक्षा की दृष्टि कोण से पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल मौजूद रहेंगे। बिजली, पानी एवं खाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के क्रम में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मसलिया एवं अन्य उपस्थित थे।

विभिन्न पदाधिकारी इधर-उधर

दुमका: प्रथम अपीलीय पदाधिकारी पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरबार ने कहा कि सूचनाधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक, दुमका के कार्यालय हेतु जन- सूचना पदाधिकारी के रूप में विजय कुमार, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), दुमका एवं सहायक जन सूचना पदाधिकारी के रूप में दुमका जिलान्तर्गत सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी / सभी पुलिस निरीक्षक, प्रभाग स्तर के एवं सभी थाना प्रभारी / ओपी प्रभारी तथा परिचारी प्रवर पुलिस केन्द्र, दुमका को मनोनीत किया जाता है।

चंद्रयान-3 मिशन

अंतरिक्ष अभियान पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुईं थी

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर फुसरो बाजार में जमकर हुई आतिशबाजी

- चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर अपने यान को उतारने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है
- नरेंद्र मोदी इस मिशन को दक्षिण अफ्रीका से लाइव देख रहे थे
- चंद्रायन 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर ऐतिहासिक काम किया है

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन चंद्रयान-3 की बुधवार की शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर सफलतापूर्वक लैंडिंग हो गई। इसके साथ ही चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर अपने यान को उतारने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है।

इस अंतरिक्ष अभियान पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुईं थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मिशन को दक्षिण अफ्रीका से लाइव देख रहे थे। प्रधानमंत्री 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जोहान्सबर्ग में हैं। वे वहीं से लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए इस पल को देख रहे थे। इसरो की सफलता पर उन्होंने कहा कि ये ये विकसित भारत का क्षण है। भारत चंद्रमा के उस दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचा है जहां आज तक कोई देश नहीं पहुंचा है। आज से चांद से जुड़े कई मिथक बदल जाएंगे।

16 वी लोकसभा सांसद रवींद्र कुमार पांडेय,भाजपा नेता राजेश सिंह ,प्रकाश कुमार सिंह, लक्ष्मण नायक, डॉक्टर उषा सिंह ने कहा कि इसरो ने देश का मान बढ़ाया है चंद्रायन 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर ऐतिहासिक काम किया है उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भारत को विश्व गुरु बनाने का काम किया है भारत ने विश्व में पहला स्थान हासिल किया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हैं एवं इसरो वैज्ञानिक को बधाई देते हैं। भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के कार्यसमिति सदस्य वैभव चौरसिया व यंग ब्लड के केंद्रीय अध्यक्ष जावेद खान ने कहा कि मोदी सरकार ने भारत को विश्व गुरु बनाकर कृतिमान स्थापित किया है देश में खुशी का माहौल है भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे ने कहा कि चंद्रायन 3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचकर इतिहास रच दिया है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व में स्थापित करने का काम किया है।

मारवाड़ी युवा मंच के प्रदेश संगठन मंत्री रोहित मित्तल,किसान मोर्चा के फुसरों नगर अध्यक्ष दीपक गिरही,पूर्व वार्ड पार्षद भरत वर्मा,अजय गिरी,शंकर गोयल,अंकित गोयल,व्यवसायी संघ फुसरों के संतोष भगत सहित बाजार के कई लोग उपस्थित थे।साथ ही साथ भूत बंगला फुसरों के समीप महावीर मंदिर कमिटी भरत वर्मा के नेतृत्व में चन्द्रयान -3 के सफल लैंडिंग पर आतिशबाजी की।

जनप्रतिनिधियों ने बेरमो के नए थाना प्रभारी का किया स्वागत

बेरमो: युवा व्यवसाई संघ फुसरो के निवर्तमान सचिव अरविंद वर्मा और व्यवसाई अरशद हुसैन उर्फ सोनू ने बेरमो के नव पदस्थापित थाना प्रभारी अशोक कुमार से शिष्टाचार मुलाकात की। कहा कि थाना प्रभारी लोगों के हित में कार्य करेंगे और क्षेत्र शांति व्यवस्था बनाए रखेंगे। इसी अपेक्षा के साथ मुलाकात की गई। मौके पर थाना प्रभारी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों की सेवा हेतु हमेशा तत्पर है। उन्होंने कहा थाना क्षेत्र के लोग अफवाह पर ध्यान ना दें एवं थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता करे। किसी प्रकार की समस्या होने पर सबसे पहले बेरमो थाना को सूचित करें सभी समस्याओं का समाधान होगा।

न्यू पत्रकार यूनियन की कमेटी गठित

मगनपुर :न्यू पत्रकार यूनियन गोला संघ की बैठक झींझरिटाड़ स्थित महतो लाइन होटल में सुरेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही पत्रकारों में एकजुटता बनाये रखने के लिए सर्वसम्मति से कमेटी का गठन किया गया।जिसमें संरक्षक प्रदीप बर्मन, अध्यक्ष जितेंद्र कुमार, सचिव ओमप्रकाश गुप्ता और कोषाध्यक्ष छेदी लाल को चुना गया।वही यह भी निर्णय लिया गया कि कमेटी का विस्तार अगली बैठक में किया जाएगा।वही इसकी मजबूती बनाये रखने के लिए हर माह बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया।मौके पर सुजीत सिन्हा, अशफाक अहमद,आदर्श कुमार, दिलीप करमाली,टेकलाल महतो आदि मौजूद थे।

अंबेडकर स्टेडियम बारीग्राम बेरमो में फुटबॉल टूनार्मेंट हुआ शुभारंभ

राष्ट्रीय खबर

बेरमो : गांधीनगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर स्टेडियम बाड़ी ग्राम बेरमो में 22 वा. दरकु हाड़ी मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत में अतिथियों के द्वारा स्वर्गीय दरकू हाड़ी के प्रतिमा का अनावरण कर पुष्प अर्पित कर किया गया।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व ऊर्जा मंत्री लालचंद महतो अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

सह झामुमो नेता अनिल अग्रवाल गांधीनगर थाना प्रभारी अनूप कुमार ने संयुक्त रूप से खिलाड़ी का परिचय प्राप्त कर खेल की शुरूआत किया। इस दौरान लालचंद महतो ने कहा कि ऐसे फुटबॉल खेल आयोजन से फुटबॉल खिलाड़ियों को एक मंच पर लाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है। फुटबॉल टेलीविजन में ही देश दुनिया के खिलाड़ियों को देखने का मौका मिलता है लेकिन इस स्टेडियम में ग्रामीण क्षेत्र के वहां खिलाड़ियों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। वही अनिल अग्रवाल ने कहा कि हाड़ी समाज ने पिछले कई दशकों से इस तरह के आयोजन कर फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने का काम कर रहा है। गांव के प्रतिभावान खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन दिखाने का मौका मिलता है। आज का उद्घाटन मैच झारखंड 11 रांची बनाम हिल स्टार क्लब गांधीनगर के बीच खेला गया।

डीएवी स्कुल में चंद्रयान -3 के लैंडिंग का दिखाया गया सीधा प्रसारण

राष्ट्रीय खबर

गिद्दी :डीएवी पब्लिक स्कूल,गिद्दी ए (झारखंड जोन-डी) में चंद्रयान 3 के लैंडिंग का सीधा प्रसारण बच्चों को दिखाया गया। जिसको विद्यालय के बच्चे द्वारा उत्साह पूर्वक देखने का काम किया गया।और इस ऐतिहासिक पल का गवाह बने। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के विज्ञान संकाय के द्वारा किया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूकता फैलाना था तथा चंद्रयान के लॉन्चिंग से लेकर लैंडिंग तक के पूरी प्रक्रिया को आसान तरीके से समझना था। इस ऐतिहासिक अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य मनप्रिया चटर्जी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन भारत के अंतरिक्ष विज्ञान के लिए स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जायेगा।आज हम सभी के लिए गर्व का पल है और इस शानदार उपलब्धि का श्रेय हमारे देश के वैज्ञानिकों को जाता है। जिनके अथक परिश्रम से चंद्रमा पर लैंडिंग करने वाला आज भारत विश्व का चौथा देश बन गया है। इस पूरी प्रक्रिया को बच्चों को समझाने के लिए विद्यालय के भौतिक विज्ञान के शिक्षक दिनेश कुमार और बबलू कुमार पांडेय ने सहयोग दिया।

झारखण्ड दिव्यांग क्रिकेट टीम हुई रवाना, तमिलनाडु में केरल से करेगी मुकाबला

राष्ट्रीय खबर

रामगढ़ : दिव्यांगों के लिये प्रतिबद्ध प्रदेश में सक्रिय संस्था दिव्यांग परिवर्तन फाउंडेशन के नेतृत्व में कॉयंबटूर के लिये रवाना हुई । कॉयंबटूर में आयोजित तीन दिनी त्रिकोणीय मैच में झारखंड के दिव्यांग खिलाड़ी केरल से मुकाबला करेंगे । संस्था के सचिव अतहर अली के नेतृत्व में खिलाड़ी कोयंबटूर के लिए रवाना हुए हैं । अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित यह त्रिकोणीय सीरीज गैलेक्सी कप कोयंबटूर के श्री नेहरू महाविद्यालय कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस ग्राउंड में खेला जाएगा । झारखंड का पहला मुकाबला केरल की टीम से होगा। प्रदेश के दिव्यांग क्रिकेट टीम में जाने वाले सत्रह सदस्ययी दल में राजेश कुमार (कैप्टन) , प्रमोद कुमार बोकारो ,फागू करमाली रांची , विनोद कुमार महतो ,शकुनि मुंडा , शिवम कुमार , मो. इरशाद , मंगल मुंडा , रामगढ़ , राजेश कुमार हजारीबाग , भरत कुमार महतो धनबाद , मुदस्सिर खान जामताड़ा , भूपेश कुमार लातेहार , अजहर गिरिडीह , संदीप करमाली टीम मैनेजर, जीतेन्द्र कुमार टीम कोच , बबलू फिजियोथैरेपी , सहित संस्था के सचिव अतहर अली शामिल हैं । रवानागी से पूर्व थाना चौक स्थित यामाहा शोरूम शिवम् बाइक्स में संस्था के मुख्य संरक्षक विजय मेवाड़ एवं रामगढ़ ज़िला खेल पदाधिकारी मार्कस हेमरोम ने संयुक्त रूप से माला पहनाकर एवं जर्सी भेंट कर खिलाड़ियों का खूब उत्साहवर्धन किया हेमरोम ने झारखंड प्रतिभाओं का भी धनी प्रदेश है । संगठन के चेयरमैन एम सिद्दीकी साहब ने रांची रेलवे स्टेशन पर दिव्यांग परिवर्तन फाउंडेशन के खिलाड़ियों को जो झारखंड टीम के तरफ से जा रहे हैं भरपूर स्वागत किया।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से सीसीएल कर्मी सह समाजसेवी नरेश महतो बुरी तरह घायल

इलाज के दौरान रांची स्थित भगवान महावीर मेडिका अस्पताल में निधन

राष्ट्रीय खबर

कुजू : मुरपा निवासी सीसीएल कर्मी सह समाजसेवी नरेश महतो (55 वर्ष) का निधन मंगलवार की रात्रि रांची स्थित भगवान महावीर मेडिका अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। उनके निधन से मुरपा बस्ती सहित कुजू कोयलांचल में शोक की लहर है वहीं परिजनों का का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। नरेश महतो कुजू पूर्वी पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य ईश्वर महतो के पिता थे। उनके निधन की खबर सुनकर कुजू सहित आसपास के गांव के लोग एवं जनप्रतिनिधियों की भीड़ उनके आवास पर लग गई।

नरेश महतो मंगलवार को अपनी पुत्री के ससुराल गोला स्थित ईरगुवा गांव में एक श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गए थे। वहां से मोटरसाइकिल से लौटने के क्रम में संध्या लगभग 7:00 बजे रजरप्पा के ग्राम माईल के पास अज्ञात वाहन ने इनके मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह घायल हो गए । ग्रामीण और परिजनों की मदद से उन्हें रांची रोड स्थित होप अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनकी बिगड़ती हालत को देख होप अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा उन्हें रांची स्थित भगवान महावीर मेडिकाअस्पताल भेज दिया गया। जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत रात्रि लगभग 1:00 बजे हो गई। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को मुरपा स्थित चींटीदाह श्मशान घाट मैं किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र ईश्वर महतो ने दिया। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दाह संस्कार के पूर्व घाट पर 2 मिनट का मौन रखा गया। मौके पर झामुम रामगढ़ जिला अध्यक्ष विनोद विनोद किस्कू, केंद्रीय सदस्य राजकुमार महतो, कांग्रेसी नेता धर्मराज राम, आजसू नेता तेजनाथ महतो, भाजपा नेता उमेश चंद्र पटेल, फुलेश्वर साव पन्नालाल मुर्मू, गुलाम नबी, मुगल चंद्र पटेल मुखिया राकेश कुमार मेहता, अशोक कुमार, डॉ शेख मुश्तक, पंचित महतो ,राजेंद्र प्रसाद महतो, संतु चौधरी, हेमंत सिंह, सरफराज अहमद, फिरंगी महतो, राजू महतो, जोगिंदर महतो, बादल महतो, कार्तिक ठाकुर,सुरेश महतो, दुर्गा शंकर, महावीर रजवार जीवन मेहता, जयप्रकाश पटेल राजू करमाली सहित सैकड़ो की संख्या में लोग शामिल थे।

खुलासा

व्यापारी लूटकांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

घटना में शामिल पांच आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रीय खबर

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट : अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय तेनुघाट में एक प्रेस कांफ्रेंस किया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सिंह ने पत्रकारों को बताया कि 11 अगस्त को पेटरवार के गल्ला व्यापारी के साथ अज्ञात अपराध कर्मियों ने हथियार का भय दिखाकर पैसा छीन ली थी । उनमें से पांच अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है । आगे सिंह ने बताया कि गोमिया थाना अंतर्गत होसिर ललपनिया रोड के भोलाडीह मोड़ सब्दीटांड़ के पास 11 अगस्त को पेटरवार के गल्ला व्यापारी के साथ 6/7 अज्ञात अपराध कर्मियों मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे और ओमनी वाहन को रोककर हथियार का भय दिखाकर और मारपीट कर पैसा छीन लेने की घटना की थी ।

इस संबंध में पीड़ित गल्ला व्यापारी सुशील कुमार अग्रवाल के बयान के आधार पर गोमिया थाना में अज्ञात छह-सात अपराध कर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था । जिसमें पुलिस अधीक्षक महोदय बोकारो के द्वारा इस कांड के उद्भेदन हेतु पुलिस निरीक्षक गोमिया अंचल महेश प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एस आई टी का गठन किया गया । एस आई टी टीम द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बेरमो वशिष्ठ नारायण सिंह के निर्देशन में उक्त कांड का उद्भेदन हेतु संदिग्ध अपराध कर्मियों के विरुद्ध छापामारी की जा रही थी । छापामारी के कर्म में गुप्त सूचना के आधार पर 22 अगस्त की संध्या सादम इंटेक वेल ग्राउंड के पास से मंसुर राय उर्फ मंजूर राय उर्फ खातिर राय उर्फ डेंजर और महेंद्र ठाकुर को अवैध अग्निशस्त्र एवं घटना के प्रयुक्त सफेद ब्लू रंग का अपाचे मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया । पकड़ाए गए अभियुक्त मंसुर राय उर्फ मंजूर राय उर्फ खातिर राय उर्फ डेंजर और महेंद्र ठाकुर ने पूछताछ के क्रम में अपने-अपने अपराध स्वीकृति बयान में 11 अगस्त को गल्ला व्यापारी से अपने अन्य सहयोगियों के साथ हथियार का भय दिखाकर मारपीट कर रुपए लूटने के बात स्वीकार किया । जिसमें उन्होंने अपने घटना में शामिल अपने अन्य सहयोगियों का नाम सनी कुमार, बीरबल सिंह उर्फ कटप्पा, अशोक सिंह, विपिन महतो एवं सद्दाम अंसारी का नाम बताया । छापेमारी के क्रम में घटना में संलिप्त अपराध कर्मियों अशोक साहू, विपिन महतो एवं सनी कुमार को गिरफ्तार किया गया । अपराध कर्मियों के पास से दो देसी कट्टा, दो 315 का जिंदा गोली, घटना में प्रयुक्त 3 मोटरसाइकिल, 6 मोबाइल एवं 19000 रुपए बरामद किया गया । पकड़ाए गए अपराध कर्मियों के विरुद्ध बेरमो अनुमंडल में कई मामले दर्ज है साथ ही कई बार जेल भी जा चुके हैं ।

एस आई टी टीम में पुलिस निरीक्षक गोमिया आंचल महेश प्रसाद सिंह, थाना प्रभारी पेटरवार विनय कुमार, रहावन ओपी प्रभारी अजय कुमार यादव, गोमिया थाना प्रभारी राजेश रंजन, कथारा ओपी प्रभारी प्रिंस कुमार सिंह, तेनुघाट ओपी पी प्रभारी सुनील कुमार, आ ई एल थाना प्रभारी अभीसेक कुमार महतो, गोमिया थाना पुलिस अवर निरीक्षक अनुज प्रसाद, दिलीप मुंडा, तकनीकी शाखा के चंदन कुमार मिश्रा, पंकज कुमार जायसवाल सहित सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे ।

सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर हुआ भूमि पूजन

राष्ट्रीय खबर

बेरमो: सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन करगली गेट स्थित झारखंड शिव मंदिर के पास में सूर्य मंदिर निर्माण को लेकर भूमि पूजन कार्यक्रम का गुरूवार को किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए और निर्णय लिया गया कि मंदिर का भव्य निर्माण के लिए एक कमेटी गठित कर बहुत जल्द ही सूर्य मंदिर निर्माण की परिकल्पना को साकार किया जाए। पुजारी राजकुमार पाठक ने यजमान ब्रजकिशोर सिंह और मीना सिंह के द्वारा भूमि पूजन कार्यक्रम को संपन्न कराया गया। कार्यक्रम संपन्न कराने में डॉक्टर शशिकांत सिंह, निवर्तमान वार्ड पार्षद रश्मि सिंह, कृष्णा वर्णवाल, चिकू सिंह, रविकांत सिंह, रोशन सिंह, राजू सिंह, नागेश्वर भारती, राजू वर्मा, रचना देवी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

संपादकीय

चांद तक वाकई पहुंच गये हम, बधाई

पिछली बार की असफलता के कड़वे अनुभवों की वजह से इस घटना को देखने वाले सभी लोगों का दिल निश्चित तौर पर धड़क रहा होगा। लेकिन बीती शाम चंद्रयान-3 लैंडर धातु, प्लास्टिक और कांच से बना 1.7 टन वजनी चंद्रमा से लगभग 30 किमी ऊपर की कक्षा में तेजी से घूम रहा था। लेकिन अगले 23 मिनट में, इसने धीमा होकर, खुद को सही करके और सेंसर और एक्चुएटर्स के एक सूट द्वारा निर्देशित - धीरे से चंद्रमा की सतह पर उतरकर इतिहास रच दिया था। जैसे ही यह शाम 6 बजे के बाद पहुंचा, लोग विभिन्न भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) केंद्रों पर एकत्र हुए और पूरे भारत में खुशी का माहौल था। इतिहास में भारत चंद्रमा पर अंतरिक्ष यान की सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला चौथा देश है, और चंद्रमा के दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में ऐसा करने वाला पहला देश है। इस उपलब्धि ने जटिल अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के एक सरल तथ्य को दर्शाया। संसाधनों के लिए उनकी भारी भूख के साथ-साथ सनक की क्षमता के कारण,

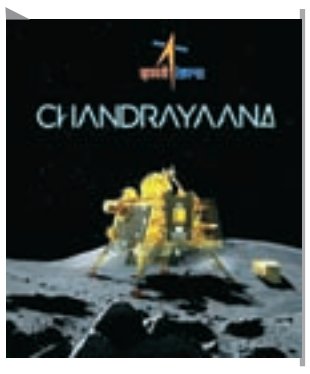

उनमें सफल होना मानव इच्छाशक्ति की जीत से अप्रमेद्य है। यही कारण है कि वे लोगों को प्रेरित करने में सक्षम हैं - जैसा कि चंद्रयान -3 ने अब भारत के लिए किया है। चंद्रयान-3 लैंडर के अब चंद्रमा पर बैठने का तात्कालिक निहितार्थ यह है कि इसरो ने पिछले मिशन चंद्रयान-2 की विफलता से सही सबक ले लिया है। सितंबर 2019 में, जब चंद्रयान-2 लैंडर चंद्रमा की सतह से 2.1 किमी ऊपर था, इसरो से संपर्क टूट गया। तब तक लैंडर द्वारा प्रेषित डेटा और चंद्रयान -2 ऑर्बिटर सहित अन्य स्रोतों के आधार पर, इसरो ने लैंडर के असामयिक निधन के दूरस्थ कारणों को एक साथ जोड़ दिया। इसरो के विशेषज्ञों ने उन्नत चंद्रयान-3 लैंडर को जन्म देने के लिए 21 उपप्रणालियों को संशोधित किया। उत्तरार्द्ध विशेष रूप से इसमें निर्मित अतिरेक से अलग हः यदि एक घटक या प्रक्रिया विफल हो गई होती, तो संभवतः दूसरे ने कार्यभार संभाल लिया होता। समय का व्यापक दृष्टिकोण देखें तो चंद्रयान-3 एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। भारत अब आर्टेमिस समझौते का सदस्य है, जो 2025 तक चंद्रमा पर मनुष्यों को भेजने और उसके बाद सौर मंडल में पृथ्वी के व्यापक पड़ोस में मानव अंतरिक्ष अन्वेषण का विस्तार करने के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले बहुपक्षीय प्रयास है। भारत ने अब जो पहली उपलब्धि हासिल की है, उसे देखते हुए, उसके पास अमेरिका के साथ-साथ अपनी अर्थव्यवस्थाओं में अंतरिक्ष क्षेत्र के योगदान को अधिकतम करने में रुचि रखने वाले अन्य आर्टेमिस देशों का नेतृत्व करने का अवसर है, जबकि रूस और भारत इस सप्ताह चंद्रमा पर उतरने की दौड़ में नहीं थे, 19 अगस्त को रूस के लूना-25 अंतरिक्ष यान की विफलता, कम से कम इस दशक में, अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन कार्यक्रम में अधिक सीमित तरीके से योगदान करने की देश की क्षमता की भविष्यवाणी करती है, जिसे वह आर्टेमिस समझौते के समानांतर धुरी के रूप में चीन के साथ मिलकर आगे बढ़ाता है। चंद्रयान-3 के साथ, भारत ने प्रमुख प्रकार के अंतरग्रहीय अंतरिक्ष यानः ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर्स के साथ भी परिचितता प्रदर्शित की है। चंद्रयान-3 रोवर अल्पविकसित है, और भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एक महत्वपूर्ण फोकस क्षेत्र पर बात करता हः वैज्ञानिक मिशनों की योजना और कार्यान्वयन। चंद्रयान -3 के वैज्ञानिक उपकरणों का डेटा महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह मिशन चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास की मिट्टी, उप-मृदा और हवा को भौतिक, रासायनिक और थर्मल रूप से चिह्नित करने वाला पहला मिशन होगा। अधिकांश अन्य अंतरिक्ष-संबंधी देशों की तुलना में भारत के पास अब कुछ हद तक तकनीकी श्रेष्ठता है, और इसे सौर मंडल में अधिक स्थानों पर जाकर और तारकीय विज्ञान का संचालन करके लाभ उठाना चाहिए। वर्तमान में भारत द्वारा संचालित बेहतर अंतरिक्ष-आधारित वैज्ञानिक उपकरण मुख्य रूप से पृथ्वी-अवलोकन और रिमोट-सेंसिंग से संबंधित हैं; एस्ट्रोसैट एक उल्लेखनीय अपवाद है क्योंकि आगामी आदित्य-एल1, एक्सपीओसैट और एनआईएसएआर मिशन होने की उम्मीद है। अपेक्षाकृत हाल के दिनों में, चंद्रयान-1 वैज्ञानिक रूप से अच्छी तरह से सुसज्जित था जबकि मार्स ऑर्बिटर मिशन में सुधार की गुंजाइश थी (यह एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक था लेकिन साथ ही यह मंगल ग्रह पर पहुंच गया)। बेहतर विज्ञान परिणाम सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में अनुसंधान में अधिक निवेश की मांग करते हैं, न कि खर्च में कटौती और मिशन डिजाइन जो वैज्ञानिक परिणामों को इंजीनियरिंग सीमाओं और लॉन्चेबिलिटी से पहले रखता है। इसरो और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी के बीच सहयोग से शुरू होगा, जिसमें एक लैंडर और एक रोवर भी शामिल है जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पानी-बर्फ का अध्ययन करेगा। लुपेक्स उस लैंडिंग सिस्टम का उपयोग करने के लिए तैयार है जिसे इसरो ने चंद्रयान-2 और -3 के लिए विकसित किया था। चंद्रयान-3 की सफलता इसरो को अगले कदमों पर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास देती है। साथ ही बहुत कम लागत ने भी दुनिया को भारतीय विज्ञान की तरक्की का पैमाना बताया है। इसलिए बधाई।

चन्द्रयान ने विरोधियों को दिखाया आईना

चन्द्रयान तीन की सफलता के साथ ही साथ पाकिस्तान और चीन के मुंह पर ताले लग गये, उनकी हंसी विध्वंस हो गयी, देश के टूकड़े-टूकड़े गिरोह की मंसूबे फिर गये, भारत की उपलब्धियों को कम आंकने वाले और विरोध करने वालों के चेहरे मुरझा गये, ब्रेक्रिंग इंडिया के ख्वाब रखने वाले समूह पर बज्रपात हो गया। मैंकिंग इंडिया का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण को दुनिया ने देखा और चकित भी हुआ। अब हमारा अंतरिक्ष कार्यक्रर्म दुनिया के सिर पर चढ़ कर बोलेगा। देश के शत्रुओं को सबक सिखाने में चन्द्रयान की भूमिका सर्वश्रेष्ठ होगी।

चन्द्रयान टू की विफलता की खुशी विधर्मियों ने खूब मनायी थी, टूकड़े-टूकड़े गिरोह ने खूब मनायी थी। अमेरिका और यूरोप ने भी राहत की सांस ली थी। थोड़ा तथ्य और उदाहरण भी देख लीजिये। देश के ही नहीं बल्कि पाकिस्तान के विधर्मी भी हंसी उड़ाने में साथ-साथ थे। तब पाकिस्तान के तत्कालीन विज्ञान मंत्री फवाद चौधरी ने कहा था कि जो काम नहीं आता उसमें पंगा लेने का नहीं, नालायकों ने 900 करोड़ बर्बाद कर दिये। पाकिस्तान सेना के तत्कालीन प्रवक्ता आसिफ गफूर ने कहा था कि चन्द्रयान टू को विफल

आचार्य विष्णु हरि सरस्वती
साहित्यकार

कर अल्ला ने हिन्दुओं के मुंह पर तमाचा मारा है, भारत ने हमारे मुस्लिमों को कैद कर रखा है, उसी की सजा मिली है।

कांग्रेस के राज में इसरो के वैज्ञानिकों के साथ क्या-क्या होता था, यह भी जान लीजिये। इसरो के प्रमुख वैज्ञानिक नंबी नारायण को गलत और साजिश के तहत फंसाया गया, उन्हें जेल भेजा गया। बाद में सुप्रीम कोर्ट से बरी हुए और यह साबित हुआ कि कांग्रेस के राज में उन्हें गलत ढंग से फंसाया गया, ताकि भारत की टैक्नोलॉजी विकास और अंतरिक्ष की योजनाए सफल नहीं हो सके। सच तो यह था कि पाकिस्तान की आईएसआई और अमेरिका तथा चीन के जासूसों ने जाल बिछाया था और तथ्यारोपण किया था। पाकिस्तान, चीन की भूमिका बहुत ही खतरनाक थी। पाकिस्तान और चीन किसी भी परिस्थिति में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को कुचलना चाहते थे। जाहिर तौर पर नम्बी नारायण की गिरफ्तारी के साथ ही साथ चीन और पाकिस्तान की साजिश और करतूत कामयाब हुई थी। इसका दुष्परिणाम यह हुआ कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम सालों पीछे चला गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर नजर डाल कर इस प्रसंग में कोई भी ज्ञानार्जन कर सकता है और कांग्रेस राज में वैज्ञानिकों और देश की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने की करतूत से अवगत हो सकता है।

चन्द्रयान टू की हमारी विफलता जरूर थी पर हमारी तैयारियां और भविष्य दृष्टि गलत नहीं थी। हमारे वैज्ञानिकों का अनुसंधान चाकचौबंद ही नहीं बल्कि सर्वश्रेष्ठ था। आंशिक चूक के कारण चन्द्रयान टू अपने लक्ष्य तक पहुंच कर भी सफल नहीं हो सका। स्थापित तथ्य यह है कि वीर और दूरदृष्टि रखने वाले लोग अपनी विफलता और पराजय में भी अपनी सफलता देख लेते हैं। हमारे वैज्ञानिकों के पास वीरता भी थी, समर्पण भी था और दूरदृष्टि भी थी। हमारे वैज्ञानिकों ने हार नहीं मानी, पूरे समर्पण के साथ दूरदृष्टि दिखायी। फिर सफलता मिलना ही था। भारतीय वैज्ञानिकों ने दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है और संदेश दिया है कि विफलता और हार में भी अपनी जीत देखो, दूरदृष्टि देखो और आगे सफल होने के लिए समर्पण के साथ काम करो। फिर सफलता-जीत मिलनी तय है।

कुछ बेवकूफ टाइप के लोग,विरोध के नाम पर सच को भी कुचलने वाले राजनीतिक दल और टुकड़े-टुकड़े गिरोह, विधर्मियों का गिरोह आदि इस उपलब्धि को लेकर हिंसक और अपमानजनक बातें भी कर रहे हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान को स्वीकार करने के लिए तैयार ही नहीं है। कह रहे हैं कि इसमें नरेन्द्र मोदी का योगदान क्या है, नरेन्द्र मोदी तो अनपढ़ है, नरेन्द्र मोदी का शैक्षणिक सर्टिफिकेट फर्जी है, क्या नरेन्द्र मोदी वैज्ञानिक है? इसके अलावा भी हिंसक और अपमानित करने वाली प्रक्रियाएं चल रही हैं। यह सब सोशल मीडिया पर देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदान को कैसे नकारा जा सकता है? अज्ञानी लोगों के लिए जानना यह जरूरी है कि सभी प्रकार के विकास और उन्ति में सरकार की भूमिका अग्रणी होती है। हमारे वैज्ञानिकों की यह उपलब्धि महान जरूर है, उनके पराक्रम को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन वैज्ञानिकों को इस तरह का अवसर कौन देता है? क्या इस तरह के अवसर को खुद वैज्ञानिक निर्मित कर सकते हैं? इस तरह के अवसर को उपलब्धि में बदलने के लिए कोई दो-चार करोड़ नहीं बल्कि हजारों करोड़ रुपए की जरूरत होती है। क्या कोई वैज्ञानिक हजारों करोड़ रुपए खुद जुटा सकता है? चन्द्रयान तीन

के लिए करीब दो हजार करोड़ रुपए की जरूरत थी। ये दो हजार करोड़ रुपए नरेन्द्र मोदी सरकार ने उपलब्ध करायी थी। नरेन्द्र मोदी सरकार अगर दो हजार करोड़ रुपए इसरो को उपलब्ध नहीं करायी होती तो फिर चन्द्रयान तीन का कार्यक्रम शुरू तक नहीं होता। इसलिए नरेन्द्र मोदी की भूमिका और योगदान को नजरअंदाज करना मुश्किल है।

चन्द्रयान दो की विफलता के बाद अन्य सरकार हतोत्साहित हो सकती थी, अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि पर आशंका व्यक्त कर सकती थी, वैज्ञानिकों के अनुसंधान पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर सकती थी, चन्द्रयान के भविष्य कार्यकर्म पर पैसा खर्च करने से बच सकती थी। क्योंकि चन्द्रयान टू पर कोई एक दो सौ नहीं बल्कि पूरे 900 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। 900 करोड़ रुपए कम नहीं होते हैं। 900 करोड़ रुपए बहुत ही ज्यादा होते हैं। लेकिन नरेन्द्र मोदी ने 900 करोड़ रुपए की परवाह नहीं की, उन्होंने चन्द्रयान कार्यक्रम को आगे बढाया और चन्द्रयान कार्यकर्म में पैसे और सहयोग की कोई कमी नहीं होने दी। राष्ट्र के प्रति समर्पित सरकार की भूमिका और नीति ऐसी ही होती है।

भारत विरोधी दुश्मनों की कई साजिशें भी होगी नाकाम। खासकर चीन और पाकिस्तान की सीमा पर हमारी सैनिक शक्ति को मजबूती मिलेगी। चन्द्रयान तीन चीन और पाकिस्तान की सीमा पर गतिविधियों को पकड़ने में भी भूमिका नहीं सकता है। चीन ने सीमा पर भारतीय सैनिकों की गतिविधियों को पकड़ने के लिए 72 मिलिटरी सेटेलाइट छोड़ रखे हैं। चीन और पाकिस्तान हमारी सीमा पर हिंसक गतिविधियां किस प्रकार से सक्रिय रखते हैं, यह बताने की जरूरत है।

चन्द्रयान तीन की सफलता ने हमें गर्व भरे क्षण उपलब्ध कराये हैं। इस गर्व के क्षण को सभी भारतीयों को महसूस करना चाहिए। विखंडनकारी शक्तियां राष्टभक्ति के सामने पराजित ही होती हैं। चन्द्रयान तीन ने भारत विरोधियों को आईना दिखाया है। दुनिया की कोई हिंसक और अराजक शक्ति अब भारत को आंख नहीं दिखा सकता है। अब दुनिया को भारत की बढ़ती हुई अंतरिक्ष शक्ति और विश्व गुरू की भूमिका को स्वीकार करना ही होगा।

सफलता ,असफलता जीवन के दो अहम पहलू' आत्मविश्वास का दामन ना छोड़े'

असफलता को झेलने के लिए आत्मविश्वास की परम आवश्यकता होती है 'असफलता ऐसा स्वाद है जिसे हर व्यक्ति ने जीवन में कभी ना कभी जरूर चखा होगा। असफल होने से निराश होने की आवश्यकता नहीं है। महापुरुषों ने कहा है कि असफलता यह दशार्ती है कि आपने प्रयास पूरे मन से नहीं किया है अतः असफलता के बाद सफलता के लक्ष्य को निर्धारित कर पूर्ण मनोयोग से कर्म की वेदी पर अपना शीश नवाना चाहिए। जीवन में असफलता किसी लक्ष्य को स्थापित करने का ही परिणाम है, इसीलिए इसे बड़े ही सौजन्यता से, सहज तरीके से आत्मसात करना चाहिए। सकारात्मक तरीके से आत्मविश्वास के साथ स्वीकार की गई असफलता मनुष्य को बड़े लक्ष्य की ओर प्रयास करने के लिए संकेत देती है। बिना असफलता के सफलता कोई भी स्वाद नहीं देती है। असफलता के बाद ही सफलता के के लिए किए गए प्रयासों का महत्त्व मनुष्य को अपने जीवन में पता लगता है। शायर फैज अहमद फैज ने कहा है : दिल ना उम्मीद तो नहीं नाकाम ही तो है, लंबी है गम की शाम मगर शाम ही तो है।

असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और यह सामान्य मानवीय कृत्य भी है। असफल होने के कारणों का पता लगाकर सफलता के लिए प्रयास हमेशा हमें दोगुना कर देना चाहिए। यह भी जरूरी नहीं है कि एक बार सफल होने के बाद मनुष्य सदैव सफल ही होता रहे इसके लिए मनुष्य को लगातार चिंतनशील, आत्म विश्वासी, साहसी और सतर्क होना पड़ेगा। सफल होने के लिए हमें हमेशा हुनरवान होना होगा जिससे इसी हुनर से हमें सफलता का स्वाद चखने का मौका मिलेगा। यह सर्वविदित सच्चाई है कि हमें सफलता के लिये साहस और हुनर का उपयोग कर सदैव अग्रसर होते रहना होगा। सफलता एक लक्ष्य और उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सदैव सफलता की सीढ़ी चढ़कर हमें वहां पहुंचने की आवश्यकता है।

आत्मविश्वास का अर्थ शक्ति और ऊर्जा तो है और यह संपूर्ण रूप से हमारे प्रयासों हमारे संकल्प और साहब से जुड़ा हुआ प्रतिफल भी है। आज भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश है। हमारे देश के लाखों, करोड़ों युवाओं का जीवन लक्ष्य हीन है वे बहुत सारी इच्छाएं और महत्वकांक्षी रखते तो हैं पर उसके पीछे कड़ी मेहनत पक्का इरादा नहीं रखने की भूल कर देते हैं और यही कारण है कि वे जीवन में इधर उधर भटक कर अत्यंत निराश होकर अपने जीवन को नशे और अन्य निराशाजनक मार्ग को अपना लेते हैं। प्रयास तथा कठिन परिश्रम की कमी ही युवा वर्ग की भटकाव की स्थिति की परिणति है।

सामयिकी

चंद्रयान की सफलता के पीछे वैज्ञानिकों की मेहनत व दुआओं का असर

हम भारतीयों के लिए धर्म प्रधान है।आस्थाएं सर्वोपरि हैं।ईश्वर सबसे बड़ा है।विज्ञान ईश्वर को नही मानता पर भारत के निवासी ही नही भारत के वैज्ञानिक भी ईश्वर को मानते हैं। प्रत्येक अच्छा कार्य करने से पूर्व कार्य की सफलता के लिए सब ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। अपने कार्य की सफलता के लिए आशीर्वाद भी लेते हैं।ऐसा ही चंद्रयान के साथ हुआ।चंद्रयान छोड़ने से पूर्व ईश्वर से इसकी सफलता के लिए प्रार्थना की गई तो चंद्रयान के चांद पर सफलतापूर्वक उतरने के लिए उतरने के अंतिम दिन 23 अगस्त को पूरे देश ने सामूहिक प्रार्थना की।किसी ने हवन किया।किसी से पूजन। अनेक व्यक्तियों ने दुआएं की।भारत का चंद्रयान-3 चांद पर सफलतापूर्वक उतर गया।चंद्रयान तीन की सफलता को क्या माना जाए।विज्ञान की कामयाबी,प्रभु की कृपा दुनिया भर में बसे भारतीयों की दुआ का असर। या चंद्रयान-3 की इस कामयाबी के तीनों का हाथ स्वीकारा जाए।मान लिया जाए कि चंद्रयान के सफलतापूर्वक चांद पर पहुंचने के लिए भारतीय वैज्ञानिकों की मेहनत, ईश्वर की कृपा और भारतीयों की दुआ, सबका मिला - जुला असर रहा। इन्हीं तीन की बदौलत ये कामयाबी की कथा लिखी गई।

अशोक मधुप
वरिष्ठ पत्रकार

भारतीय लोककथाओं का उल्लेख करते हुए जहां पृथ्वी को 'मां' और चंद्रमा को 'मामा' माना जाता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि चंद्रमा को बहुत दूर भी माना जाता है और इसे 'चंदा मामा दूर के' कहा जाता है, लेकिन वह समय दूर नहीं है जब बच्चे कहेंगे 'चंदा मामा एक टूर के' यानी चांद बस एक यात्रा की दूरी पर है।

14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले लगभग 615 करोड़ रुपये की लागत से बने चंद्रयान-3 के पूरे सफर ने पहले दिन से प्रत्येक भारतीय को अपने से जोड़े रखा । दुनिया भर से वैज्ञानिक और करोड़ों लोग टकटकी लगाए इस सफर से लगातार जुड़े रहे।लगभग 41 दिनों की अद्भुत व अविस्मरणीय यात्रा के बाद, 23 अगस्त 2023 का दिन, शाम छह बजकर चार मिनट के आसपास चंद्रयान-3 ने चाँद के साउथ पोल पर सफल लैंडिंग कर विश्वपटल पर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। इसके सफलता के लिए देशवासियों ने इसरो के सभी वैज्ञानिकों, कर्मचारियों के को बधाई दी। भारत की इस सफलता के लिए दुनिया में प्रशंसा हो रही है। 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से यात्रा शुरू करने वाले चंद्रयान-तीन की इसरो ने पृथ्वी से दूर कई बार कक्षाएं बदली थीं। पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया। छह , नौ, चौदह और सोलह अगस्त को कक्षाओं में बदलाव कर यह चंद्रमा के और नजदीक पहुंचा। सत्रह अगस्त को चंद्रयान-तीन के प्रोपल्शन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल अलग-अलग हो गए । लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ा। 18 और 19 अगस्त को दो बार डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) के बाद लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल चाँद की सबसे करीबी कक्षा में पंहुचा । इस असंभव लगने वाली चंद्रयान-तीन की यात्रा को आखिरकार चुनौतियों के बावजूद भी पूरा कर लिया। इस सफलता के इस परियोजना से जुडे वैज्ञानिक जहां खुशी में झूम उठे। वहीं देशवासियों ने कई जगह आतिशबाजी छोड़ी।मिठाई बांटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो शुरू से ही इस अभियान से जुड़े रहे।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आज चंद्रमा की सतह पर चंद्रयान 3 की लैंडिंग देखने के लिए जोहनसबर्ग से दवीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसरो की टीम से जुड़े। सफल लैंडिंग के तुरंत बाद, प्रधानमंत्री ने इसरो की टीम को संबोधित किया और उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने उल्लास से भरे राष्ट्र से कहा, 'यह क्षण अविस्मरणीय, अभूतपूर्व है।....प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों को उद्धृत करते हुए कहा, 'भारत अब चांद पर है!' उन्होंने कहा कि हम अभी नए भारत की पहली उड़ान के साक्षी बने हैं।'

जानकारी

तोपचांची झील : झारखण्ड

तोपचांची झील झारखंड के धनबाद जिले में स्थित बेहद ही खूबसूरत झील है। यह झारखंड की सबसे मशहूर झीलों में से एक है। यहां पर बहुत से टूरिस्ट घूमने के लिए और पिकनिक के लिए आते हैं। यह झील धनबाद रेलवे स्टेशन से केवल 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

अपने शांत वातावरण और खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के लिए तोपचांची झील रांची के सबसे लोकप्रिय दर्शनीय स्थलों में से एक है। समुद्रतल से लगभग 2000 फीट की ऊँचाई पर स्थित तोपचांची झील में आप बोटिंग के साथ साथ अन्य वाटर एक्टिविटी का आनंद भी ले सकते है। इस झील का निर्माण मुख्य रूप से रांची के उपनगरों में पानी की आपूर्ति के लिए किया गया था। इस झील के आस पास स्थित हरे भरे जंगलों, प्राचीन मंदिर और पारसनाथ पहाड़ की खूबसूरती के कारण वर्ष भर पर्यटक यहां आते रहते है। यहां पर पास में पारसनाथ नाम की पहाड़ी भी है और पास में तोपचांची नाम का एक वन्य जीव अभ्यारण भी हैं। पहाड़ी और आसपास के इलाकों पर बेहद ही खूबसूरत जीव-जंतु भी रहते हैं और इनमें से कोई भी जीव हानिकारक नहीं है।वन्य जीव अभ्यारण में आप घूम कर खूबसूरत पक्षियों को देख सकते है। यह एक कृत्रिम झील है लेकिन इसकी खूबसूरती को देखकर प्राकृतिक प्रतीत होती है। झील के पास बहुत से साइबेरियन पक्षी भी रहते हैं आप पक्षियों की मनोरम प्रजातियों को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

बजट सेगमेंट में आया दमदार खिलाड़ी

Realme 11 की भारत में शुरूआती कीमत 14,999 रुपये रखी गई है। स्मार्टफोन की खरीद पर ऑनलाइन रिटेलर Flipkart एक बैंक ऑफर भी दे रहा है, जो शुरूआती ग्राहकों के 1,000 रुपये बचाने में मदद करेगा।

खास बातें : इसमें नया 6nm ऑक्टा-कोर MediaTek Dimensity 6100+ चिपसेट शामिल है

Realme ने बुधवार, 23 अगस्त को अपनी लेटेस्ट 11 सीरीज लॉन्च की , जिसमें मिड-रेंज Realme 11 5G के साथ Realme 11X 5G भी शामिल है। अधिक किफायती 11X 5G स्लीक और लाइटवेट डिजाइन के साथ आता है। नया स्मार्टफोन नए पर्पल डॉन (Purple Dawn) कलर ऑप्शन के साथ आने वाला रियलमी प्रोडक्ट लाइनअप का पहला फोन है। इसके अलावा, स्मार्टफोन में हाल ही में लॉन्च हुआ 6nm ऑक्टा-कोर MediaTek Dimensity 6100+ चिपसेट दिया गया है।

Re lme 11X की भारत में शुरूआती कीमत 14,999 रुपये रखी गई है।

डिजाइन से शुरूआत करें, तो Realme 11X 5G की बॉडी पॉलीकाबोर्नेट से बनी है, लेकिन बैक पैनल की फिनिश ग्लास की तरह लगती है। इसमें पैनल पर रोशनी पड़ने पर ग्लिटर इफेक्ट और 'S' अक्षर के समान लाइन्स दिखाई देती हैं, जिसे कंपनी 'S-curve Gradiant' डिजाइन कहती है। हमारे पास रिव्यू के लिए फोन का पर्पल डॉन कलर वेरिएंट है, जो रोशनी पड़ने पर ब्लू और पर्पल रंद का शेड दिखाता है। अच्छी बात यह है कि रिफ्लेक्टिव पैनल होने के बावजूद इसमें फिंगरप्रिंट दिखाई नहीं देते हैं। रियर पैनल पर एक बड़ा सर्कुलर कैमरा मॉड्यूल है, जिसमें दो कैमरा सेंसर और एक फ्लैश यूनिट शामिल है। Re lme 11X बॉक्सी डिजाइन के साथ आता है। कंपनी इसे 'राइट एंगल बेजल डिजाइन' कहती है, जिसे आरामदायक ग्रिप के लिए तैयार किया गया है। ग्लास फिनिश के बाद भी यह हाथ से ज्यादा फिसलता नहीं है, लेकिन फिर भी यदि आपको जरा भी डर लगे, तो आप फोन के बॉक्स में मिलने वाले ब्लैक टिंटेड सिलिकॉन कवर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

टॉप ट्वीट

मेरे हिंदुस्तानी भाई-बहनों को चंद्रयान- 3 की सफल लैंडिंग के लिए बधाई। आज हमारे पीएम नरेंद्र मोदी जी का सपना पूरा हुआ।

सीमा हैदर
पाकिस्तानी से आयी युवती

यूपी में गठबंधन करने से बीएसपी को फायदे से ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा.... क्योंकि इसके वोट तो गठबंधन सहयोगी को ट्रांसफर हो गए । अतः अकेले चुनाव लड़ेगी।

मायावती
बीएसपी प्रमुख

संपादक के नाम पत्र

वैज्ञानिकों की उपलब्धि असाधारण,जश्न में डूबा भारत

चांद के दक्षिण ध्रुव पर चन्द्रयान -3 की लैंडिंग के बाद भारत ने इतनी बड़ी खुशी कभी नही देखी होगी।जितनी इस बार देखने को मिली है।भारत माता के जयकारों से गली मोहल्लों में जश्न का माहौल है।चन्द्रयान मिशन टॉक ऑफ टाउन हो गया है।चौक चौराहो पर चन्द्रयान 3 की सफलता की बात होती सुनाई दे रही है।बड़े,बच्चे और वृद्ध की जुबान पर चन्द्रयान की बात है।।यह भारत के वैज्ञानिकों की अथक मेहनत रंग लाई है जिसका श्रेय वैज्ञानिकों को जाता है।मोदी ने इस कामयाबी पर इसरो को बधाई देते हुए भारत के 140 करोड़ लोगों को भी चन्द्रयान 3 की लैंडिंग की सफलता पर बधाइयां दी।विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर जानकारी भेजेंगे।रोवर जानकारी उपलब्ध कराने के बाद चन्दमा की सतह पर जीवन की संभावना की जानकारी हासिल हो सकेगी।चन्द्रयान मिशन भारत की इस उपलब्धि से दुनिया नतमस्तक हो चुकी है।भारत की इमेज और मोदी की लोकप्रियता में चार चांद लग गया है।चंदामामा दूर के इस अवधारणा को वैज्ञानिकों ने मन मे पलने वाले भ्रम को तोड़कर भारत को प्रसिद्धि दिलाई है।सौर मंडल के राज खोंलने में चन्द्रयान की अहम भूमिका रहेगी। भारत को दुनिया का ध्रुव तारा करार दिया जा रहा है।पश्चिमी देशों की दृष्टि पूर्व की तरफ है।दुनिया भारत के पांव पखारने के लिए लालायित है।हर मिशन की कामयाबी महान संस्कृति की परिचायक है।जिसका दुनिया ने माना है।भारत को गरीब और बेचारा देश समझने वाली सरकारों के गाल पर करारा तमाचा है।दुनिया मे भारत की रोशनी बढ़ रही है।यह कामयाबी देशवासियों की है। कांतिलाल मांडोत

स्वस्तिक मीडिया वेंचर्स प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक और प्रकाशक रजत कुमार गुप्ता द्वारा वृंदा मीडिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि., चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची से मुद्रित और एचआई 254, हरमू बाईपास रोड, हरमू हाउसिंग कालोनी, रांची से प्रकाशित। सम्पादक - रजत कुमार गुप्ता
RNI No- JHAHIN/ 2008/ 26373, email-rastriyakhabarhn@gmail.com, www.rashtriyakhabar.com, Phone No. 0651-2244605, 2244505

शहर ›› अपडेट

डेंगू का मरीज मिला

हजारीबाग : जिला के शहरी क्षेत्र के सिरसी निवासी मानषी कुमारी पिता सुमन कुमार शाह आयु 21 वर्ष जो लगभग दो माह पूर्व कोलकाता में अध्ययन हेतु गयी थी वहां उनकी तबियत अचानक खराब होने के कारण वे अपने निवास स्थान सिरसी पहुंची जहां डॉ आईके सिन्हा से इलाज करवायी। गरीज की स्थिति को देखते हुए उनका रक्त नमूना जांच हेतु शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डीपीएचएल प्रयोगशाला भेजा गया।

सिटी अपडेट्स ››

प्रखण्ड कार्यालय में भाजपा का बैठक, संकल्प यात्रा को सफल बनाने का निर्णय

चौपारण : चौपारण आगामी चार सितंबर को बरही प्रखण्ड मैदान में प्रस्तावित संकल्प यात्रा को सफल बनाने के लिए प्रखण्ड भाजपा कार्यालय चौपारण में बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुख्यरूप से बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव उपस्थिति हुए। कार्यक्रम की अगुवाई भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश सहाय व संचालन मंडल अध्यक्ष मुकेश सिन्हा ने किया। बैठक को सम्बोधित हुए पूर्व विधायक ने चंद्रायन 3 के सफल लैंडिंग के लिए इशरो के वैज्ञानिकों को बधाई दिया। कहा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आदरणीय बाबुलाल मरांडी का आगमन बरही विधानसभा कि धरती पर हो रहा है। उनके स्वागत व उनके संदेश को सुनने के लिए भाजपा के एक एक कार्यकर्ताओ को सभा स्थल तक लाना हैं। पूर्व विधायक ने कहा कि बरही विधानसभा में पार्टी द्वारा निर्धारित हरेक कार्यक्रमो को सफल बनाने में पार्टी के कार्यकताओं ने अहम योगदान निभाया।बैठक में उपस्थित,,भाजपा उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, रामस्वरुफ पासवान, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद, महामंत्री आशीष सिंह, कृष्णा साहू, उपाध्यक्ष मनीष सिन्हा, मुखिया मंटू सिंह, पप्पू रजक, भाजपा नेता सतेंद्र सिंह, दिलीप सिंह सहित अन्य।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

कर्णपुरा महाविद्यालय तुलसीदास की मनायी गई जयंति

हजारीबाग : हजारीबाग कर्णपुरा महाविद्यालय, बड़कागांव में विभाग -हिंदी के तत्वाधान में गोस्वामी तुलसीदास की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य कीर्तिनाथ महतो ने की। इन्होंने कहा कि तुलसीदास संस्कृत के महान विद्वान थे, इन्होंने रामचरितमानस की रचना की । यह चाहते थे कि राम की कहानी आम जनता के लिए सुलभ हो ।आयोजक हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो0 अनु कुमारी एवं हिंदी विभाग की प्रो0 ललिता कुमारी ने की। कार्यक्रम की शुरूआत तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण प्राचार्य के द्वारा एवं छात्र -छात्राओं के के द्वारा किया गया विद्यार्थियों ने अपने-अपने विचार रखें। प्रो .अनु कुमारी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास वैष्णव हिंदू संत और भक्तिकाल के सगुण भक्ति धारा के रामभक्ति शाखा के प्रमुख महाकवि थे, इन्होंने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन, लेखन संसार, उनके विचार एवं रचनाओं पर प्रकाश डाला। प्रो0 ललिता कुमारी ने कहा कि तुलसीदास को उनके साहित्यिक कार्यों विशेष रूप से महाकाव्य रामचरितमानस के लिए जाना जाता है। हनुमान चालीसा के रचयिता का श्रेय गोस्वामी तुलसीदास को जाता है, साथ ही जीवन एवं रचनाओं को व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 चंद्रशेखर राणा ने किया कार्यक्रम में पूर्व प्रभारी प्राचार्य ज्योति जलधर, प्रो0 निरंजन प्रसाद नीरज, प्रो0 सुरेश महतो,प्रो0 फजरुद्धीन , प्रो0 नरेश कुमार दांगी,प्रो0 ऋतुराज ,प्रो0 रंजीत प्रसाद,प्रो0 लालदेव महतो, प्रो0 रामकिशोर दांगी एवं छात्र-छात्राओं में राहुल, धिरंजन, दिलचंद, सचिन, मनीषा, पूनम, खुशबू, सुनीता आदि उपस्थित थे।

समीक्षा

हजारीबाग उपायुक्त नैंसी सहाय ने राजस्व विभाग की समीक्षा

म्यूटेशन के लंबित मामलों का निपटारा शीघ्र करें

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में हुई। बैठक में म्यूटेशन, ई कोर्ट,ई केवाईसी, पोटो हो खेल योजना, जमीन मापी, मुआवजा संबंधी मामलों की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने 90 दिनों से ज्यादा म्यूटेशन के लंबित मामलों को समय पर निष्पादित करने का निर्देश दिया। म्यूटेशन के अत्यधिक लंबित वाले प्रखंडों के अंचलाधिकारियों को गंभीरता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम जनता से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निष्पादित करने का निर्देश दिया।

आधारभूत संरचना से संबंधित परियोजना में भूमि अधिग्रहण कानून के तहत प्रभावितों को मिलने वाली भूमि व निर्मित मकानों, दुकानों का मुआवजा राशि सहित वन विभाग से एनओसी के लिए प्रक्रिया संपन्न करने के लिए संबंधित एजेंसी,अंचल कार्यालय की ओर से पहल कर परियोजना को समय पर पूरा करने एवं भूमि सुधार उपसमाहर्ता को अवॉर्ड रैयतों का मुआवजा राशि भुगतान के लिए निर्देशित किया गया। इसके अलावा भारतमाला परियोजना,पथ निर्माण, संचरण आदि परियोजनाओं के लिए भू अर्जन सहित रैयतों को मिलने वाली मुआवजा राशि भुगतान की स्थिति की समीक्षा की गई।

उन्होंने मोइत्रा कोल ब्लॉक, एनएमडीसी, डीएफसीसीआईएल, अडानी, सीसीएल, डीएवी, सीसीएल(बड़का सयाल) आदि कंपनियों के समस्याओं को सुना। एनएचएआई की समीक्षा बैठक उपायुक्त ने एनएचएआई की समीक्षा के क्रम में भारतमाला परियोजना को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि परियोजना के अंर्तगत चुरचू,कटकमदाग, डाड़ी व सदर के पांच गांव के रैयतों का 3जी अवार्ड का वेरिफिकेशन कर मुआवजा संबंधी कारवाई करने का निर्देश दिया।

साथ ही संबंधित प्रखंड के सीओ को इस परियोजना हेतू सहयोग करने का निर्देश दिया। बरही बेंदगी में अधिग्रहित जमीन के मुआवजा संबंधी वैल्यूएशन रिपोर्ट भू अर्जन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए जाने की जानकारी दी।

एनटीपीसी कोयला खनन परियोजना से संबंधित भू अर्जन मामलों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में एनटीपीसी बड़कागांव, केरेडारी, बादाम, चट्टीबरियातू आदि परियोजना के लिए भुअर्जन की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने कहा कोल कंपनी तत्परता से प्रोजेक्ट प्रारंभ करें। उपायुक्त ने कंपनी को अधिग्रहित भूमि पर यथाशीघ्र कारवाई करते हुए काम शुरू करने पर बल दिया। ज़िला प्रशासन हरसंभव सहायता करने के लिए तत्पर है। रैयतों को भूमि अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा देने, रैयतों की पहचान सुनिश्चित करने आदि में स्थानीय प्रशासन से कंपनियां बेहतर समन्वय बनाकर काम करे साथ ही भू अर्जन से संबंधित मामलों के तेजी से निस्पादन के लिए विभिन्न स्तर या सक्षम प्राधिकार के यहां केस की मॉनिटरिंग/ फॉलोअप कंपनी के अधिकृत अधिकारी के माध्यम से भी सुनिश्चित किया जाए। सर्वे के बाद भी लोगों के द्वारा अवैध तरीके से निर्माण कार्य की रोकथाम के लिए ड्रोन सर्वे कर स्थानीय प्रशासन की मदद से डिमोलिश सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त के अलावे, अपर समाहर्ता राकेश रोशन, प्रशिक्षु आईएएस सुलोचना मीणा, एसडीओ विधा भूषण कुमार, डीएलएओ निर्भय कुमार, बरही एसडीओ पूनम कुजूर, बरही डीसीएलआर, सभी अंचलाधिकारी, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

न्यूज फटाफट

नर्सिंग कॉलेज निर्माण को लेकर भूमि पूजन संपन्न

इचाक : इचाक अंबेडकर नगर स्थित प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज निर्माण का भूमि पूजन गुरुवार को संपन्न हुआ। निर्देशक लखन कुमार मेहता एवं उनकी पत्नी मालती देवी ने संपूर्ण पूजन विधि संपन्न कराया जबकि गोविंद मिश्रा ने वैदिक मंत्रोचार के बीच भूमि पूजन का विधान पूर्ण की निर्देशक लखन कुमार मेहता ने बताया कि 20000 स्क्वायर फीट में पांच मंजिला नर्सिंग कॉलेज बिल्डिंग बनने का प्रस्ताव है वर्तमान में नर्सिंग में एडमिशन जारी है ।जबकि बीएससी नर्सिंग का नामांकन अगले वर्ष से लिया जाएगा वर्तमान में नर्सिंग की पढ़ाई मतवारी में कराई जा रही है भवन निर्माण पूरा होते ही अंबेडकर नगर स्थानांतरित किया जाएगा इस अवसर पर डॉ अजय कुमार ,नीलू मेहता ,रंजन कुमार, भाजपा नेता बटेश्वर मेहता, समाजसेवी संजय अग्रवाल, सुनील कुमार, देवनारायण प्रसाद मेहता ,जदयू के प्रदेश महासचिव अर्जुन कुमार मेहता ,बीरबल मेहता, बैजनाथ मेहता ,अजय मेहता , प्राचार्य दीपक पांडे, कांग्रेस के लालमोहन रविदास, भरत शर्मा ,उदित गुप्ता के अलावा कई लोग मौजूद थे।

प्रखंड कार्यालय में किसानों के बीच मक्का बीज का वितरण

इचाक : इचाक कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधक अभिकरण आत्मा हजारीबाग के द्वारा इचाक के कृषक के बीच खरीफ फसल मक्का बीजा का वितरण क्या गया। दो क्विंटल मक्का बीज का वितरण किया गया। आत्मा हजारीबाग एन एफ एस एम योजना अंतर्गत द्वारा प्राप्त मक्का बीज किसानों को मोटे अनाज का बढ़ावा देने के लिए एवं सुखय को देखते हुए यह खेती उपयुक्त है। जिस खेत में रोपा नहीं हुआ है उसे खेत में मक्का अभी लगा सकते हैं। इस वितरण समारोह में मुख्य रूप से 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष मनोहर राम, वीडिओ रिंकू कुमारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी विनोद कुमार रवि, बिटीएम पुष्पा कुमारी, कृषक मित्र संघ के प्रखंड अध्यक्ष दिगम्बर कुमार मेहता, कृषक मित्र भारत मेहता, सुरेंद्र मेहता, तुलेश्वर महतो उर्फ अशोक मेहता, सौरभ कुमार, संतोष कुशवाहा, भेखलाल मेहता, अनिल साव, पुष्पा देवी, किसान सुरेंद्र मेहता, संदीप मेहता मौजूद रहे ।20 सुत्री प्रखंड अध्यक्ष मनोहर राम ने कहा सरकार का महत्व काक्षी योजन है सभी कृषक लाभ लें। योजना बहुत उपयोगी योजना है किसान लाभान्वित हो रहे हैं।

बारिश का पानी घर में घुसा, कई सामान हुआ खराब

हजारीबाग : दो दिनों से लगातार बारिश होने से एक घर में लगभग तीन फीट तक पानी घुस गया। बताते चले कि सदर प्रखंड के जसवंत नगर गली नंबर एक में दो दिनों से लगातार बारिश होने से एक घर में पानी घुस गया। वही घर मालिक मुकेश कुमार पिता बालेश्वर महतो ने बताया कि मंगलवार और बुधवार की रात्रि में इतने अधिक बारिश हुई की मेरे घर में पूरा पानी घुस गया। तभी मैं बुधवार की रात्रि में सो रहा था जब मेरा बेड बिंघा तो मेरी नींद खुल गई तो देखा कि पूरा घर में लगभग तीन फीट तक बारिश का पानी घुस गया है, जिससे मेरा सारा सामग्री पानी से खराब हो गया। उन्होंने आगे बताया कि उसके बाद से मैं पूरा रात जगा रहा। मैं एक गरीब परिवार से आता हु मै अकेला इस घर में रह कर पढ़ाई करता हु और मैं सरकारी नौकरी के लिए तैयारी कर रहा हु। घर मालिक मुकेश कुमार ने बताया कि नाली नही होने के कारण अगल- बगल का पानी सारा मेरे घर से होकर ही जाता है। जिससे मेरे घर में पानी घुस गया। वही जसवंत नगर के गली नंबर दो के भी सारे मुहल्लेवासी इस नाली के पानी से प्रभावित है। आगे उन्होंने कहा मेरा घर कार्केट शीट का है। आगे उन्होंने यह भी बोला कि मुझे हमेशा गर्मी हो या बरसात में डर लगा रहता है कि कही कुछ मेरे साथ अनहोनी न हो जाय। वही उन्होंने जिला प्रशासन से नाली निर्माण के लिए मदद की गुहार लगाई है।

चंद्रयान-3 सफलतापूर्वक लैडिंग को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

पीरटांड़: मधुबन स्थित जेजे पब्लिक स्कूल में गुरुवार को शिक्षको एवं बच्चों के द्वारा चंद्रयान - 3 के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक लैडिंग कराने के लिए भारतीय वैज्ञानिकों एवं सभी इंजीनियरों को स्कूल के शिक्षक एवं छात्रो ने बधाई दी।साथ ही स्कूल में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसमें छात्रों ने राष्ट्रीय गान गा एवं अन्य देशभक्ति गीत को प्रस्तुति किया। वही कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित तरुण रजक, पंकज कुमार, सोनाली कुमारी, अंजू कुमारी, सियालक्ष्मी , अरूण रजक आदि लोग मौजूद थे।

श्वेतांबर मत से गुरुवार को चढ़ाया गया निर्वाण लड्डू

पीरटांड़: जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मधुबन के पारसनाथ पर्वत स्थित भगवान पार्श्वनाथ के मोक्षस्थली स्वर्ण भद्र कूट में गुरुवार को श्वेतांबर मतावलंबियों की ओर से निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। यहां यह बता दें की दिगंबर मत से बुधवार को मोक्ष सप्तमी के प्रातः निर्माण लाडू चढ़ाया गया, वहीं श्वेतांबर संप्रदाय की ओर से अष्टमी प्रातः को निर्माण लड्डू चढ़ाया जाता है। इस अवसर पर पारसनाथ टोंक पर बुधवार रात्रि जागरण का आयोजन किया गया जिसमें मधुबन मंडल कोलकाता मंडल एवं मुंबई मंडल के कलाकारों ने भजन कीर्तन में भाग लिया। रात भर एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए गए जहां सैकड़ो की संख्या में तीर्थ यात्रियों ने श्रद्धा भक्ति के साथ जागरण में भाग लिया। जैन श्वेतांबर सोसायटी के उप प्रबंधक संजीव पांडेय ने बताया कि मोक्ष सप्तमी के शुभ अवसर पर पर्वत स्थित जल मंदिर में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एक कार्यालय एवं पूजा स्नान घर का उद्घाटन जैन श्वेतांबर सोसायटी के अध्यक्ष कमल सिंह जी रामपुरिया के हाथों किया गया।

चमेली झरना से युवक युवती का शव बरामद

राष्ट्रीय खबर

इचाकः इचाक पदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत चमेली झरना में तैरता हुआ युवक युवती की शव पुलिस ने बरामद किया है। मृतकों की पहचान नहीं हो सका है। करण की शव पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण शव को पूरी तरह से पहचान नहीं किया जा रहा था। चमेली झरना में तैरता हुआ शव को देख आसपास के लोगों ने पदमा पुलिस को सूचना दिया जिसके बाद पदमा थाना प्रभारी शिवदयाल सिंह बुधवार रात को घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शव को निकलवाने की कोशिश में जुट गए। लोगों के सहयोग से दोनो तैरता शव को निकल गया। इस दौरान गुरुवार की सुबह घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में पहुंचे इचाक थाना के एसआई मनोज कुमार राणा दलबल के साथ चमेली झरना पहुंचे। दोनों थाना के पुलिस पदाधिकारी की मौजूदगी में शवों के पंचनामा कर मुर्दा कल्याण समिति के सदस्यों के सहयोग से पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेजा गया। शवो की पहचान नहीं हो सका है। युवती काला रंग का जींस और गुलाबी शर्ट पहने हुए हैं जबकि युवक कला जींस और शर्ट पहना हुआ है दोनों की उम्र 16 से 21 वर्ष के करीब आंकी जा रही है।

जामनगर निवासी ने उपायुक्त एवं एसपी से लगायी गुहार

मंदिर की जमीन को हड़पने का हो रहा है प्रयास

राष्ट्रीय खबर

साहिबगंजः जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत जामनगर निवासी देवेंद्र गोस्वामी की पत्नी काजल देवी ने उपायुक्त एवं एसपी को अलग-अलग आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। दिए गए आवेदन में कहा गया है कि उनके परदादा ससुर लाल जी गोस्वामी जामनगर स्थित राधा कृष्ण ठाकुर बाड़ी के शिबायत थे। पर्चा में उनके नाम से मौजा - जामनगर, जमाबंदी नंबर 529, दाग नंबर - 80, रखवा 1 बीघा 16 कट्ठा 18 धू, दखल नीज रैयत दाग नंबर 81 रखवा पांच कट्ठा 9 धुर, ठाकुरबारी कल रखवा दो बीघा 2 कट्ठा 7 धुर तर्ज है।

उक्त मंदिर का पूजा पाठ हुए लोग अपने खर्चे से करते आ रहे हैं। वर्तमान में इस संपत्ति को हड़पने की नीयत से उन लोगों से वहां के कुछ लोगों ने पहले मारपीट की और फिर झूठा आरोप लगाकर उन लोगों के खिलाफ राजमल थाना में प्राथमिक की दर्ज कराया है जो बेबुनियाद है। काजल देवी ने आवेदन के साथ जमीन का कागजात एवं दर्ज प्राथमिक की छाया प्रति जमा करते हुए मामले की उचित जांच करवा कर न्याय दिलाने का आग्रह किया है। इधर मामले को लेकर एनसीपी के जिला अध्यक्ष अर्जुन कर्मकार ने भी उपयुक्त एवं एसपी से मामले की उचित जांच करवा कर न्याय दिलाने का आग्रह किया है। कहा है कि जब उसने प्रीत को न्याय दिलाने के लिए राजमल थाना पुलिस प्रशासन से आगरा किया तो मामले में उसे भी घसीट कर विरोधी पक्ष ने प्राथमिक की में उसका नाम भी दर्ज करवा दिया है।

डेंटल अस्पताल में सतत दंत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स विभाग ने शोफू डेंटल इंडिया के सहयोग से डायरेक्ट एन्टीरियर एस्थेटिक्स - शुरू से अंत तक विषय पर एक सतत दंत चिकित्सा शिक्षा (सीडीई) कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बैंगलोर वक्ता डॉ आदिल अब्दुल्ला शामिल हुए। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दंत चिकित्सा पेशेवरों को पूर्वकाल के दांतों की बहाली में सौंदर्य उत्कृष्टता प्राप्त करने में कंपोजिट का उपयोग करने की नवीनतम तकनीकों की व्यापक समझ प्रदान किया गया। कार्यक्रम में सभी विभागों के बड़ी संख्या में छात्र प्रतिभागियों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड हॉस्पिटल के सचिव डॉ प्रवीण श्रीनिवास, डेंटल काउंसिल सीडीई पर्यवेक्षक डॉ राजीव कुमार की उपस्थिति में आयोजित किया गया। मौके पर प्राचार्य डॉ के श्रीकृष्ण, उप प्राचार्य डॉ अंकुर भार्गव, कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स के विभागाध्यक्ष डॉ. अतुल जैन एवं सभी विभागों के अन्य प्रमुख व कर्मचारी शामिल थे। यह कार्यक्रम सभी छात्रों और दंत चिकित्सा पेशेवरों के लिए सौंदर्य दंत चिकित्सा के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में अपने ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए एक मूल्यवान मंच साबित हुआ। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष पूर्वकाल पुनर्स्थापनों की समग्र समझ प्रदान करके और उन्हें अपने रोगियों के लिए बेहतर सौंदर्य परिणाम देने के लिए उपकरणों से लैस करके अपने उद्देश्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया। आकर्षक व्याख्यान, व्यावहारिक कार्यशालायें और इंटरैक्टिव चचाओं ने सभी उपस्थित लोगों के लिए एक पुरस्कृत सीखने का अनुभव प्रदान किया। कंजर्वेटिव और दंत चिकित्सा विभाग और एंडोडोंटिक्स प्रोफेसर डॉ दीपक कुरुप, सीनियर व्यख्याता डॉ शाज़िया महरीन एवं वरिष्ठ व्यख्याता डॉ0 रितु राज ने स्नातकोत्तर छात्रों के साथ पर्दे के पीछे के अथक परिश्रम से यह सुनिश्चित किया कि उपस्थित लोगों को पूरे आयोजन के दौरान सार्थक और समृद्ध अनुभव जैसे ही कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बीडीओ ने विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय खबर

पीरटांड़: पीरटांड़ प्रखंड बीडीओ मनोज कुमार मुर्मू ने गुरुवार को भारती चलकारी पंचायत में सरकार द्वारा चल रहे विभिन्न योजनाओं का जांच किया।वही भारती चलकारी पंचायत के बनासो में बन रहे डाढ़ी निर्माण, कुआँ निर्माण एवं चबूतरा निर्माण का औचक निरीक्षण कर अधिकारियों एवं कर्मी को निर्देश देते हुए कहा कि कार्य मे किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होनी चहिर। साथ ही गुणवत्ता में कोई कमी नही आनी चाहिए। जिसके बाद जाँच के क्रम में बीडीओ ने भारती चलकारी पंचायत में चल रहे कई बीएलओ द्वारा किए कार्य का भी साथ में हर घर जाकर के सर्वे किया।ओर उपस्थित बीएलओ को आवश्यक दिशानिर्देश दिया।

आयोजन

नमो फुटबॉल टूनार्मेंट-2023 के आयोजन को लेकर बनायी गयी

ग्रामीण खिलाड़ियों को बेहतर मंच प्रदान कराना टूनार्मेंट का उद्देश्यः मनीष

विधायक ने रोड शो के दौरान बड़कागांव चौक पर स्थित काली मंदिर में माथा टेका

राष्ट्रीय खबर

हजारीबाग : हजारीबाग नमो फुटबॉल टूनार्मेंट-2023 के विस्तार को लेकर गुरुवार को हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने बड़कागांव प्रखंड का दौरा किया। विधायक मनीष जायसवाल के बड़कागांव पहुंचने पर स्थानीय रेंज ऑफिस चौक के समीप पारंपरिक परिधान से लैस होकर गाजे- बाजे और ढोल-ताशे के साथ नृत्य- संगीत करते हुए फूल माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर अभूतपूर्व स्वागत किया। यहां से नाचते-झूमते और नारा- जयकारा लगाते हुए सैकड़ों लोगों के जत्थे के साथ रोड शो करते हुए उन्हें बड़कागांव पश्चिमी पंचायत भवन सभागार तक पहुंचाया गया जहां भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय खेल प्रेमियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। यहां विधायक मनीष जायसवाल ने नमो फुटबॉल टूनार्मेंट-2023 के आयोजन को लेकर विशेष रणनीति बनाई। इससे पूर्व विधायक मनीष जायसवाल ने रोड शो के दौरान बड़कागांव चौक पर स्थित काली मंदिर में माथा टेका एवं संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ.भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान साथ चल रहें भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों के हाथों में भाजपा झंडे के साथ चंद्रयान- 3 के सफलता को लेकर सफेद रंग में चांद पर चंद्रयान की तस्वीर से लैस इसरो पर गर्व करने संबंधी स्लोगन से युक्त झण्डे लहरा रहे थे। नमो फुटबॉल टूनार्मेंट- 2023 के आयोजन के विस्तार को लेकर बड़कागांव में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए हजारीबाग विधायक मनीष सहसवान ने कहा कि नमो फुटबॉल टूनार्मेंट का उद्देश्य ग्रामीण खिलाड़ियों को एक बेहतर मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारना और निचले स्तर तक भारतीय जनता पार्टी के संगठन को मजबूत करना है। इस टूनार्मेंट का नाम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखा गया है और इसका संचालन भारतीय जनता पार्टी के मंडल स्तर के कार्यकताओं द्वारा बनाए गए एक संचालन समिति के माध्यम से होता है। मौके पर विशेषरूप से बड़कागांव के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, भाजपा नेता अनिल मिश्रा, मुकुटधारी महतो, जयनारायण प्रसाद, जुगनू सिंह, बचनदेव कुमार, कृष्णा राम, कैलाश साव, बैजनाथ साव, भीखन महतो, पारस नाथ महतो, पुष्कर अग्रवाल, रणजीत कुमार, उमेश कुमार दांगी, उपेंद्र प्रसाद, सरोज सोनी, नरसिंह प्रसाद, श्रीकांत निराला, ज्ञानेश्वर शर्मा, बेचन साव, अवधेश मिश्रा, विजय यादव, विनोद महतो, सुमन गिरी, स्वरूप महतो, राजेश यादव, भागीरथ ठाकुर, भवानी प्रसाद, विधायक मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

कई विवादों से जुड़ गया है सुपर कॉप का नाम

महकमें में चर्चा डीजीपी भट्टी ही कर रहे हैं अमित लोढ़ा को मदद?

- किट्टी नोमानी करता था विदेश भ्रमण का इंतजाम
- पासपोर्ट नवीकरण गया में किसके सहयोग से हुआ
- सीएम की पुनर्समीक्षा का निर्देश सवालों के घेरे में

दीपक नौरंगी

भागलपुर: पुलिस मुख्यालय में बैठे अधिकारी अपने सहयोगी अमित लोढ़ा को बचाने में जी जान से जुट गए हैं। इस मामले में कमजोर वर्ग के अपर पुलिस महानिदेशक अनिल किशोर यादव की रिपोर्ट पर फिर से समीक्षा करने का आदेश जारी कर दिया गया है। उसके बाद यह चर्चा आईएएस और आईपीएस महकमें यह चर्चा होने लगी कि बिना डीजीपी के सहयोग के बिना अमित लोढ़ा को मदद नहीं हो सकती है। इस आदेश को लेकर पुलिस मुख्यालय में तरह-तरह की चचाएं हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की भी नजर इस मामले पर है या नहीं यह कहना कठिन होगा। सूत्रों का कहना है कि गया में किट्टी निमानी का दबदबा एवं प्रभाव काफी जबरदस्त माना जाता था। उसने पुलिस पदाधिकारी को अपने प्रभाव में लेकर कई उल्टे सीधे काम करवाएं। 2012 में जब थाईलैंड की प्रधानमंत्री गया आये तो नॉमिनी उसके साथ-साथ घूमते हुए नजर आया था। जिसे उसके प्रभाव का अंदाजा इस और आईएएस और आईपीएस को लग गया कि कितना प्रभावशाली है।

लेकिन हैरानी इस बात को लेकर निमानी पाकिस्तान में जन्मे थे लेकिन अपनी ऊंची पहुंच और रसूख की वजह से उन्होंने थाईलैंड की नागरिकता प्राप्त कर ली। इस दौरान गया जिला में वह कई आईएएस और आईपीएस पदाधिकारी के संपर्क में आए। पदाधिकारी को उपकृत करने के लिए निमानी थाईलैंड की सैर करवाते थे। अधिकारियों को होटल में रहने और गाड़ियों की भी व्यवस्था अपने स्तर से करवाते थे। उनके इस उपकार के बदले गया में अधिकारी उनका हर काम करने को तैयार रहता था। प्रशासनिक पकड़ मजबूत होने के कारण कोई भी साधारण व्यक्ति उनके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं करता था।

गया में कई वर्षों पूर्व जब एसपी गया हुआ करते थे अमित लोढ़ा भी किटी नोमानी के संपर्क में आए। और लंबे वर्षों के बाद जब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे तो उनकी पोस्टिंग गया आईजी में हो जाती है उसके बाद विवादों का दौर शुरू हो जाता है लेकिन देश में बड़ी-बड़ी जांच एजेंसी है यह मालूम करें किट्टी नोमिनी की गया जिला में कितनी संपत्ति है और गया जिला में उसने कितनी बार अपना पासपोर्ट बनाया है और कितने लोगों के साथ मिलकर जमीन का अवैध कारोबार हुआ क्यों कर रहा था। कौन सी कंपनी और संस्था व गया जिला में बनाना चाहता था कई अहम और गंभीर बिंदु है। फिर

पुलिस ने पासपोर्ट के मामले में जांच रिपोर्ट में अपने अंतिम अनुसंधान क्या दिया है। इस पर आईबी और सीबीआई के अधिकारियों को गहराइयों से ध्यान देना होगा तभी कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं। आखिर वर्तमान में सरदार पटेल भवन के किस वरीय पदाधिकारी के कहने पर पूर्व एडीजी कमजोर वर्ग अनिल किशोर यादव के मामले में दी गई जांच रिपोर्ट का उन्हें समीक्षा का निर्देश दिया गया आखिर पुलिस मुख्यालय में वह कौन जिम्मेदार पुलिस अधिकारी है जो इस आदेश को देने के बाद सवालों के घेरे में है मामले को सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए।

मामला जब तूल पकड़ने लगा तो इसकी जांच कमजोर वर्ग के एडीजी अनिल किशोर यादव को सौंप गई। यादव ने अपनी जांच रिपोर्ट में लिखा कि अमित लोढ़ा पर जो भी आरोप लगाए गए हैं वह पूर्ण रूप से सत्य है। अपर पुलिस महानिदेशक की जांच रिपोर्ट जब मुख्यालय को मिली तो पूरे मुख्यालय में भूचाल आ गया। अमित के साथ आईपीएस की सेवा में आए एक अधिकारी उनके बचाव में पूरी तरह सामने आ गए। बताया जाता है अमित लोढ़ा के बैचमेट उन्हें पुलिस मुख्यालय में खुलकर उनका सहयोग करते दिख रहे हैं अधिकारी के बचाव मे मुख्यालय के एक अधिकारी सामने उतर आए। उन्होंने जांच रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए इसकी समीक्षा करने का आदेश जारी कर दिया। फिर से समीक्षा भी हो गई इसका सीधा फायदा जिसे मिलना था मिल गया लेकिन नाजायज और गैर कानूनी तरीका से उन्हें मामले की समीक्षा कर कर दोषी पदाधिकारी को निर्दोष तो नहीं किया गया है। गंभीर बिंदुओं को सरल बनाने की कोशिश पुनः समीक्षा में किए जाने की बात सामने आई है। उक्त जांच रिपोर्ट पर पुलिस मुख्यालय के हर बड़े पुलिस अधिकारियों की नजर बनी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस मामले की सही-सही जानकारी पुलिस मुख्यालय के द्वारा क्यों नहीं दी गई है? मुख्यालय में तैनात लोढ़ा का सहयोगी पूरी तरह से इस मामले को दबाने के चक्कर में लगा है। अब इतने बड़े मामले में मुख्यमंत्री क्या निर्णय लेते हैं इस पर सरदार पटेल भवन के अधिकारियों की नजर है।

आईपीएस ने कहा है कि मुख्यमंत्री कुछ नहीं

जिस बड़े आईपीएस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगे हैं वह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात कई अपने चाहने वाले अधिकारी को कहते हैं की मुख्यमंत्री क्या है मुख्यमंत्री को क्या कहना? जब पुलिस मुख्यालय के सबसे बड़े पदाधिकारी के पास उनकी पूरा जांच का मामला पेंडिंग है। वह चाहते हैं और कहते हैं कि पूरे फाइल को हटा दीजिए मैं निर्दोष हूं। तब वह पुलिस मुख्यालय में जिम्मेदार अधिकारी कहते हैं कि आप एक बार मुख्यमंत्री जी से मिलकर अपनी बात को रख दीजिए मामला खत्म हो जाएगा। जिस आईपीएस पर आरोप लगे हैं वह अपने सीनियर को कहता है कि मुख्यमंत्री क्या होता है ऊपर से फोन आएगा सब ठीक हो जाएगा। उसके बाद यह जवाब सुनने के बाद वह सीनियर अधिकारी आश्चर्यचकित हो जाते हैं और कहते हैं कि आप कोर्ट के शरण में जाइए वहीं से आपको रिलीफ मिलेगी इसमें अब मैं कुछ नहीं कर सकता हूं, क्योंकि आपने तो कह दिया कि मुख्यमंत्री ही कुछ नहीं होता है तो इसकी आगे मेरी हिम्मत नहीं है कुछ कहने और बोलने की। तब आप लगे हुए आईपीएस अधिकारी गुस्से में उनके चैंबर से उठते हैं और कहते हैं आप देखिएगा कोई कुछ नहीं कर सकेगा। यह चर्चा सरदार पटेल भवन मतलब पुलिस मुख्यालय में सभी आईपीएस में होने लगी कि यह आईपीएस कितना प्रभावशाली है जो मुख्यमंत्री को भी कुछ नहीं समझता है।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स

मॉक पोल के कार्यो का डीसी ने लिया जायजा

पाकुड़ : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने समाहरणालय स्थित ईवीएम वेयर हाउस में वीवीपीएटी मशीन का फर्स्ट लेवल एफएलसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने एफएलसी के दौरान चल रहे मॉकपोल के कार्यो की जानकारी ली। मौके पर उपायुक्त ने वरीय पदाधिकारी निर्वाचन समन्वय कोषांग सह अनुमंडल पदाधिकारी श्री हरिवंश पंडित, कार्यपालक दण्डाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रमोद कुमार दास सहित अन्य अधिकारियों से एफएलसी के दौरान मॉक पोल संबंधित कार्यो की जानकारी ली। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशानिदेर्शो का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिया। एफएलसी कार्य के दौरान गुरुवार को विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मॉक पोल किया।मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, एसएमपीओ पवन कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त अपडेट्स

बोल बम हर हर महादेव के नारों से गुंजा तेनुघाट

बेरमो /तेनुघाट कोर्ट : बोल बम हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा तेनुघाट जब कांवरियों का जत्था तेनुघाट से बाबा धाम की ओर रवाना हुआ । बताते चले कि तेनुघाट से कांवरियों का जत्था बोल बम के लिए रवाना होने से पहले तेनुघाट पहाड़ी मंदिर, बड़ा चौक मंदिर के दर्शन कर गाड़ी पर बैठकर सुल्तानगंज के लिए निकले । जहां से गंगाजल लेकर देवघर के लिए रवाना होंगे । कांवरियों का जत्था में अजय अंबस्ट, प्रीतीश कुलश्रेष्ठ, अरविंद कुमार देव, दीपक शर्मा शामिल थे।

कार्रवाई

जनवरी से जुलाई तक 36 जाने जा चुकी है

नाबालिग चला रहे हैं टोटो, चालक नहीं लगा रहे हैं हेलमेट, व सीट बेल्ट

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: निर्णय किया गया था यदि नाबालिक बच्चे ओटो टोटो या मोटरसाइकिल चलते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। निर्णय किए हुए बैठक में कई दिन हो गए। किंतु आज भी छोटे-छोटे बच्चे टोटो चला रहे हैं। ताजा मामला माल गोदाम रोड की है जहां एक बच्चे को टोटो चलते हुए स्थानीय लोगों ने रोका। बाद में उसे समझा बूझकर घर भेज दिया गया। अब इसे परिवहन विभाग की लापरवाही कहें या पुलिस की विफलता कहें या लोगों की समझदारी की कमी । सच तो यह है की कई नाबालिक धड़ल्ले से ओटो चला रहे हैं। कहने सुनाने वाला देखने वाला कोई नहीं है। आए दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। हम उनसे शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहे हैं । अपनी जान जोखिम में डालकर नाबालिक

बच्चों के टोटो पर बैठते हैं और अपनी भी जान जोखिम में डालते हैं और बच्चे की भी जान जोखिम में डालते हैं। जितने दोषी बच्चे या बच्चों के अभिभावक हैं हम बैठने वाले भी कम दोषी नहीं है। सोचते हैं कि बच्चा है कम पैसा में काम चल जाएगा। किंतु यह नहीं सोचते की कम पैसा के चक्कर में जान भी जा सकती है। हम दुर्घटनाओं से सबक नहीं सीख रहे हैं। और हमारी लापरवाही का नतीजा है मौत।

जनवरी से जुलाई तक में 44 दुर्घटनाएं हुई है और इन 44 दुर्घटना में 36 लोगों ने अपनी जान गवाइ है। अर्थात हर महीने में पांच मौत दुर्घटना की शिकार होने पर हुई है। आज भी दुर्घटनाएं हुई है और लोग बाल बाल बच्चे हैं।किंतु हम दुर्घटनाओं से सबक नहीं लेते और जानबूझकर गलती करते हैं । जिसका परिणाम सबके सामने है। हम हेलमेट नहीं लगते और जब टक्कर होती है तो माथा फटती है ।अधिक रक्तस्राव के कारण मौत होती है ।फिर भी हम हेलमेट नहीं लगाएंगे। सीट बेल्ट नहीं लगाएंगे। अपना जान जोखिम में डालेंगे।

शिक्षा विभाग की घोर लापरवाही:

घर-घर बच्चे ढूंढना है एक भी बच्चे पढ़ाई से वंचित न रहे यह केवल नारो में सीमेंट के रह गया है । यदि एक भी बच्चे पढ़ाई से वंचित नहीं रहे तो फिर यह टोटो कैसे चला रहे हैं। केवल ऑटो ही नहीं कई बार देखा गया है की छोटे-छोटे बच्चे कचरा चुन रहे हैं । क्या शिक्षा विभाग में कभी ऐसे बच्चों की तलाश की। नारा लगाने से बच्चे नहीं पढ़ते । बल्कि नारा लगाने से उसकी 1 दिन की पढ़ाई नष्ट होती है । जागरूकता के नाम पर एक दिन की पढ़ाई खत्म । अच्छा हो यदि हम खुद निकाल कर इसकी जयजा ले । आम नागरिक सामने आए और विभाग सक्रिय हो तो बच्चे पढ़ेंगे भी और दुर्घटनाएं भी रुकेगी बसने की हमें सक्रिय होकर कम करें मौके बरदात पर जाएं।

न्यूज फटाफट

गणेश चतुर्थी पूजा महोत्सव कमेटी पुनर्गठन, रिशु बने अध्यक्ष

हरिहरगंज : शहर के मेन रोड थाना स्थित महावीर मंदिर में श्रद्धालु गणेश भक्तों ने गणेश चतुर्थी पूजा महोत्सव धूम धाम से मनाने को लेकर बंटी गुप्ता की अध्यक्षता में बैठक की। बैठक में सर्वसम्मति से नवयुवक गणपति सेवा समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसमें रिशु गुप्ता को अध्यक्ष और पंकज कुमार को सचिव बनाया गया है। जबकि बंटी गुप्ता को व्यवस्थापक,अमित गुप्ता अंकित कोषाध्यक्ष,कन्हाई विश्वकर्मा उपाध्यक्ष ,कुणाल कुमार उपसचिव ,कमलदीप विश्वकर्मा उपकोषाध्यक्ष,हिमांशु गुप्ता, सतेंद्र साह सांस्कृतिक मंत्री के अलावा पूजा मंत्री सौरभ पाठक, गोलू कुमार, संगम यादव ,पंडाल मंत्री झछोटू गुप्ता,चितरंजन गुप्ता ,प्रसाद मंत्री अंकित चंद्रवंशी,सजावट मंत्री शशांक शेखर के साथ ही विशाल गुप्ता , तुषार कुमार, रौनित कुमार को निगरानी सदस्य,जुलूस प्रभारी के तौर पर श्याम पासवान,प्रियांशु जायसवाल,सत्यम जायसवाल को जवाबदेही सौंपी गई है। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर यह निर्णय लिया गया कि आगामी 20 सितंबर की रात को इस अवसर पर एक दिवसीय भक्ति जागरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। पूजा महोत्सव और भक्ति जागरण कार्यक्रम की सफलता के लिए अभी से ही तैयारी शुरू कर दी गई है।

वायु सेना ने निकाली भर्ती रैली, देश सेवा में निभा सकते हैं युवा भागीदारी : उपायुक्त

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़:भारतीय वायु सेना योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों के लिए 15 और 18 सितंबर 2023 को मेडिकल असिस्टेंट ट्रेड के लिए एयरमैन भर्ती रैली आयोजित की है। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने जिले के योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से एयरमैन भर्ती रैली में शामिल होने की अपील की है। उपायुक्त ने बताया कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना के बैरकपुर में स्थित भारतीय वायु सेना स्टेशन में शामिल हो सकते है। उन्होंने बताया कि 15 सितंबर से शुरू होने वाले पहले चक्र, में 26 दिसंबर 2002 और 26 दिसंबर 2006 के बीच जन्मे वे अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे जिनके पास 10+2 में जीव विज्ञान व अंग्रेजी में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक होगें। वहीं 18 सितंबर से शुरू होने वाली रैली के अंतिम चक्र में 26 दिसंबर 1999 और 26 दिसंबर 2004 के बीच जन्मे अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फामेर्सी में डिप्लोमा या डिग्री की अतिरिक्त योग्यता रखने वाले होंगे। बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग का समय सुबह के 6:00 से सुबह के 10:00 बजे तक निर्धारित की गई है। उपायुक्त ने कहा कि जिले के युवाओं के लिए या बेहतर अवसर है। उन्होंने कहा कि वायु सेना में शामिल होकर युवा अच्छे करियर के साथ-साथ देश सेवा में अपनी भागीदारी निभा सकती है।

नामांकन सीटों में वृद्धि नहीं हुई तो विश्वविद्यालय का घेराव करेंगे अभाविप

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं का शिष्टमंडल विश्वविद्यालय संयोजक बमभोला उपाध्याय के नेतृत्व में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के कुलपति से मिलकर 5 सूत्री मांगों पर प्रभारी कुलपति डॉ विमल प्रसाद सिंह से मिलकर महाविद्यालयों में व्याप्त शैक्षणिक समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा।विश्वविद्यालय संयोजक बम भोला उपाध्याय ने बताया कि जिले में एकमात्र सक्रिय केकेएम महाविद्यालय मैं हजारों छात्रों ने हिंदी एवं इतिहास विषय में नामांकन हेतु आवेदन दिया है किंतु सीटों की सीमित संख्या होने के कारण केवल 300 विद्यार्थियों का नामांकन हो पाया है। साथ ही कई विद्यार्थी ऐसे भी हैं जो ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं एवं सूचना के अभाव में ऑनलाइन आवेदन नहीं कर पाए हैं जिससे नामांकन से वंचित रह गए हैं। इसके समाधान की दिशा में चांसलर पोर्टल खोल जाना अत्यंत आवश्यक है। कुलपति से मुलाकात कर सीटों की संख्या में वृद्धि करने की मांग की गई । परिषद ने बताया कि कुलपति ने इस विषय पर अपनी ओर से सकारात्मक पहल का भरोसा दिया है।विश्वविद्यालय संयोजक श्री उपाध्याय ने बताया कि अगर अभाविप की मांगे पूरी नहीं हुई विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं द्वारा विश्वविद्यालय का घेराव एवं पुरजोर आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण नगर पंचायत छतरपुर का हाल बेहाल

नए कार्यपालक अधिकारी सह बीडीओ को 11 सूत्री ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय खबर

पलामू: अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण नगर पंचायत छतरपुर का हाल बेहाल हो गया है। आलम यह है कि नगर पंचायत आज बुनियादी सुविधाओं के लिए भी तरस रहा है। इस बावत नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविन्द गुप्ता ने नगर के नए कार्यपालक अधिकारी सह बीडीओ को 11 सूत्री ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन सौंपने के बाद अरविन्द ने कहा कि नगर बनने का कोई लाभ छतरपुर नहीं मिल पा रहा है बल्कि टैक्स का बोझ नगरवासियों पर लाद दिया गया है। नगर में सर्वत्र गंदगी पसरी हुई है। उन्होंने कहा कि आलम यह है कि नगर चुनाव के पांच साल बाद नगर में

लगाई जा रही स्ट्रीट लाइटें लगने के बाद ही खराब हो रही हैं, स्ट्रीट लाइटों की गुणवत्ता को देखते हुए स्पष्ट है कि इसकी खरीदारी में भारी धांधली बरती गई है। उन्होंने बीडीओ को ज्ञापन सौंप कर कई मामलों की जांच और कार्रवाई की मांग की है दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि नगर क्षेत्र में लगाई जा रही स्ट्रीट लाइटों के लगने के तुरंत बाद खराब होने के कारण उनकी गुणवत्ता की जांच करते हुए खरीदारी में हुए घपले के मद्देनजर दोषियों पर कार्रवाई करने और नगर में लगाए जा रहे लाइटों की खरीदारी में लगभग दो करोड़ अड़तालीस लाख की अनुमानित लागत आयी है, अगर प्रति लाइटों की गुणवत्ता के हिसाब से कीमत देखें तो प्रति लाईट की कीमत लगभग पचासी सौ पड़ रही है जो कहीं न कहीं प्राक्कलन घोटाले की ओर इशारा कर रहा है। स्ट्रीट लाइटों की खरीदारी की जांच कराने। नगर में ऑटो स्टैंड का निर्माण कर मूलभूत सुविधाएं बहाल करने।

जलसंकट के मद्देनजर पीएचईडी द्वारा पाँच पांडव पहाड़ी पर निमार्णाधीन पानी टँकी का निर्माण अविलम्ब सुनिश्चित कराने ताकि नगर में व्याप्त जल संकट से निबटा जा सके। नगर के इलाके में डस्टबीन लगाने। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि शहर में चारो तरफ कूड़े और गंदगी का अम्बार पसरा है घटिया क्वालिटी के डस्टबिन लगने के कारण सभी डस्टबीन टूट चुके हैं। नगर की सफाई सुनिश्चित कराई जाए। बारिश के मद्देनजर नगर के सम्भावित स्थानों पर नालियों की सफाई सुनिश्चित कराई जाए ताकि जलभराव से बचा जा सके। नगर में टाउनहाल और नगर पँचायत के कार्यालय का निर्माण सुनिश्चित कराने। नगर में स्वच्छ वातावरण बनाने और लोगों के बेहतर सेहत के मद्देनजर पार्क का निर्माण कराया जाए। नगर में आवंटित पीएम आवास के सभी लाभुकों को उनकी किस्त दे कर किस्त का भुगतान सुनिश्चित करा कर आवास पूर्ण कराई जाए।

जिले के सभी योग्य किसानों को मिले किसान क्रेडिट कार्ड का लाभ

राष्ट्रीय खबर

पाकुड़: जिले के सभी योग्य किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से लाभांवित करने को लेकर गुरुवार को प्रखंड सभागार महेशपुर में जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश मंडल ने महेशपुर प्रखंड के जनसेवक, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, सहायक तकनीकि प्रबंधक, सभी किसान मित्र के साथ बैठक की। बैठक के क्रम में जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा केसीसी हेतु लक्ष्य, आवेदन भरने का तरीका, वंशावली बनाने का तरीका, आवेदन के साथ लगने वाले दस्तावेज, चेकलिस्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जनसेवक को निदेश दिया गया की उनके क्षेत्र में एक भी योग्य किसान केसीसी से वंचित न रहे, इसका विशेष ख्याल रखें। जिला कृषि पदाधिकारी के द्वारा झारखंड कृषि ऋण माफी योजना में छुटे हुए किसान का ई-केवाईसी कराने एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, लैंड सीडिंग कराने को लेकर एवं छुटे हुए किसान का ई-केवाईसी कराने का निर्देश दिया गया।

शहर ›› अपडेट

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

कोडरमा : तिलैया थाना क्षेत्र के करमा में बुधवार की देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान मोरियावां निवासी रोहित साव (उम्र 24 वर्ष, पिता सहदेव साव) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवक बाइक से कोडरमा से तिलैया की तरफ लौट रहा था।

सिटी अपडेट्स ››

विश्व को सत्य प्रकाश का मार्ग दिखने वाली थी दादी प्रकाशमणि

कोडरमा : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय अड्डी बांग्ला झुमरी तिलैया में विश्व बंधुत्व दिवस दादी प्रकाशमणि जी का 15वी पुण्य स्मृति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी बहन तथा मुख्य अतिथि डॉक्टर अभिलाषा गुप्ता उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत दादी प्रकाशमणि जी की विशेष स्मृतियों के दीप प्रज्वलन तथा पुष्पमाला अर्पित कर हुआ। केंद्र संचालिका बीके लक्ष्मी बहन ने दादी प्रकाशमणि जी के जीवन की विशेष बातें सभी के समक्ष रखी। डॉक्टर अभिलाषा गुप्ता ने दादी जी के स्मृतियों को आत्मसात किया तथा उन्होंने कहां स्वयं को खुश तथा अपने वातावरण को कैसे शांत तथा पवित्र बनाए, उन सबका आधार राजयोग मेडिटेशन है। इसी से हम अपने स्वरूप को पहचान सकते हैं। कार्यक्रम में सुनील बरनवाल, शंकर चौरसिया, शंभू सेठ, प्रदीप, कुसुम दुग्गल, संगीता, रजनी, उमा, मंजू, निशा आदि उपस्थित रहे तथाउनके बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

उपायुक्त ने की संचालित योजनाओं की समीक्षा

कोडरमा : समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा, डोमचांच में संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षात्मक बैठक किया गया। बैठक में उपायुक्त ने नगर परिषद संचालित योजनाओं की जानकारी ली। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, स्वच्छ भारत मिशन के तहत साफ सफाई, पीएम स्वनीधि योजना समेत कई योजनाओं पर बिंदुवार समीक्षा किया गया। उपायुक्त ने नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा, डोमचांच के कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देश दिया कि शहर की साफ सफाई पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि अपने टीम के माध्यम से नियमित रूप से सभी चौक चौराहों, वार्डो की साफ सफाई करायें। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी को लेकर कहा कि जिनका आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है, उन्हें आवास को यथाशीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि नियमित रूप से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन होना चाहिए। सामुदायिक शौचालय, सुलभ शौचालय का नियमित साफ सफाई हो। उन्होंने राजस्व संग्रह को लेकर कहा कि नियमित रूप से होडिंग टैक्स, वाटर टैक्स का कलेक्शन नियमित रूप से करें। सभी को ट्रेड लाइसेंस के लिए लोगों को प्रेरित करें। तीनों नगर निकायों में वेडिंग जोन बनाने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। ग्रे वाटर और ब्लैक वाटर प्रबंधन को लेकर प्रस्ताव तैयार करने की बात कही। बैठक में मुख्य रूप से विनीत नगर प्रशासक नगर परिषद झुमरीतिलैया, जितेन्द्र कुमार जैसल प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा डोमचांच, नगर प्रबंधक, कनीय अभियंता व अन्य मौजूद रहे।

बैठक

4 सितंबर की संकल्प रैली को लेकर भाजपा की बैठक

बाबूलाल मरांडी का आगमन डोमचांच के चंद्रावती स्कूल के मैदान में

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: भारतीय जनता पार्टी कोडरमा ग्रामीण मंडल की एक बैठक लोकाई पंचायत के सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष दिनेश सिंह ने तथा संचालन महामंत्री बासदेव यादव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम के सभा प्रभारी सह जिला महामंत्री अनूप जोशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कार्यकर्म के विधानसभा प्रभारी रमेश सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी, रामचंद्र सिंह, शिवेंद्र नारायण सिन्हा, रमेश हर्षधर, चंद्रशेखर जोशी, सुधीर यादव उपस्थित हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 4 सितंबर को प्रथम मुख्यमंत्री प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन डोमचांच के चंद्रावती स्कूल के बगल के मैदान में होगा। अनूप जोशी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जी प्रदेश के नेता के साथ-साथ यहां से लगातार दो बार सांसद रहे यह उनका गृह क्षेत्र है। मण्डल अध्यक्ष को मण्डल से 1500 कार्यकताओं का लक्ष्य दिया गया। रमेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ से कम से कम 20 से 25 कार्यकर्ता बाबूलाल मरांडी जी की रैली में अवश्य आए। रामचंद्र सिंह ने कहा कि कार्यकताओं के साथ समर्थकों को भी लाने का प्रयास करें। रवि मोदी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जन-जन के नेता है वह यहां के सभी कार्यकताओं को जानते पहचानते हैं इसलिए आप भारी संख्या में सभा में आने का प्रयास करें। रमेश हर्षधर, शिवेंद्र नारायण सिन्हा ने भी बाबूलाल मरांडी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं से आह्वान किया। कार्यक्रम में मिथिलेश सिंह, उमेश यादव, अमर कुमार, महेश यादव, संतोष राणा, बाबूलाल यादव, अशोक साव, वीरेंद्र यादव, टेकलाल मंडल, श्याम लाल यादव, विनोद मंडल, गोपाल यादव, विनोद साव, रोहित कुमार यादव, संतोष साव, दिनेश विश्वकर्मा, विजय यादव, अशोक यादव, गोविंद साव, रंजीत गुप्ता आदि उपस्थित हुए।

चंद्रयान -3 की सफलता पर बच्चों ने अबीर गुलाल उड़ाया

राष्ट्रीय खबर

मरकच्चो: श्री रामकृष्ण मिशन स्कूल, मरकच्चो में भारत सहित विश्व की सबसे महत्वाकांक्षी योजना मिशन मून की अपार सफलता पर हर्ष व्यक्त किया गया साथ ही सभी शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं ने अबीर गुलाल उड़ाया और होली खेली। चंद्रयान -3 कल समय 6:04 बजे चांद की धरती पर लैंड कर रहा था तब विद्यालय के द्वारा सभी बच्चों को लाइव दिखाया जा रहा था जिससे बच्चों में काफी उत्साह था। कुछ छात्रों ने भविष्य में इस प्रकार के मिशन से जुड़ने का संकल्प लिया और इसरो को धन्यवाद दिया। मौके पर विद्यालय के निदेशक सियाराम यादव, महेंद्र कुमार, दीपक कुमार, अजीत अमंत, चंदन कुमार, निरंजन सिंह, प्रियंका कुमारी, नीलम, पूनम, रिया, साजन कुमार, सतीश, शशांक सिंह, सौरव, रॉकी, सहनबाज, अंकित, मयंक आदि सैकड़ों छात्रों ने सेलिब्रेट किया।

चंद्रयान 3 की सफलता पर जयनगर प्रखंड में हर्ष, वैज्ञानिकों को दी बधाई

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: चंद्रयान - 3 की सफल लैंडिंग पर जयनगर प्रखंड में हर्ष का वातावरण रहा। लोग काफी खुश थे। हर कोई चंद्रयान की लैंडिंग की सफलता को लेकर दुआएं मांग रहा था। पल-पल की जानकारियां जुटा रहे थे। शाम 5 बजे के बाद लोग टीवी चैनल इंटरनेट के विभिन्न माध्यमों से जुड़कर सफल लैंडिंग पर नजरें टिकाएं रहे, निर्धारित समय पर जैसे ही रोवर चंद्रमा की धरती को छुआ लोग खुशियों में सराबोर हो गए। वहीं नेशनल पब्लिक स्कूल परसाबाद के निदेशक मोहम्मद मुस्ताक खान ने कहा कि प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का क्षण है। विश्व के अग्रिम पंक्ति में भारत खड़ा हो गया है। प्रानियुक्ति के क्षेत्र में विश्व में भारत का डंका बजा है। वैज्ञानिकों के प्रति आभार प्रकट करते हैं कि इसी तरह नया मुकाम हासिल करते रहें। वहीं सरस्वती पब्लिक हाई स्कूल (पावर हाउस) के प्राचार्य अर्जुन चौधरी ने कहा कि चंद्रयान 3 की सफलता ऐतिहासिक है। इसने भारत को पूरे विश्व में सम्मान दिलाया और इतिहास रचा। साउथ पोल पर चंद्रयान-3 के उतरने का सारा श्रेय इसरो के वैज्ञानिक और भारत के प्रधानमंत्री को जाता है। वहीं समाजसेवी वीरेंद्र यादव ने कहा कि भारत के इतिहास में यह गर्व का क्षण है। इसरो के वैज्ञानिकों को विशेष बधाई दी। श्री यादव ने कहा कि दुनिया में अब भारत का परचम लहराएगा, भारतीय वैज्ञानिकों ने देश का मान बढ़ाया है। वहीं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेंद्र भाई मोदी ने कहा कि अभी तक चंद्रमा के दक्षिणी डोर पर कोई नहीं उतरा था। हमारे वैज्ञानिकों ने लंबे परिश्रम के पश्चात वहां सबसे पहले चंद्रयान 3 को उतारने में सफलता प्राप्त की। संपूर्ण देश के लिए ही नहीं सारे विश्व की मानवता के लिए उपलब्धि है।

4 सितंबर की संकल्प रैली को लेकर भाजपा की बैठक

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: भारतीय जनता पार्टी कोडरमा ग्रामीण मंडल की एक बैठक लोकाई पंचायत के सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष दिनेश सिंह ने तथा संचालन महामंत्री बासदेव यादव ने किया। बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम के सभा प्रभारी सह जिला महामंत्री अनूप जोशी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सह कार्यकर्म के विधानसभा प्रभारी रमेश सिंह, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि मोदी, रामचंद्र सिंह, शिवेंद्र नारायण सिन्हा, रमेश हर्षधर, चंद्रशेखर जोशी, सुधीर यादव उपस्थित हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि 4 सितंबर को प्रथम मुख्यमंत्री प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी का आगमन डोमचांच के चंद्रावती स्कूल के बगल के मैदान में होगा। अनूप जोशी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जी प्रदेश के नेता के साथ-साथ यहां से लगातार दो बार सांसद रहे यह उनका गृह क्षेत्र है। मण्डल अध्यक्ष को मण्डल से 1500 कार्यकताओं का लक्ष्य दिया गया। रमेश सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ से कम से कम 20 से 25 कार्यकर्ता बाबूलाल मरांडी जी की रैली में अवश्य आए। रामचंद्र सिंह ने कहा कि कार्यकताओं के साथ समर्थकों को भी लाने का प्रयास करें। रवि मोदी ने कहा कि बाबूलाल मरांडी जन-जन के नेता है वह यहां के सभी कार्यकताओं को जानते पहचानते हैं इसलिए आप भारी संख्या में सभा में आने का प्रयास करें। रमेश हर्षधर, शिवेंद्र नारायण सिन्हा ने भी बाबूलाल मरांडी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं से आह्वान किया।

बैठक में कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा

राष्ट्रीय खबर

जयनगर: प्रखंड कार्यालय में प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनिल कुमार यादव की अध्यक्षता में सभी जनसेवकों की एक बैठक कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा हेतु आयोजित की गई। उपस्थित कर्मियों के बीच मुख्यमंत्री सुखाड राहत योजना के बारे में चर्चा की। अपने आवंटित पंचायत से इस योजना के तहत आच्छादित किसानों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री सुखाड़ राहत योजना के तहत जिन किसान भाइयों को आवेदन करने के उपरांत भी योजना का लाभ नहीं मिला है वह पुनः आवेदन करें। सभी जनसेवकों के द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र जाकर कार्यक्रम समन्वयक से मिलकर सहजन की खेती के बारे में चर्चा का निर्णय लिया। प्रखंड चयन तकनीक के तहत सभी जनसेवकों को अपने आवंटित पंचायत के किसानों का पंजीकरण कर सरकार की योजनाओं का लाभ दें। मौके पर जनसेवक वीरेंद्र कुमार, विकास रंजन, पंकज कुमार, विमलेश पासवान, सुनील कुमार यादव, फिरदौस आलम मौजूद थे।

आस्था

जैन धर्मावलंबियों ने मनाया 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक

सुरेन्द्र सरिता काला के परिवार को शान्ति धारा का सौभाग्य

राष्ट्रीय खबर

कोडरमा: जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का निर्वाण (मोक्ष) दिवस हर्षोल्लास एवम भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर झुमरीतिलैया के नया मन्दिरों में प्रातः काल में कलाशाभिषेक के साथ एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें सौधर्म इंद्र की भूमिका सोरभ करिश्मा छाबडा को मिला। जैन मंदिर में विश्व शान्ति हेतु सुरेश नरेंद झांझरी और सुरेन्द सरिता काला के परिवार को शान्ति धारा का सौभाग्य मिला। उसके बाद देश के 25 तीर्थो के पारसनाथ की प्रतिमा का रचना पर पच्चीस 25 निर्वाण लड्डू सभी टोंको की रचना पर श्रद्धा पूर्वक निर्वाण अर्घ समर्पित कर भावपूर्वक पूजन अर्चन के साथ कोडरमा के मूलनायक प्रतिमा के चरणों मे जैन भाग चंद विनीत कुमार पाटनी कोलकत्ता के परिवार को 123 किलो की निर्वाण लड्डू प्रभु चरणों मे समर्पित किया गया। इसके बाद पूजन विधान सुबोध आशा गंगवाल ने कराया। सभी कार्यक्रम परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी मुनिराज ससंघ के सानिध्य मे हुआ। मुनी श्री ने अपने प्रवचन में पार्श्वनाथ भगवान की जीवन गाथा तथा उनके उपसर्गों की कथा सुनाई। सन्ध्या के समय में सुरेश-नरेंद्र झांझरी, संदीप आशीष छाबडा, शांति लाल छाबडा, विजय विकाश सेठी के परिवार द्वारा आरती और पालना झुलाने का कार्यक्रम हुआ। यह जानकारी मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा, नविन जैन ने दी।

न्यूज फटाफट

लाराबाद में 24 वर्षीय युवक का शव बरामद

जयनगर : थाना क्षेत्र के अंतर्गत धनबाद गया रेलखंड के अंतर्गत लाराबाद में गुरुवार को रेलवे लाइन की बाउंड्री के बाहर युवक का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान नीतीश कुमार (उम्र लगभग 24 वर्ष, पिता मनोज प्रसाद ग्राम डुमरी, थाना मोहनपुर जिला गया) के रूप में हुई है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार शव दो-तीन दिन पहले का है। घटना का सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। वहीं थाना प्रभारी उमानाथ सिंह ने बताया कि घटना की जांच पड़ताल की जा रही है।

शमार्टाड में इंडिया कंप्यूटर इंस्टिट्यूट का हुआ उद्घाटन

जयनगर : प्रखंड के शमार्टाड़ में डिजिटल इंडिया कंप्यूटर इंस्टिट्यूट का विधिवत पूजा अर्चना किया। प्रोपराइटर सिकंदर कुमार पंडित ने कहा कि अब क्षेत्र के युवाओं को कंप्यूटर के शिक्षा के लिए शहर की ओर नहीं जाना पड़ेगा। कम शुल्क में कंप्यूटर शिक्षा दिया जाएगा। मौके पर मुखिया इरफान अंसारी, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि देवनारायण यादव, विशाल चंद्रा, सुनील राणा, खुशबू कुमार, खिरु पंडित, श्याम यादव, नीतिश चंद्रा, संजीव कुमार दास सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत मरकच्चो का चयन

मरकच्चो : भारत सरकार द्वारा आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत मरकच्चो प्रखंड का चयन किया गया है। जिसे लेकर गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो स्थित सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी पप्पु रज्जक की अध्यक्षता में बैठक की गयी। बैठक में सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचा, कृषि व संबद्ध योजना, शिक्षा और स्वास्थ्य व पोषण को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। बीडीओ ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को उक्त सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचा, कृषि व संबद्ध योजना, शिक्षा और स्वास्थ्य व पोषण को लेकर पंचायत में चिंतन शिविर का आयोजन करने का दिशा निर्देश दिया। बैठक में बी पी एम धर्मेन्द्र कुमार, बी टी टी गंगाधर दास, महिला पर्यवेक्षिका माधुरी कुमारी, बिभा कुमारी समेत स्वास्थ्य कर्मी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षा विभाग के अलावे प्रखंड कर्मी मौजूद थे।

ओम कौशल्या हॉस्पिटल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कोडरमा : जिला मुख्यालय स्थित ओम कौशल्या हॉस्पिटल एवं ट्रॉमा सेंटर में गुरुवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। यहां निःशुल्क 100 मरीजों को देखा गया। इस बाबत हॉस्पिटल के निदेशक डॉ विशाल कुमार ने बताया कि रक्षा बंधन के उपलक्ष्य पर हॉस्पिटल परिसर में गुरुवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों का न केवल निःशुल्क इलाज किया गया, बल्कि एक्सरे, दवा और खून की जांच में भी विशेष छूट दिया गया। वहीं जरूरतमंद मरीजों के बीच निःशुल्क दवा का भी वितरण किया गया। मौके पर छोटू कुमार, राहुल कुमार, संतोष कुमार, सोनाली कुमारी, आशीष कुमार, मटर कुमार, जितेंद्र कुमार, मुन्ना कुमार आदि मौजूद थे।

चंद्रमा की सतह पर विक्रम की लैंडिंग पर देश गौरवान्वित- हुजैफा आलम

जयनगर : प्रखंड के बेलकतरी अल्फा इंटरनेशनल स्कूल के प्रचार्य हुजैफा आलम ने भारत के सबसे महत्वाकांक्षी मून मिशन चंद्रयान - 3 का विक्रम लैंडिंग चांद की सतह पर सफलता पूर्वक लैंड होने पर इसरो के सभी वैज्ञानिकों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इसरो ने अंतरिक्ष विज्ञान के नए सपनों को साकार किया है। चंद्रयान-3 चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। चंद्रयान - 3 के चंद्रमा की सतह पर सफलता पूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग होने पर पूरा देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आज का दिन भारत के लिए ऐतिहासिक है।

डीएवी पब्लिक स्कूल के अपूर्व आनंद ने प्राप्त की साहित्यिक उपलब्धि

झुमरीतिलैया : डीएवी पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र अपूर्व आनंद ने मात्र 17 साल की उम्र में लेखक बनकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनके इस अद्भुत सफलता पर विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें प्रातः कालीन सभा में सम्मानित किया गया और सभी शिक्षकों ने उन्हें आशीर्वचन प्रदान किया। उन्होंने ह्यद अनफैथॉम्ड डेथ्सह्ल नामक पुस्तक प्रकाशित की है। यह पुस्तक अमेजॉन जैसी ऑनलाइन बाजार पर भी उपलब्ध है। यह उनकी साहित्यिक प्रतिभा और अद्भुत कल्पना शक्ति को प्रदर्शित करता है। उन्होंने डीएवी के समर्पित शिक्षकों से प्रेरणा लेते हुए अपनी साहित्य की यात्रा की उड़ान भरी। वे स्वयं अपनी इस रचना का श्रेय अपने शिक्षकों को देते हैं। जिनके संरक्षण में उनकी रचनात्मक शक्ति का विकास हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने कहा हमारा विद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे छात्र हमारे विद्यालय के गौरव तथा हमारी सफलता का प्रतीक है। उन्होंने अपूर्व आनंद को उनकी साहित्यक उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

न्यूज फटाफट

यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ने भारतीय कुश्ती महासंघ को किया निलंबित

नयी दिल्ली : वैश्विक स्तर पर कुश्ती खेल का नियमन करने वाली संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग ((यूडब्ल्यूडब्ल्यू)) ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को समय पर चुनाव न करवाने के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यूडब्ल्यूडब्ल्यू) का काम इस समय भारतीय ओलंपिक संघ के एक सदस्य के नेतृत्व में एक अस्थाई समिति देख रही है। अंतरराष्ट्रीय निकाय ने भारतीय कुश्ती निकाय के विरुद्ध कार्रवाई के संबंध में कोई औपचारिक वक्तव्य नहीं दिया है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के कार्यालय में इस बारे में संपर्क करने पर एक अधिकारी ने कहा, हां खबरें तो हैं, पर बयान यूडब्ल्यूडब्ल्यू ही देगा। डब्ल्यूएफआई का संचालन कर रहे भूपेंदर सिंह बाजवा के नेतृत्व वाले तदर्थ पैनल को चुनाव आयोजित करने के लिए 45 दिन की समय सीमा दी गई थी। संघ को मान्यता नहीं होने पर भारतीय पहलवानों को 16 सितंबर से शुरू होने वाली ओलंपिक-क्वालीफाइंग विश्व चैंपियनशिप में ह्यतटस्थ एथलीटोंह्ल के रूप में भाग लेना होगा। गौरतलब है कि महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण शरण सिंह की अगुवाई वाले शासी निकाय के हटाए जाने के बाद भारतीय ओलंपिक संघ ने डब्ल्यूएफआई के संचालन के लिए 27 अप्रैल को तदर्थ पैनल का गठन किया था। यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने 28 अप्रैल को चेतावनी दी थी कि अगर 45 दिन के अंदर चुनाव नहीं हुए तो डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया जायेगा। मूल रूप से, डब्ल्यूएफआई के चुनाव सात मई को होने थे लेकिन खेल मंत्रालय ने उसे अमान्य घोषित कर दिया। कई राज्य निकायों ने चुनावों में भाग लेने का अधिकार मांगने के लिए अदालत का रुख किया, जिसके कारण चुनाव लगातार स्थगित होते रहे। चुनाव के लिए नवीनतम तारीख 12अगस्त चुनी गई थी लेकिन पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने 11 अगस्त को इनपर रोक लगा दी थी।

हॉकी

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान ने कहा

रांची में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी खेलना गौरवमय होगा : सविता

एजेंसियां

नयी दिल्ली : भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि झारखंड की राजधानी रांची में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 खेलना 'गौरवमय अनुभव' होगा। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 27 अक्टूबर से पांच नवंबर के बीच आयोजित होगी और भारत पहली बार इस टूर्नामेंट की मेज़बानी कर रहा है। भारतीय टीम की कप्तान सविता ने टूर्नामेंट के बारे में अपना उत्साह और भारतीय धरती पर इस तरह के प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी के सम्मान को साझा किया। सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होने के नाते मैं यह जानकर बेहद रोमांचित हूं कि महिलाओं के लिये एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी रांची में होने वाली है। उन्होंने कहा, 'यह घोषणा उस प्रगति और मान्यता का प्रमाण है जो महिला हॉकी ने न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में हासिल की है। इतने महत्वपूर्ण मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमें बेहद गर्व से भर देता है।' टूर्नामेंट के सातवें संस्करण में जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, थाईलैंड और मेजबान भारत के भाग लेने की उम्मीद है।

सविता ने कहा, 'रांची में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करना बेशक एक गौरवमय अनुभव होगा। हमारे प्रशंसकों की ऊर्जा, समर्थन और उत्साह हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करते हैं। हम भारतीय महिला हॉकी को परिभाषित करने वाले अपने कौशल, दृढ़ संकल्प और सामूहिक भावना का प्रदर्शन करने के लिये उत्सुक हैं।'भारतीय महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने हालिया असाधारण प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरती आयी है और आगामी टूर्नामेंट उनके लिये शानदार प्रदर्शन करने का एक और मौका है। सविता ने कहा, हम इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और अपनी छाप छोड़ने की पूरी कोशिश करेंगे। हम कड़ा प्रशिक्षण ले रहे हैं और अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और अपना दूसरा एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी खिताब जीतकर देश को गौरवान्वित करने के लिये हर पहलू पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारतीय महिला टीम ने 2016 में एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी का खिताब जीता जबकि 2018 में वह उपविजेता रही थी। सविता की टीम के पास घरेलू सरज़मीन पर खेलते हुए शीर्ष खिताब हासिल करने का मौका होगा।

खेल जगत अपडेट्स

एशियाई खेलों से पहले तैराक माना ओडिशा में लेंगी प्रशिक्षण

भुवनेश्वर : टोक्यो ओलंपियन तैराक माना पटेल हांग्झोउ एशियाई खेलों के लिये भुवनेश्वर में नवनिर्मित इंडोर एक्वाटिक सेंटर में प्रशिक्षण लेंगी। यह शीर्ष तैराक ओडिशा जेएसडब्ल्यू तैराकी एचपीसी के तकनीकी निदेशक डगलस ईगर के मार्गदर्शन में एशियाड के लिये तैयारी करेंगी। माना ने अपनी तैयारियों पर कहा, ''मैं यह देखने के लिये उत्सुक हूं कि मैं कैसा प्रदर्शन करती हूं। उसके बाद देखेंगे कि आगे क्या होता है, फिलहाल मेरा पूरा ध्यान अपने प्रशिक्षण और एशियाई खेलों पर केंद्रित है। माना ने ओडिशा में प्रशिक्षण लेने के फैसले पर कहा, ''मुझे लगता है कि बदलाव होना अच्छा होता है। माहौल को बदलना और उस बदलाव में खुद को ढलते हुए देखना अच्छा होता है। मैं पिछले एक महीने से यहां हूं और अपने प्रशिक्षण से खुश हूं। यहां बहुत अधिक शांति है और मैं अपने प्रशिक्षण और तैराकी पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हूं। उन्होंने कहा, ''सबसे महत्वपूर्ण बात कोच और एक एथलीट के बीच संवाद है और मैं इसे यहां पाकर खुश हूं। मैंने अभी-अभी कोच डगलस को जानना शुरू किया है और हम धीरे-धीरे संवाद को आगे बढ़ा रहे हैं। वह एक इंसान और एक एथलीट के तौर पर मुझे समझने की कोशिश कर रहे हैं। वह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि मैं कौन हूं और मेरी क्या जरूरते हैं और वे बतौर तैराक मुझे कैसे प्रभावित कर सकती हैं। माना ने कलिंगा स्टेडियम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इंडोर एक्वाटिक सेंटर में अत्याधुनिक सुविधा की भी सराहना की। उन्होंने कहा, ''यहां सुविधाएं बहुत शानदार हैं, और कलिंगा स्टेडियम में 39वीं सब जूनियर और 49वीं जूनियर नेशनल एक्वेटिक चैंपियनशिप 2023 में छोटे बच्चों को प्रतिस्पर्धा करते देखना एक खुशी की बात थी।

एएफसी चैंपियंस लीग : मुंबई सिटी से खेलने भारत आयेंगे नेमार

एजेंसियां

कुआला लंपुर: मुंबई सिटी एफसी को एएफसी चैंपियंस लीग 2023-24 के ग्रुप डी में सऊदी अरब के अल हिलाल एसएफसी के साथ रखा गया है। एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने गुरुवार को ड्रॉ आयोजित करने के बाद यह जानकारी दी। इसका अर्थ है कि हाल ही में अल हिलाल के साथ अनुबंध करने वाले ब्राज़ील के अनुभवी खिलाड़ी नेमार सब कुछ सही रहने पर मुंबई एफसी का मुकाबला करने के लिए भारत आयेंगे। एएफसी चैंपियंस लीग के मुकाबले घर और बाहर के प्रारूप में खेले जाएंगे। मुंबई सिटी एफसी अपने घरेलू मैच पुणे के श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेलेगी। ग्रुप डी में मुंबई सिटी का सामना एफसी नासाजी मजांदरन और पीएफसी नवबहोर नामंगन से भी होगा। भारतीय क्लब ने 2022-23 इंडियन सुपर लीग शील्ड और उसके बाद जमशेदपुर एफसी के खिलाफ क्लब प्ले-ऑफ जीतकर लगातार दूसरी बार एशिया की प्रमुख क्लब प्रतियोगिता के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया है। रिकॉर्ड चार बार का एएफसी चैंपियंस लीग विजेता और पिछले छह में से चार सीजनों में फाइनल तक पहुंचने वाला अल हिलाल एसएफसी मुंबई सिटी की सबसे बड़ी परीक्षा साबित होगा। ईरान के 2021-22 हज़फ़ी कप का विजेता एफसी नासाजी माज़ंदरान और 2022 उज्बेकिस्तान सुपर लीग का उपविजेता क्लब पीएफसी नवबहोर नामंगन एएफसी चैंपियंस लीग में पदार्पण करेगा। राउंड रॉबिन लीग में खेले जाने वाले ग्रुप चरण के बाद ग्रुप विजेता और पांचों समूहों ने दूसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष तीन टीमें प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचेंगी। डेस बकिंघम की टीम ने पिछले सीज़न में एएफसी चैंपियंस लीग में शानदार प्रदर्शन किया था और इराक के अल कुवा अल जाविया पर दो जीत दर्ज करके सात अंकों के साथ ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रही थी। भारतीय धरती पर खेलने के अतिरिक्त लाभ के साथ मुंबई सिटी को इस सीज़न में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

मलेशिया की चुनौती के लिये तैयार भारतीय महिलाएं

एजेंसियां

सलालाह (ओमान: भारतीय महिला हॉकी टीम शुक्रवार को यहां मलेशिया के खिलाफ महिला एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह टूर्नामेंट 25 से 28 अगस्त तक होने वाला है। भारत का सामना एलीट पूल में मलेशिया के अलावा जापान और थाईलैंड से होगा। चैलेंजर्स पूल में हांगकांग, चीनी ताइपे, इंडोनेशिया, बंगलादेश, ईरान और मेज़बान ओमान शामिल हैं। एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप 2024 में कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। मेजबान देश होने के नाते ओमान पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। भारतीय महिलाओं को विश्व कप का टिकट कटाने के लिये क्वालीफायर टूर्नामेंट में शीर्ष तीन में रहना होगा। इसके अलावा, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप और ओशिनिया की शीर्ष तीन टीमें भी 2024 हॉकी 5एस विश्व कप के लिये क्वालीफाई करेंगी। मलेशिया से आखिरी बार भारतीय महिला टीम का सामना हॉकी एशिया कप 2022 में हुआ था, जहां भारत ने 9-0 की विशाल जीत हासिल की थी। उस टूर्नामेंट में भारत की टक्कर जापान से भी हुई थी। उस मुकाबले में भारतीय महिलाओं को 2-0 से हार का सामना करना पड़ा था। थाईलैंड से भारत की आखिरी भिड़त महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में हुई थी जब भारतीय महिला टीम 13-0 के अंतर से जीती थी। खेल के इस तेज़तर्रार और रोमांचक प्रारूप में हालांकि भारत किसी भी प्रतिद्वंदी को हल्के में नहीं आंक सकता। भारत की कप्तान नवजोत कौर का कहना है कि उनकी टीम को अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहना होगा। कप्तान कौर ने कहा, क्वालीफायर में कुछ टीमें मज़बूत हैं इसलिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। हम किसी को भी हल्के में नहीं ले सकते। हम आक्रामक हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे और 2024 एफआईएच हॉकी 5एस विश्व कप में पहुंचने के लिये कड़ी मेहनत करेंगे। पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम करने के बाद हम सर्वश्रेष्ठ बनने और पहला स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखेंगे। इस बीच, कप्तान की बातों से सहमति जताते हुए उप-कप्तान ज्योति ने कहा, यहां भाग लेने वाली प्रत्येक टीम सर्वश्रेष्ठ बनना चाहती है। हम समझते हैं कि दांव पर क्या है, और हम किसी भी टीम को हल्के में नहीं लेंगे। हम जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं। तैयारियां बेहतरीन रही हैं और हमारे पिछले प्रदर्शन से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम इस प्रारूप में उच्चतम स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना चाहते हैं।

अक्षरा सिंह की फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : भोजपुरी सिनेमा की जानीमानी अभिनेत्री अक्षरा सिंह की आने वाली फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। अक्षरा सिंह ने फिल्म 'अक्षरा' का फर्स्ट लुक को अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर शेयर किया है। फिल्म के पोस्टर में अक्षरा बेहद गुस्से में हाथ में हसुआ तिये नजर आ रही हैं। अक्षरा सिह की यह फिल्म महिला सशक्तिकरण पर आधारित होने वाली है। वहीं, अक्षरा सिंह ने इस फिल्म के लिए खुशी का इजहार किया और फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार एवं कुलदीप श्रीवास्तव के साथ निर्देशक देव पांडेय और लेखक राकेश त्रिपाठी का आभार जताया। अक्षरा ने कहा कि इतनी खूबसूरत फिल्म बनाने के लिए मैं इन सबों की शुक्रगुजार हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मेरे नाम के टाइटल के साथ फिल्म बन रही है और उसमें मैं लीड रोल में हूं। इसका फर्स्ट लुक आज जारी हो गया है।

मैं अपने फैंस से आग्रह करूंगी कि आप मेरे इस फिल्म के फर्स्ट लुक पर खुल कर अपनी राय व्यक्त करें। मैं आपको विश्वास दिलाती हूं कि फिल्म और भी बेहतरीन होने वाली है। वर्ल्डवाइड चैनल और सबरंग फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म अक्षरा में अक्षरा सिंह के साथ अंशुमान मिश्रा, धानी गुप्ता, विनोद मिश्रा, अनुप अरोरा, विनीत विशाल, जे.नीलम, मटरू, बीना पांडे, शुभकिशन शुक्ला, प्रतिभा साहू, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, सीपी भट्ट, संजीव मिश्रा, अखिलेश शुक्ला, संजू सोलंकी, रिंकी शुक्ला, आर.नरेंद्र, आर्यन विश्वकर्मा, कानू मुखर्जी, सोनू सनम माही, कन्हिया एस.विश्वकर्मा, सौरव चौधरी, सनाया गुप्ता, रितिका सिह, पप्पू खान, एचआरपी बाबू, चंचल त्रिपाठी और सतीश यादव प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार ओम झा और गीतकार प्यारे लाल यादव कवि जी, सभा वर्मा, फनिदर राव एवं राकेश निराला हैं।

जानी मानी फिल्म अभिनेत्री सीमा आर देव का निधन

एजेंसियां

मुंबई : दिग्गज बॉलीवुड और मराठी फिल्म अभिनेत्री सीमा आर. देव का लंबी बीमारी के बाद यहां निधन हो गया, पारिवारिक सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 81 वर्ष की थीं। सीमा देव (81) अल्जाइमर रोग और अन्य विकारों से पीड़ित थीं । उन्होंने आज सुबह एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके पति रमेश देव जाने माने अभिनेता है और उनके दो बेटे अजिन्क्या और अभिनय में से एक अजिन्क्या अभिनेता तथा अभिनय निर्देशक हैं। अभिनेत्री सीमा का जन्म मुंबई में हुआ और उनका वास्तविक नाम नलिनी सराफ था। उन्होंने भारतीय फिल्म उद्योग के काले और सफेद से रंगीन युग तक छह दशकों से अधिक लंबे करियर में लगभग 90 हिंदी और मराठी फिल्मों में अभिनय किया है। उन्हें अपने पति रमेश और अमिताभ बच्चन सहित अन्य अभिनेताओं के साथ म्यूजिकल ब्लॉकबस्टर '' आनंद (1971)'' में उनकी प्रमुख भूमिका के लिए बेहद याद किया जाता है।

नेहा राज का लोकगीत 'हमरा मरद के फसइलु'रिलीज

एजेंसियां

मुंबई : सिंगर नेहा राज का नया लोकगीत 'हमरा मरद के फसइलु' वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। हमरा मरद के फसइलु गाने को नेहा राज ने गाया है और यह गाना अभिनेत्री सुनीता सिंह पर फिल्माया गया है। गाने के वीडियो में सुनीता सिंह अपने पति को अपनी सहेली के साथ रोमांस करते देख लेती हैं तो वह अपनी सहेली को खरी खोटी सुनाते हुए कहती हैं कि देले ना धियान ऊ त बोलेला ना, प्यार से मुंह कभो खोलेला ना... बोला का घोर के पियउलू ह हो, हमरे मरद के फसइलु हो, ई का कइलु हो... सखिया के सवतिन बनइलु हो, ई का कइलु हो...वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स प्रस्तुत भोजपुरी गीत 'हमरा मरद के फसइलु'के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं।

यश कुमार की फिल्म महमूद मियां की गाय की शूटिंग शुरू

एजेंसियां

मुंबई : भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता यश कुमार की नई फिल्म महमूद मियां की गाय की शूटिंग शुरू हो गयी है। शांति मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत फिल्म महमूद मियां की गाय में यश कुमार महमूद की भूमिका में नजर आने वाले हैं।यश कुमार ने कहा कि महमूद मियां की गाय मनोरंजन से भरपूर फिल्म होने वाली है। इसको लेकर हम सभी बहुत एक्साइटेड है और हम इस फिल्म में अपना हंड्रेड परसेंट दे रहे हैं। हमारी फिल्म का टाइटल कहानी के हिसाब से ही लिया गया है, अभी फिल्म की कहानी बता नहीं सकता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि जब यह फिल्म रिलीज होगी तो मनोरंजन भरपूर देने वाली है। यश कुमार ने कहा कि मुझे अलग-अलग विषयों पर फिल्म करने में मजा आता है, मेरा मानना है कि मनोरंजन के साथ-साथ सिनेमा की सार्थकता को भी लेकर चला जाना चाहिए, जो आपको हमारी सभी फिल्मों में देखने को मिलेगा। फिल्म एक्शन भी होगा, इमोशन भी होगा और अट्रैक्शन भी होगा। फिल्म महमूद मियां की गाय के निर्माता यश कुमार, वेद तिवारी, मनीष जैन और अशोक पांडेय हैं। इस फिल्म के निर्देशक अजय कुमार सिंह है। फिल्म में यश कुमार के साथ जोया खान, अनूप खान, धाम वर्मा, विद्या सिह, संगीता राय, प्रेम दुबे, अजय सूर्यवंशी और सचिन श्रीवास्तव मुख्य भूमिका में होंगे।

प्रदेश ›› अपडेट

औरंगाबाद में रिश्वत लेते थानाध्यक्ष गिरफ्तार

औरंगाबाद: बिहार राज्य सर्तकता अन्वेषण ब्यूरो ने गुरूवार को औरंगाबाद जिले के उपहारा थाना के थानाध्यक्ष आनंद कुमार गुप्ता को 20 हजार रूपये रिश्वत लेते हुये गिरफ्तार कर लिया। निगरानी विभाग के सूत्रों ने यहां बताया कि थानाध्यक्ष आनंद कुमार गुप्ता थाना परिसर में हमीदनगर के एक व्यक्ति से 20 हजार रूपये रिश्वत ले रहा था तभी उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया।

शॉर्ट न्यूज अपडेट्स ››

चंद्रयान-3: सिद्दारमैया ने इसरो प्रमुख सोमनाथ को भेंट की गुलदस्ता

बेंगलुरु: कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने गुरुवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का दौरा किया और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिग के लिए इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ को हार्दिक बधाई देते हुए फूलों की गुलदस्ता और पगड़ी भेंट की। आधिकारिक सूत्रों ने कहा,'' श्री सिद्दारमैया ने वैज्ञानिकों से मुलाकात के दौरान डॉ. सोमनाथ को गुलदस्ता और पगड़ी भेंट की।'' चंद्रयान-3 कल एक ऐतिहासिक घटना में शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा जिसका पूरा देश ने उत्सव मनाया। इसके साथ ही भारत चंद्रमा की इस अज्ञात सतह पर उतरने वाला पहला और इसकी सतह पर उतरने वाला अमेरिका, चीन और तत्कालीन सोवियत संघ के बाद चौथा देश बन गया। कल शाम छह बजकर चार मिनट पर लैंडर विक्रम के चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिग के करीब ढाई घंटे बाद रोवर प्रज्ञान लैंडर से बाहर आया और चहलकदमी शुरू कर दी। इसरो ने कहा ,''भारत ने चंद्रमा पर सैर की।'' इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) कहा , ''रोवर लैंडर विक्रम से बाहर निकल आया ।

संक्षिप्त ›› अपडेट्स

सीबीआई ने नगर पालिका भर्ती घोटाले में मंत्री को तलब किया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में कई नगर पालिकाओं में कथित भर्ती घोटाले की जांच कर रही केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने राज्य के दमकल विभाग के मंत्री सुजीत बोस को 31 अगस्त को जांच अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए कहा है। आधिकारिक सूत्र गुरुवार को बताया कि सीबीआई के अधिकारियों को श्री बोस यहां स्थित एजेंसी के कार्यालय, निज़ाम पैलेस में 31 अगस्त को सुबह 11 बजे उपस्थित होने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई की भ्रष्टाचार विरोधी शाखा ने कम से कम 14 नगर पालिकाओं पर छापे के दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए और भर्ती प्रक्रियाओं में कुछ प्रभावशाली अधिकारियों के बीच संबंधों के सबूत पाए गए। इसके अलावा केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आरोपी अयान सिल को गिरफ्तार कर लिया है।

योगी ने सुनी 200 से अधिक की फरियाद

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों की समस्यायों को सुना और उन्हे त्वरित न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की समस्याओं को गंभीर, संवेदनशील होकर ध्यान से सुनें और त्वरित निस्तारण कराएं, जिससे किसी को भी परेशान न होना पड़े। जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की जिन्हें आवश्यकता है, उनके एस्टिमेट की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए।

प्रदूषण कम करने के लिए हवाई जहाजों के नये डिजाइन पर शोध

एजेंसियां

वाशिंगटन: आम तौर पर दुनिया के वाणिज्यिक हवाई जहाजों के मूल डिजाइन में पिछले 60 वर्षों में बहुत अधिक बदलाव नहीं हुआ है। बोइंग 787 और एयरबस ए350 जैसे आधुनिक एयरलाइनरों का सामान्य आकार बोइंग 707 और डगलस डीसी-8 के समान है, जो 1950 के दशक के अंत में बनाए गए थे और ट्यूब और विंग फॉर्म फैक्टर को मजबूत किया था जो आज भी उपयोग में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वाणिज्यिक विमानन सुरक्षा को प्राथमिकता देता है, आजमाए और परखे हुए समाधानों को प्राथमिकता देता है, और इसी वजह से पारंपरिक डिजाइन अभी भी प्रासंगिक है। हालाँकि, जैसा कि विमानन उद्योग कार्बन उत्सर्जन को कम करने के तरीकों की तलाश में है, उसे अन्य क्षेत्रों की तुलना में कुछ हद तक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है, क्योंकि इसकी मुख्य प्रौद्योगिकियाँ इससे दूर जाना बहुत कठिन साबित हुई हैं। कुछ नया आजमाने का समय आ सकता है। एक प्रस्ताव मिश्रित विंग बॉडी का है। यह पूरी तरह से नया विमान आकार प्रतिष्ठित बी-2 बॉम्बर जैसे सैन्य विमानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले फ्लाइंग विंग डिजाइन के समान दिखता है, लेकिन मिश्रित विंग के मध्य भाग में अधिक मात्रा होती है। बोइंग और एयरबस दोनों इस विचार के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं, और तीसरा खिलाड़ी, कैलिफोर्निया स्थित जेटजीरो भी है, जिसने 2030 तक जल्द से जल्द एक मिश्रित पंख वाले विमान को सेवा में लाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

जेट जीरो के सह-संस्थापक और सीईओ टॉम ओ लेरी कहते हैं, हम बड़े जेटों में शून्य उत्सर्जन के मार्ग के बारे में बहुत दृढ़ता से महसूस करते हैं, और मिश्रित विंग एयरफ्रेम 50 फीसद कम ईंधन जला और उत्सर्जन प्रदान कर सकता है। उद्योग जिस आदत का आदी है, उसकी तुलना में यह एक चौंका देने वाली छलांग है। मिश्रित पंख की अवधारणा बिल्कुल नई है, और इस डिजाइन के साथ हवाई जहाज बनाने का सबसे पहला प्रयास जर्मनी में 1920 के दशक के अंत में हुआ था। अमेरिकी विमान डिजाइनर और उद्योगपति जैक नॉर्थ्रॉप ने 1947 में जेट-संचालित फ्लाइंग विंग डिजाइन बनाया, जिसने 1990 के दशक में बी-2 को प्रेरित किया। एक उड़ने वाले पंख और एक पारंपरिक ट्यूब और पंख के बीच एक प्रकार के संकर के रूप में, मिश्रित पंख पूरे विमान को लिफ्ट उत्पन्न करने, ड्रैग को कम करने की अनुमति देता है। नासा का कहना है कि यह आकार ईंधन अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में मदद करता है और विमान के मध्य भाग में बड़े पेलोड (कार्गो या यात्री) क्षेत्र बनाता है। एजेंसी ने अपने एक प्रायोगिक विमान एक्स-48 के जरिए इसका परीक्षण किया है। 2007 और 2012 के बीच लगभग 120 से अधिक परीक्षण उड़ानों में, दो मानवरहित, रिमोट-नियंत्रित एक्स-48 ने अवधारणा की व्यवहार्यता का प्रदर्शन किया। एजेंसी का कहना है, इस प्रकार के विमान का पंख बोइंग 747 से थोड़ा बड़ा होगा और यह मौजूदा हवाई अड्डे के टर्मिनलों से संचालित हो सकता है। साथ ही यह भी कहा गया है कि विमान का वजन भी कम होगा, शोर और उत्सर्जन भी कम होगा और संचालन की लागत भी कम होगी। एक समान रूप से उन्नत पारंपरिक परिवहन विमान की तुलना में। 2020 में, एयरबस ने लगभग छह फीट लंबा एक छोटा मिश्रित पंख प्रदर्शक बनाया, जो भविष्य में पूर्ण आकार के विमान को आगे बढ़ाने में रुचि का संकेत देता है। लेकिन अगर आकार इतना प्रभावी है, तो हम अभी तक इसके आधार पर विमान बनाने की ओर क्यों नहीं बढ़े? ओ लेरी के अनुसार, निमार्ताओं को पीछे खींचने वाली एक मुख्य तकनीकी चुनौती है। यह एक गैर-बेलनाकार धड़ का दबाव है। एक ट्यूब के आकार का विमान प्रत्येक उड़ान के साथ आने वाले निरंतर विस्तार और संकुचन चक्रों को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम है। इस तरह का मौलिक नया आकार विमान के इंटीरियर को आज के वाइडबॉडी विमान से बिल्कुल अलग बना देगा। ओ लेरी कहते हैं, यह बस एक बहुत, बहुत व्यापक धड़ है। आपके सामान्य एकल-गलियारे वाले विमान में तीन गुणा तीन सीटें होती हैं, लेकिन यह एक प्रकार की छोटी, चौड़ी ट्यूब होती है। आपको समान संख्या में लोग मिलते हैं, लेकिन आपके पूरे केबिन में 15 या 20 पंक्तियाँ हो सकती हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि प्रत्येक विशेष एयरलाइन इसे कैसे कॉनफि गर करेगी।

प्रतिबंध

भारत के प्रतिबंध विश्व के बाजार पर पड़ेगा असर

चीनी निर्यात पर रोक लगायेगी सरकार

● भारत चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है

राष्ट्रीय खबर

ढाका: दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश भारत चीनी का निर्यात बंद करने जा रहा है। बुधवार को तीन सरकारी सूत्रों ने बताया कि चीनी मिलों को अक्टूबर से शुरू होने वाले नए सीजन से निर्यात बंद करने का आदेश दिया जा सकता है। बारिश की कमी के कारण गन्ने की कम पैदावार के कारण देश अगले सीजन अक्टूबर से यह पहल करने जा रहा है। सात साल में यह पहली बार है जब भारत चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है। भारत के प्रतिबंध का विश्व बाजार पर बड़ा असर पड़ेगा, जो पहले से ही बढ़ रहा है। खबरों के मुताबिक, सूखे के कारण उत्पादन में लगे बड़े झटके के कारण भारत अपने बाजार को संभालने के लिए चीनी का निर्यात बंद करने जा रहा है। भारत चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है और निर्यात में देश ब्राजील के बाद है। चीनी पर यह फैसला भारत द्वारा घरेलू बाजार में कीमतें स्थिर रखने के लिए चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने और प्याज पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाने के फैसले के बाद आ रहा है। भारत में खुदरा चीनी की कीमतें पिछले सप्ताह दो साल में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। अगस्त में, सरकार ने कीमतों को स्थिर रखने के लिए चीनी मिलों को अतिरिक्त दो लाख टन बेचने की अनुमति दी। जुलाई और अगस्त की प्रमुख अवधि के दौरान बारिश की कमी के कारण खेती बाधित होती है। अल नीनो के प्रभाव से देश सात दशकों में सबसे भीषण सूखे का सामना कर रहा है। मौसम पूर्वानुमान ने चेतावनी दी है कि इस साल के अंत में यह और अधिक स्पष्ट होगा। उत्पादन में कमी के कारण खाद्य उत्पादों की कीमत बढ़ रही है, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ रही है।मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, भारत के शीर्ष गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में से पश्चिमी राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक के जिलों में मानसूनी वर्षा में 50 प्रतिशत की कमी आई है। देश की कुल चीनी की आधी आपूर्ति इन्हीं जिलों से होती है। देश की सरकार इस साल के अंत में आम चुनावों से पहले कमोडिटी की कीमतों को स्थिर करने के प्रयासों के तहत प्रतिबंधों और टैरिफ के माध्यम से निर्यात को नियंत्रित करना चाहती है। इस साल सितंबर में समाप्त होने वाले सीजन के दौरान कारखानों को 6।1 लाख टन चीनी निर्यात करने की अनुमति दी गई थी। हालाँकि, भारत ने पिछले सीजन में रिकॉर्ड 1।1 मिलियन टन चीनी बेची। बांग्लादेश में सालाना 21 लाख मीट्रिक टन चीनी की मांग है। इसमें से लगभग 100,000 टन चीनी का उत्पादन देश में होता है। बाकी चीनी भारत, ब्राजील, अर्जेंटीना से आयात की जाती है। यहां बांग्लादेश में सीटी, मेघना, एस आलम, देशबंधु और अब्दुल मोनेम लिमिटेड जैसी कंपनियां कच्ची चीनी का आयात करती हैं और कारखानों में इसे परिष्कृत करने के बाद इसका विपणन करती हैं। रिफाइंड चीनी सीधे खाद्य प्रसंस्करण कंपनियों द्वारा आयात की जाती है। सालाना करीब 21 लाख टन चीनी का आयात किया जाता है। बांग्लादेश में चीनी की कीमत पिछले एक साल में लगभग दोगुनी हो गई है। जून 2022 में चीनी की कीमत 80 से 84 टका प्रति किलोग्राम थी। बांग्लादेश शुगर रिफाइनर्स एसोसिएशन ने खुली चीनी की कीमत में 5 टका से 130 टका प्रति किलोग्राम और रिफाइंड पैकेट चीनी की कीमत में 5 टका से 135 टका प्रति किलोग्राम की कटौती करने का फैसला किया है।

रूस की संघीय एजेंसी ने विमान दुर्घटना की जांच शुरु की

एजेंसियां

मॉस्को/वाशिंगटन: रूस की हवाई परिवहन संघीय एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसने टवर क्षेत्र में हुई विमान दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई, विमान के यात्रियों में निजी सेना वैगनर के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल थे। एजेंसी ने कहा, आज शाम टवर क्षेत्र में हुई एम्ब्रेयर विमान दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। यात्री सूची के अनुसार, इसमें पहला और अंतिम नाम येवगेनी प्रिगोझिन का शामिल था। एजेंसी के मुताबिक, विमान एमएनटी-एयरो नाम की कंपनी का था और मॉस्को के शेरेमेतयेवो हवाई अड्डे से सेंट पीटर्सबर्ग के लिए उड़ान पर था। स्थानीय मीडिया ने बताया कि निजी सेना वैगनर के नेता येवगेनी प्रिगोझिन विमान पर थे। इस बीच, रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि बचाव अभियान के दौरान आठ शव मिले हैं , अभियान अभी भी जारी है। व्हाइट हाउस प्रेस पूल के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को उन रिपोर्टों के बारे में जानकारी दी गई है कि प्रिगोझिन को ले जा रहा एक विमान कथित तौर पर रूस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपने अकाउंट के माध्यम से कहा, हमने रिपोर्ट देखी है। अगर पुष्टि हो जाती है, तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

कंबोडिया के नए प्रधानमंत्री ने विकास को बढ़ावा देने के लिए शुरू की रणनीति

एजेंसियां

नोम पेन्ह: कंबोडिया के नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री हुन मानेट ने गुरुवार को पहली कैबिनेट बैठक के दौरान 'पेंटागोनल रणनीति-प्रथम चरण 2023-2028' लॉन्च की। कार्यक्रम में हुन मानेट ने कहा कि रणनीति विकास को बढ़ावा देने, नौकरियां पैदा करने, समानता सुनिश्चित करने, दक्षता बढ़ाने और कंबोडिया विजन 2050 को साकार करने की यात्रा में स्थिरता बनाए रखने के लिए डिज़ाइन की गई थी। उन्होंने कहा, '' अगले 25 वर्ष कंबोडिया के लिए एक नया चक्र होंगे, और देश अपने राष्ट्रीय गौरव को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा रखता है। उन्होंने कहा, '' कंबोडिया की शाही सरकार पेंटागोनल रणनीति-प्रथम चरण के लिए पांच प्रमुख प्राथमिकताओं की पहचान करती है, अर्थात लोग, सड़क, पानी, बिजली और प्रौद्योगिकी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रणनीति का मिशन कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति की रक्षा और पोषण करना और 2030 तक उच्च मध्यम आय वाला देश और 2050 तक उच्च आय वाला देश बनने के मील के पत्थर को हासिल करने के लिए राष्ट्रीय विकास में तेजी लाना है। उन्होंने कहा कि यह रणनीति पांच क्षेत्रों, अर्थात सार्वजनिक क्षेत्र, आर्थिक क्षेत्र, वित्तीय क्षेत्र, मानव और सामाजिक पूंजी क्षेत्र, और पर्यावरण क्षेत्र और जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया की लचीलापन को मजबूत करेगी। हुन मानेट ने कहा कि यह प्रति वर्ष औसतन लगभग 07 प्रतिशत की संकट-रोधी आर्थिक वृद्धि सुनिश्चित करेगा, कंबोडियाई लोगों के लिए, विशेष रूप से युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा करेगा, गरीबी दर को 10 प्रतिशत से कम करेगा, शासन क्षमता को मजबूत करेगा और सार्वजनिक संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार करेगा और सतत सामाजिक आर्थिक विकास सुनिश्चित करें।

समीक्षा

राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने एड्स कार्यक्रम की समीक्षा

एड्स का कलंक मिटाने की आवश्यकता

●● पीएलएचआईवी के लिए नियमित वायरल लोड मॉनिटरिंग आदि कदम उठाये जा रहे हैं

राष्ट्रीय खबर

नयी दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने एड्स- एचआईवी का सामाजिक कलंक मिटाने पर जोर देते हुए कहा है कि दृढ़ संकल्प और सर्मपण के साथ इससे लड़ा जा सकता हैं। प्रो. बघेल ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के परियोजना निदेशकों के साथ राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि एचआईवी एड्स रोगियों का सामाजिक कलंक मिटाने पर बल दिया जाना चाहिए। उन्होंने एचआईवी एवं एड्स और एसटीडी (यौन संचारित रोग) की निदान प्रतिक्रिया को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एड्स टोल-फ्री हेल्पलाइन, आजीवन मुफ्त एआरटी सेवाएं, एचआईवी से पीड़ित लोगों के लिए मुफ्त आजीवन एंटीरेट्रोवायरल (एआरवी) दवाएं, निशुल्क पालन परामर्श, नैदानिक और निगरानी सेवाएं जैसे बेसलाइन प्रयोगशाला जांच, सीडी 4 काउंट परीक्षण,और पीएलएचआईवी के लिए नियमित वायरल लोड मॉनिटरिंग आदि कदम उठाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एड्स और एचआईवी पीड़ितों के खिलाफ भेदभाव को कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सरकार ने '' प्रतिष्ठानों के लिए एचआईवी और एड्स नीति 2022'' अधिसूचित की है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने सटीक जांच और उपचार पर जोर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि देखभाल सेवाएं देश के दूरदराज के हिस्सों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति परीक्षण के लिए सहमति नहीं देता है, वह पूरे समाज को नुकसान पहुंचा रहा है, क्योंकि वह बीमारी फैला सकता है। उन्होंने कहा कि एचआईवी-एड्स से जुड़े मिथकों को दूर करना बहुत महत्वपूर्ण है और समग्र रूप से समाज के बारे में सोचने और अपना परीक्षण कराने की जरूरत है। एचआईवी- एड्स रोगियों को भी उसी तरह सहायता करने की आवश्यकता है जैसे अन्य रोगियों को हैं। दो दिवसीय बैठक 24 और 25 अगस्त को आगरा में आयोजित की जा रही है। बैठक का उद्देश्य 2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एचआईवी- एड्स को समाप्त करने के सतत विकास लक्ष्य का हिस्सा बनना है। राष्ट्रीय एड्स और एसटीडी नियंत्रण कार्यक्रम (एनएसीपी) वर्तमान में पांचवें चरण में है, जिसका उद्देश्य नए एचआईवी संक्रमणों के साथ-साथ एड्स से संबंधित मृत्यु दर को कम करना और समाज में एचआईवी-एड्स से संबंधित कलंक को खत्म करना है।

न्यूज फटाफट

जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण का दूसरा प्रयास विफल रहा-उ कोरिया

प्योंगयांग: उत्तर कोरिया ने कहा है कि जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण करने का उसका दूसरा प्रयास विफल हो गया है। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के हवाले से यह खबर दी है। समाचार एजेंसी के मुताबिक, उत्तर कोरिया अक्टूबर में उपग्रह के तीसरे प्रक्षेपण का प्रयास करेगा। योनहाप ने पहले दक्षिण कोरिया की सेना का हवाला देते हुए बताया था कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को एक तथाकथित अंतरिक्ष प्रक्षेपण यान प्रक्षेपित किया।

लेबनान में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में दो जवानों की मौत

बेरूत: लेबनानी वायु सेना का एक हेलीकॉप्टर बुधवार शाम बेरूत से लगभग 26 किलोमीटर पूर्व में मध्य लेबनान के एक कस्बे हम्माना में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सेना के दो जवानों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। स्थानीय टीवी चैनल एलबीसीआई ने यह जानकारी दी। एलबीसीआई ने कहा कि प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारण अभी भी अज्ञात है।

यमन में बारूदी सुरंग में विस्फोट से दो लोगों की मौत

सना: यमन के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह में बुधवार को एक बारूदी सुरंग में विस्फोट हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई। यमन के मानवाधिकार मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। दक्षिणी जिले अल-दुरैहिमी के अल-हयेत क्षेत्र में एक सड़क के किनारे जब दो नागरिक बारूदी सुरंग के ऊपर से गुजर रहे थे तो उसमें विस्फोट हो गया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय चिकित्सकों के अनुसार, बुधवार को एक अन्य दुर्घटना में, उत्तरपूर्वी प्रांत मारिब के राघवन जिले में एक खेत से बारुदी सुरंग को हटाने की प्रक्रिया के दौरान हुए विस्फोट में एक सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया। यमन के खनन विशेषज्ञों ने कहा कि 2014 के अंत में गृह युद्ध शुरू होने के बाद से 10 लाख से अधिक बारूदी सुरंगें बिछाई गई थी।

डीपीआरके का टोही उपग्रह प्रक्षेपण का दूसरा प्रयास विफल-केसीएनए

सियोल: डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) द्वारा किया गया टोही उपग्रह प्रक्षेपण का दूसरा प्रयास गुरुवार को विफल हो गया। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) ने यह जानकारी दी। केसीएनए ने बताया कि रॉकेट के पहले और दूसरे चरण की उड़ानें सामान्य थीं, लेकिन तीसरे चरण की उड़ान के दौरान आपातकालीन विस्फोट प्रणाली में त्रुटि के कारण प्रक्षेपण विफल रहा। केसीएनए के अनुसार उत्तर कोरिया के नेशनल एयरोस्पेस डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन (एनएडीए) ने गुरुवार को भोर में उत्तरी प्योंगान प्रांत के चोलसन काउंटी में सोहे सैटेलाइट लॉन्चिग ग्राउंड में नए प्रकार के वाहक रॉकेट चोलिमा -1 पर सवार होकर टोही उपग्रह मल्लीगयोंग -1 का दूसरा प्रक्षेपण किया। एनएडीए ने कहा कि वह इसकी गहन जांच करेगा और अक्टूबर में तीसरा टोही उपग्रह प्रक्षेपण करेगा। डीपीआरके ने मई के अंत में एक टोही उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का पहला प्रयास किया था।

वैगनर प्रमुख प्रिगोझिन की विमान दुर्घटना में मौत

मॉस्को/वाशिंगटन: रूस में निजी सेना वैगनर के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन की मॉस्को के पास टवर क्षेत्र में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई है। रुस की हवाई परिवहन संघीय एजेंसी ने बुधवार को इसकी पुष्टि की। एजेंसी द्वारा अपने टेलीग्राम अकाउंट पर जारी सूची के अनुसार, प्रिगोझिन उन दस लोगों में शामिल थे, जिनकी बुधवार को विमान दुर्घटना में मौत हो गयी थी। एजेंसी ने पहले कहा था कि टवर क्षेत्र में विमान दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है, जिसमें कहा गया है कि यात्रियों में येवगेनी प्रिगोझिन भी शामिल थे। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को से सेंट पीटर्सबर्ग जा रहा एक निजी एम्ब्रेयर विमान बुधवार को टवर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में विमान में सवार सभी दस लोगों की मौत हो गई। व्हाइट हाउस प्रेस पूल के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को इसके बारे में जानकारी दी गई। दुर्घटना के बारे में पूछे जाने पर बाइडेन ने कहा, मैं वास्तव में नहीं जानता कि क्या हुआ लेकिन मैं आश्चर्यचकित नहीं हूं। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वॉटसन ने सोशल मीडिया साइट एक्स, पर अपने अकाउंट के माध्यम से कहा, हमने रिपोर्ट देखी है। अगर पुष्टि हो जाती है, तो किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

रूस ने यूक्रेन के ड्रोन हमले को किया नाकाम

मास्को: रूस ने ब्रांस्क और कलुगा क्षेत्रों में तीन मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को नष्ट करके यूक्रेन के ड्रोन हमले को रोक दिया है। रूस रूसी रक्षा मंत्रालय ने बयान में गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के कहा, इस रात, विमान-प्रकार के मानव रहित हवाई वाहनों द्वारा आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के कीव शासन के प्रयास को विफल कर दिया गया। ब्रांस्क क्षेत्र में वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा दो यूएवी को नष्ट कर दिया गया। एक और यूक्रेनी ड्रोन का पता लगाया गया और कलुगा क्षेत्र के ऊपर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा नष्ट कर दिया गया।

ईरान में तीन आतंकवादी गिरफ्तार

तेहरान: ईरान की पुलिस ने दक्षिणपूर्वी सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में एक आतंकवादी समूह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईआरएनए की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों संदिग्ध 'जैश अल-जुल्म' समूह से संबंधित हैं। एक अलगाववादी गुट जिसके बारे में ईरान का कहना है कि वह अल-कायदा से जुड़ा हुआ है। प्रांत के पुलिस कमांडर दोस्ताली जलिलियन ने जारी रिपोर्ट में बताया कि संदिग्धों ने पूरे प्रांत में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की कोशिश की, उन्हें ईरान शहर काउंटी में कानून प्रवर्तन बलों द्वारा गिरफ्तार किया गया।

आज का इतिहास

●● 1351: सुल्तान फिरोजशाह तुग़लक़ तृतीय की ताजपोशी ।
●● 1916: टोटनबर्ग के युद्ध में रूस ने जर्मनी को पराजित किया।
●● 1940: लिथुआनिया, लातविया और एस्तोनिया सोवियत संघ में शामिल हुए।
●● 1957: भारतीय पोलो टीम ने विश्व कप जीता।
●● 1963: सोवियत संघ के नेता जोसेफ स्टालिन के सोलह विरोधियों को फाँसी पर चढ़ा दिया गया।
●● 1977: सर एडमंड हिलेरी का सागर से हिमालय अभियान हल्दिया बंदरगाह से शुरू।
●● 1980: जिम्बाब्वे संयुक्त राष्ट्र में शामिल हुआ।
●● 1991: बेलारूस सोवियत संघ से अलग होकर स्वतंत्र देश बना।
●● 1994: भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का जन्म।
●● 1997: मासूमा, इक्तेकार ईरान की पहली महिला उपराष्ट्रपति नियुक्त।
●● 2001: लंदन में आस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर शेनवार्न टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 टेस्ट विकेट लेने वाले पहले स्पिन गेंदबाज बने।
●● 2003: मुंबई के गेटवे ऑफ़ इंडिया और मुंबी देवी मंदिर के पास हुए कार बम विस्फोट में 50 से ज़्यादा लोगों की मौत हो गई तथा 150 से अधिक घायल हो गए।
●● 2008: मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2008-09 के लिए सरकारी स्कूलों के सभी छात्रों को बीमा करने का अनुरोधन किया।
●● 2011: लंका की सरकार ने देश में घोषित आपातकाल को 30 वर्ष बाद वापस लिया।
●● 2012: चाँद पर कदम रखने वाले दुनिया के पहले अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग का निधन।

राष्ट्रीय ख़बर
हमारी नज़र

प्रथम पृष्ठ 2

रांची शुक्रवार 12

web : www.rashtriyakhabar.com

epaper.rastriyakhabar.com

25:08:2023

सरकार ने रखा पक्ष

रांचीः संविदा पर नियुक्त कर्मियों और दैनिक कर्मियों की ओर से हाईकोर्ट में दायर 87 अलग-अलग याचिकाओं की एक साथ सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। इस मामले में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा। बहस जारी रही। अगली सुनवाई अब 31 अगस्त को होगी। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डॉ एसएन पाठक की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई।

याचिका जमीन घोटाले मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ करना चाहती है

सीएम हेमंत सोरेन पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, ईडी के समन के खिलाफ दाखिल की याचिका

▶▶सीएम आवास के कर्मी ने ईडी अधिकारी को सौंपा पत्र

राष्ट्रीय खबर

रांची: ईडी के समन के खिलाफ सीएम हेमंत सोरेन सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। याचिका दाखिल की। ईडी ने दूसरी बार सीएम को समन जारी कर 24 अगस्त को पूछताछ के लिए ईडी के जोनल कार्यालय रांची में उपस्थित होने का निर्देश दिया था जिसे उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।वहीं ईडी के समन के खिलाफ आज पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं होने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बाद सीएम आवास के कर्मी सूरज कुमार ईडी कार्यालय पहुंचे और ईडी अधिकारियों को एक पत्र देकर वापस चला गया। इस संबंध में सूरज कुमार ने कहा कि यह पत्र सीएमओ की ओर से दिया गया था, जिसे सौंपने के लिए वह यहां आया हुआ था। आपको बता दें कि जमीन घोटाले मामले में ईडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछताछ को लेकर पहले 8 अगस्त को और फिर 19 अगस्त को समन जारी कर पूछताछ के लिए आज बुलाया था। ईडी रांची जमीन घोटाले मामले में अब तक निलंबित आईएएस छवि रंजन समेत एक दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ 26 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का करेगा घेराव

राष्ट्रीय खबर

रांची:राज्यस्तरीय पंचायत सचिवालय स्वंय सेवक संघ के आह्वान पर झारखंड के सभी पंचायत स्वयंसेवक राजभवन के समक्ष 50 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन में हैं। इस संबंध में सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिए जाने और ना ही वार्ता के लिए बुलाए जाने से नाराज स्वंयसेवक अब 26 अगस्त को सीएम आवास का घेराव करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने इस संबंध में बताया कि सरकार के रवैये से परेशान स्वयंसेवको क्षुब्ध होकर अपनी 5 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने ,वालिया लहजे में कहा कि आखिर माननीय मुख्यमंत्री पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता क्यों नहीं करना चाहते हैं। जबकि मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के समय संघ के प्रतिनिधिमंडल से वादा किया था कि मेरी सरकार बनेगी तो पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक के मांगों को पूरा किया जाएगा और अब जब सरकार बने 4 साल होने को आए है तो स्वंयसेवक 8 जुलाई से राजभवन के पास अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन पर बैठे हैं। संघ चाहता है कि उनकी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री से 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वार्ता हो। जबतक सरकार हमारी मांगे पूरा नहीं करेगी, तबतक अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

हाई कोर्ट में हाजिर हुए डीजीपी, क्राइम कंट्रोल पर चार सप्ताह में मांगा गया रिपोर्ट

राष्ट्रीय खबर

रांचीः राज्य के डीजीपी अजय कुमार सिंह आज झारखंड हाई कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस दिवंगत एमवाई इकबाल के रांची स्थित जमीन को भू माफिया द्वारा अवैध तरीके से हड़पने के मामले में जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की अदालत ने कई सवाल किए। इस मामले में स्वतः संज्ञान के बाद दर्ज याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने राज्य में बढ़ रही अपराधी घटनाओं पर चिंता जताई।झारखंड हाई कोर्ट ने डीजीपी के जवाब पर सहमति जताते हुए चार सप्ताह के भीतर बढ़ते आपराधिक मामलों को रोकने के लिए पुलिस द्वारा उठाए गए कदम के बारे में विस्तृत बिंदुवार और अद्यतन जानकारी पेश करने को कहा है।

हाई कोर्ट ने डीजीपी से यह भी पूछा है कि वह विस्तृत रिपोर्ट के जरिए यह भी बताएं कि उन्होंने अब तक क्या-क्या कदम उठाया है। आपराधिक वारदातों को रोकने के लिए क्या-क्या किया जा रहा है और क्या कमी दिखी है। खासकर भूमाफियाओं के खिलाफ क्या-क्या कार्रवाई की गई है। भविष्य में अपराध पर रोकथाम के लिए क्या योजनाएं बनाई गई है।

मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी।सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि भू माफियाओं के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। वैसे भूमाफिया जिन पर कई केस दर्ज हैं, उन्हें जिला बदर किया जा रहा है। जिन पर चार केस हैं, उन्हें 15 दिन पर थाने में हाजिरी लगाने के लिए कहा जा रहा है। वैसे भूमाफिया जिन पर तीन केस हैं उनसे बॉन्ड भरवाया जा रहा है। इसके अलावा भी भू माफियाओं के खिलाफ कई तरह की कार्रवाई की जा रही है।

डीजीपी ने अदालत को यह भी बताया कि झारखंड पुलिस के द्वारा स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है। खासकर तीन तरह के क्राइम पर अंकुश लगाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भूमाफिया, एससी एसटी और महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों के निष्पादन को प्राथमिकता दी जा रही है।आपको बता दें कि पूर्व जस्टिस के रांची स्थित जमीन पर भूमाफियाओं की नजर पड़ गई थी। माफियाओं के द्वारा उनकी बाउंड्री को तोड़कर वहां गेट लगाया जा रहा था, जिन्हें बाद में भगाया गया। इस मामले में झारखंड हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए याचिका दायर करने का निर्देश दिया था। उसी याचिका पर कल सुनवाई हुई थी।

माओवादियों ने वाहन फूंके, घटना के बाद नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू

राष्ट्रीय खबर

पलामू: जिले में नक्सलियों ने एक बार फिर से अपनी तगड़ी उपस्थिति दर्ज करायी है। यहां सड़क निर्माण कार्य स्थल पर उत्पात मचाने हुए नक्सलियों ने वाहन फूंके। माओवादी सुनील विवेक और नितेश के दस्ते ने इस घटना को अंजाम दिया है। इसके बाद से इलाके में माओवादियों के खिलाफ सर्च अभियान शुरू कर दिया गया है।पलामू के छतरपुर हुसैनाबाद सीमावर्ती क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी द्वारा आठ वाहनों के जलाए जाने के मामले में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है, बुधवार की शाम प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने पलामू के छतरपुर और हुसैनाबाद सीमावर्ती क्षेत्र में आठ वाहनों को फूंक दिया। घटना के बाद पलामू एसपी रिष्मा रमेशन मौके पर पहुंची हैं और एंटी नक्सल अभियान का नेतृत्व कर रही हैं।पलामू के छतरपुर हुसैनाबाद सीमावर्ती क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी द्वारा आठ वाहनों के जलाए जाने के मामले में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है, बुधवार की शाम प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों ने पलामू के छतरपुर और हुसैनाबाद सीमावर्ती क्षेत्र में आठ वाहनों को फूंक दिया। घटना के बाद पलामू एसपी रिष्मा रमेशन मौके पर पहुंची हैं और एंटी नक्सल अभियान का नेतृत्व कर रही हैं।

चंद्रयान की सफलता पर सांसद सेठ ने वैज्ञानिकों को दी बधाई

राष्ट्रीय खबर

रांची:चंद्रयान महाअभियान की सफलता पर सांसद संजय सेठ ने इसरो परिवार को अपनी बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने इसे इसे विश्व पटल पर भारत की बड़ी सफलता बताया है। सांसद श्री सेठ ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का मार्गदर्शन, हमारे देश के वैज्ञानिकों की तपस्या और 140 करोड़ देशवासियों की शुभकामनाओं का परिणाम है कि हमने इस क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। आज का दिन दुनिया के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से अंकित हो गया। श्री सेठ ने कहा कि इस सफलता के लिए महाअभियान से जुड़ी टीम के हर सदस्य बधाई के पात्र हैं। हर देशवासी बधाई के पात्र हैं। यह भी एक इतिहास ही बन गया की यूट्यूब पर करोड़ों लोगों ने बैठकर इसका लाइव प्रसारण देखा। यह देखकर सुखद लगता है कि अब देश के हर अभियान में देशवासी प्रत्यक्ष रूप से शामिल हो रहे हैं। खुशियां प्रकट कर रहे हैं।

खर पतवार उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम

राष्ट्रीय खबर

रांची: बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग एवं झारखंड सरकार के पौधा संरक्षण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृहस्पतिवार को बेथसदा बालिका उच्च विद्यालय में पारथेनियम (गाजर घास) उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मानव, पशु एवं पर्यावरण के स्वास्थ्य पर पार्थेनियम के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। इसके साथ ही आसपास के क्षेत्र में सामूहिक रूप से उन्मूलन कार्यक्रम चलाया गया। पार्थेनियम के नियंत्रण के लिए सरकार के पौधा संरक्षण विभाग की अगुवाई में रसायनों का छिड़काव किया गया। कार्यक्रम में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय की खर-पतवार विशेषज्ञ डॉ शीला बारला, झारखंड सरकार की पौधा संरक्षण पदाधिकारी कालेन खलखो, विद्यालय के शिक्षकों, कर्मियों और लगभग 300 छात्राओं ने भाग लिया। बीएयू द्वारा पिछले 21 अगस्त को झारखंड राय यूनिवर्सिटी में भी पारथेनियम उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया था जिसमें कृषि प्रसार विशेषज्ञ डॉ आरपी सिंह रतन सहित राय यूनिवर्सिटी के शिक्षकों, विद्यार्थियों और बीएयू के खर-पतवार विशेषज्ञ ने भाग लिया।

जमशेदपुर में स्थापित होगा हाइड्रोजन ईंधन से जुड़ा देश का पहला उद्योग

रांची:जमशेदपुर में हाईड्रोजन इंजन से जुड़े देश के पहले उद्योग की स्थापना होगी। इसे लेकर शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में 354.28 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित एमओयू पर हस्ताक्षर होगा। झारखंड सरकार के उद्योग विभाग और टीसीपीएल ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड (टीजीईएसपीएल) के बीच एमओयू होने के बाद हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना को लेकर तेजी से काम होगा। मुख्यमंत्री ने 28 जुलाई 2023 को टाटा मोटर्स लिमिटेड और कमिंस आईएनसी के संयुक्त उपक्रम टीजीईएसपीएल द्वारा जमशेदपुर में हाईड्रोजन इंजन उद्योग की स्थापना के लिए एमओयू हस्ताक्षर करने के प्रस्ताव पर सहमति दी थी।

कृषि अभियांत्रिकी छात्र ड्रोन तकनीकी से हुये रूबरू

राष्ट्रीय खबर

रांची: बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के छात्र -छात्राओं को कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह की पहल पर कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीकी की उपयोगिता से रूबरू कराया गया। ड्रोन तकनीक के इस प्रत्यक्ष प्रदर्शनी का कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने भी अवलोकन किया। मौके पर कृषि अभियांत्रिकी वैज्ञानिक डॉ उत्तम कुमार ने छात्र - छात्राओं को ड्रोन के माध्यम से कम लागत एवं कम समय में फसलों पर कीटनाशी, ब्याधिनाशी एवं पोषक तत्वों के सटीक छिड़काव तकनीक से अवगत कराया। बताया कि इससे 20 मिनट में ही 3 से 5 एकड़ खेत में दवा एवं उर्वरकों का छिड़काव किया जाना संभव है। इस प्रत्यक्षण के दौरान छात्र - छात्राओं को ड्रोन मशीन का रख - रखाव एवं दैनिक प्रबंधन की व्यावहारिक जानकारियों से भी अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय के छात्र - छात्राओं को आधुनिक कृषि तकनीकी विस्तार से अद्यतन बनाये रखने की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन मशीन का कृषि कार्यो में भी लगातार उपयोग बढ़ता जा रहा है। हाईटेक कृषि में इसका विशेष महत्त्व है। इसमें लगे हाईलेवल सेंसर एवं कैमरा से खेतों की नमी, पौधों में पोषक तत्वों की आवश्यकता, पौधों में लगे कीट एवं रोग की आसानी से पहचान और लैंड मैपिंग भी की जा सकती है। मौके पर डीन एग्रीकल्चर डॉ डीके शाही, पूर्व डायरेक्टर रिसर्च डॉ ए वदूद एवं एसोसिएट डीन ई डीके रूसिया ने भी छात्र - छात्राओं को ड्रोन तकनीकी की उपयोगिता की जानकारी दी।

राज्य में बिजली वितरण व्यवस्था मजबूत करने के लिये खर्च होंगे 2088 करोड़, केंद्र सरकार की है योजना

राष्ट्रीय खबर

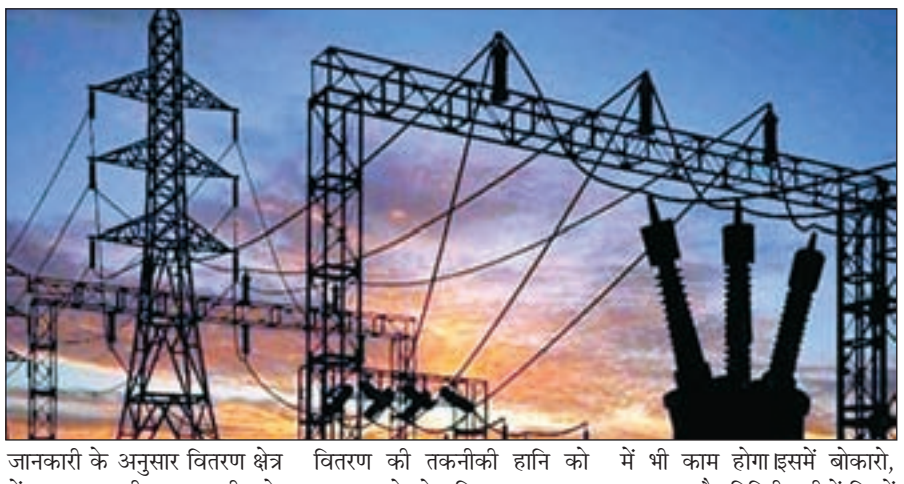

रांची: राज्य में बिजली वितरण की स्थिति में सुधार के लिये केंद्र सरकार फंडिंग करेगी। इसके लिये अलग अलग योजनाओं के तहत क्षेत्रवार कार्य किया जायेगा। जिसमें झारखंड को बिजली वितरण के लिये 2088 करोड़ दिया जायेगा। केंद्रीय उर्जा मंत्रालय की मानें तो देश में बिजली व्यवस्था में सुधार के लिये काम किया जा रहा है। इसके तहत वितरण व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जायेगा। सिर्फ ट्रांसमिशल लॉस को कम करने के लिए केंद्र सरकार राज्य को 2088 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।बीते दिनों संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में केंद्रीय उर्जा मंत्रालय की ओर से दी गयी जानकारी के अनुसार वितरण क्षेत्र में सुधार आरडीएसएस स्कीम के तहत किया जायेगा।

राज्य में मुख्य रूप से डीवीसी कमांड क्षेत्र के बोकारो, धनबाद और गिरिडीह जिले व्यापक रूप से काम होना है। इस क्षेत्र में वितरण की तकनीकी हानि को कम करने के लिए आधारभूत संरचना पर विशेष खर्च किया जायेगा। वितरण और ट्रांसमिशन लॉस के साथ ही खेती, उद्योग और सामान्य घरों के लिए फीडर को अलग-अलग करने की दिशा में भी काम होगा।इसमें बोकारो, धनबाद और गिरिडीह तीनों जिलों में मिलाकर 6181 सर्किट किलोमीटर एरियल बंच केबल लगाया जाएगा। वहीं 11 हजार के 1717 सर्किट किलोमीटर तार बदले जाएंगे। इसके अतिरिक्त 987 नये विद्युत ट्रांसफार्मर भी लगाया जाएगा। बता दें तीनों जिला डीवीसी कमांड क्षेत्र में आते है। पिछले छह सालों में क्षेत्र में बिजली संकट गंभीर रूप ले चुका है। जहां बार बार लोड शेडिंग और बकाया भुगतान को लेकर बिजली कटने की समस्या होती है।केंद्रीय उर्जा मंत्रालय की माने तो ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए काम किया जा रहा है। बिजली वितरण और गुणवत्ता में सुधार के लिए भारत सरकार की ओर से कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इस पर मुख्य रूप से वितरण प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है। जहां देश भर में दो लाख करोड़ रुपए खर्च किया जायेगा। इसमें से झारखंड को 2088 करोड़ रुपये देगी।